शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, शुक्रवार 21 नवंबर 2025 ● मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 221 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

नीतीश कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, सम्राट चौधरी व विजय सिन्हा बने उपमुख्यमंत्री

10वीं बार...नीतीशे सरकार

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की मौजूदगी में राज्यपाल ने दिलाई शपथ, भाजपा के कोटे से 14 मंत्री, जदयू कोटे से 9, चिराग की पासवान की लोजपा (आर) को दो , मांझी की हम पार्टी के एक और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो को भी एक मंत्री पद मिला

शुभम संदेश। पटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा शासित कई प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना के एतिहासिक गांधी मैदान में 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. नीतीश कुमार के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोटे से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली.

गुरुवार को नीतीश मंत्रिमंडल में जिन मंत्रियों को शपथ दिलाई गई, उनमें जमुई विधानसभा सीट से जीतीं श्रेयसी सिंह भाजपा की ओर से युवा चेहरों में शामिल हैं. इसके अलावा रमा निषाद को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है, जो इस बार अराई विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर आई है. ये दोनों ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली है. पहले चरण में सीएम नीतीश कुमार के साथ 27 मंत्रियों ने शपथ ली. इसमें भाजपा कोटे से 14 मंत्री जदयू से आठ, लोजपा (राम) से दो, हम और रालोमो से एक-एक को मंत्री बनाया गया है. नीतीश मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम मंत्री भी हैं. जदयू कोटे से जमा खान ने मंत्री पद की शपथ ली है. एनडीए गठबंधन ने सीएम नीतीश समेत 27 मंत्रियों की टीम में जातीय समीकरण का भी खूब ख्याल रखा गया है. अगड़ी और पिछड़ी जातियों के समीकरण को संतुलित कर नामों का चयन किया गया है. शपथ ग्रहण समारोह में मैथिली ठाकुर, सांसद व गायक मनोज तिवारी और भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने अपनी प्रस्तुति देकर भीड़ को झूमने पर मजबूर कर दिया.

शपथ ग्रहण समारोह में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ ही केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, धर्मेन्द्र प्रधान, जीतन राम मांझी, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, चिराग पासवान, अर्जुन राम मेघवाल, अनुप्रिया पटेल, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा मौजूद रहे. इसके अलावा आन्ध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के सीएम देवेन्द्र फडण्वीस, गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल, राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव, छग के सीएम विष्णु देव साय, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, उत्तराखण्ड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा आदि शामिल थे.

नीतीश कैबिनेट : कितने- परिवारवादी, महिलाएं, मुस्लिम, दागी, नए-पुराने चेहरे. कुल 27 नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. उनके साथ 26 नेताओं को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई.

मंत्री बनने वाले बीजेपी के नेताओं की लिस्ट : सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, लखेंद्र कुमार रौशन, श्रेयसी सिंह, प्रमोद कुमार, संजय सिंह टाइगर, अरुण शंकर प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद, रमा निषाद, नितिन नवीन, रामकृपाल यादव, मंगल पांडेय, दिलीप जायसवाल.

जेडीयू के नेता जो बने मंत्री : मोहम्मद जमा खान,लेसी सिंह, मदन सहनी, विजय चौधरी, बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्रवन कुमार,अशोक चौधरी और सुनील कुमार.

एलजेपी (आर) : संजय कुमार सिंह और संजय कुमार. आरएलएम के दीपक प्रकाश और हम के संतोष सुमन मंत्री बने हैं.

परिवार के मंत्री कौन कौन हैं :

- सम्राट चौधरी- वरिष्ठ नेता शकुनी चौधरी के बेटे हैं.
- श्रेयसी सिंह- दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह की बेटी हैं.
- अशोक चौधरी- वरिष्ठ कांग्रेस नेता रहे महावीर चौधरी के बेटे हैं.
- विजय चौधरी- पिता जगदीश प्रसाद कांग्रेसी थे और विधायक भी रहे.
- लेसी सिंह- पति भूटन सिंह थे, समता पार्टी के नेता थे.
- नितिन नवीन-नवीन सिन्हा के बेटे हैं, विधायक रहे.
- संतोष सुमन- हम के संयोजक जीतन राम मांझी के बेटे हैं.
- रमा निषाद- अजय निषाद की पत्नी हैं, पूर्व सांसद कैप्टन जयनारायण निषाद की बहू.
- दीपक प्रकाश- उपेंद्र कुशवाहा के बेटे हैं, उनकी मां भी विधायक चुनी गई हैं.

वो नेता जो पिछली सरकार में थे मंत्री, इसबार नहीं बने :रत्नेश सदा, जयंत राज कुशवाहा, जिवेश कुमार, शीला मंडल, महेश्वर हजारी, संतोष सिंह, केदार गुप्ता, कृष्णनंदन प्रसाद, हरी सहनी, जनक राम, राजू कुमार सिंह, नीतीश मिश्रा, नीरज सिंह, रेणु देवी, विजय कुमार मंडल, कृष्णा कुमार मंटू, मोती लाल प्रसाद और प्रेम कुमार.

कौन कौन से नए चेहरे शामिल किए गए? (जो पिछले कैबिनेट में मंत्री नहीं थे) : दिलीप जायसवाल, रामकृपाल यादव, रमा निषाद, अरुण शंकर प्रसाद, प्रमोद कुमार, श्रेयसी सिंह, लखेंद्र कुमार, दीपक प्रकाश, संजय सिंह टाइगर, संजय कुमार सिंह, संजय कुमार, नारायण प्रसाद.

कौन सबसे अमीर मंत्री : रमा निषाद सबसे अधिक अमीर हैं. उनकी संपत्ति 31 करोड़ रुपये के करीब है.

कितनी महिला मंत्री : श्रेयसी सिंह, लेसी सिंह और रमा निषाद तीन महिला मंत्री बनी हैं. नीतीश कैबिनेट में एक मात्र अल्पसंख्यक मंत्री को जगह मिली है. नीतीश कुमार ने जमा खान को मंत्री बनाया है.

सबसे ज्यादा और सबसे कम पढ़ा लिखा मंत्री कौन : अशोक चौधरी, दिलीप जायसवाल और संतोष सुमन पीएचडी किए हैं. वहीं नारायरण प्रसाद सबसे कम 10वीं पास हैं.

सबसे कम उम्र की मंत्री : नीतीश कैबिनेट में सबसे कम उम्र की श्रेयसी सिंह 34 साल की हैं. वहीं औसत उम्र की बात करें तो 56 साल के करीब है.

कौन-कौन बेदाग : नई कैबिनेट में 14 ऐसे मंत्री हैं जिनपर कोई भी क्रिमिनल केस नहीं है. इनमें विजय सिन्हा, लखेंद्र कुमार रौशन, श्रेयसी सिंह, संजय कुमार, दीपक प्रकाश, संजय सिंह टाइगर, सुरेंद्र मेहता, नारायण प्रसाद, लेसी सिंह, सुनील कुमार, विजय चौधरी, विजेंद्र प्रसाद यादव और श्रवन कुमार शामिल हैं. सबसे अधिक नितिन नबीन पर 5 केस दर्ज हैं.

जाति का प्रतिनिधित्व : जाति की बात करें तो 8 सवर्ण, 8 ओबीसी, 5 ईबीसी, 5 दलित और एक मुस्लिम को प्रतिनिधित्व मिला है. इनमें 4 राजपूत, 2 भूमिहार, एक ब्राह्मण, एक कायस्थ, दो यादव, दो कुशवाहा, दो कुर्मी, दो वैश्य शामिल हैं. वहीं 5 एससी में एक-एक पासी, मुसहर,रविदास और दो पासवान शामिल हैं. ईबीसी में कहार, मल्लाह, निषाद, धानुक और तेली समाज से एक एक मंत्री बनी हैं.

एमवाई (मुस्लिम-यादव) को क्या मिला : राज्य में मुस्लिम की आबादी करीब 17 फीसदी और यादव की 14 फीसदी है. दो यादव और एक मुस्लिम नेता मंत्री बने हैं. राजपूत 3 .45 फीसदी, ब्राह्मण 3 .66 फीसदी, भूमिहार 2 .86 फीसदी, कुशवाहा 4 .27 फीसदी, कुर्मी 2 .88 फीसदी, एससी 19 .65 फीसदी और अन्य 31 .27 फीसदी हैं.

नीतीश कुमार
मुख्यमंत्री

विजय सिन्हा
उप मुख्यमंत्री

सम्राट चौधरी
उप मुख्यमंत्री

पीएम मोदी ने शपथ ग्रहण समारोह खत्म होने पर गमछा लहराए

इस दौरान पीएम मोदी का एक बार फिर देसी स्टाइल देखने को मिला. शपथ ग्रहण समारोह खत्म होते ही वह थोड़ी देर तक गमछा लहराते दिखे. उन्हें ऐसा करते देख समारोह में उपस्थित लोग भी जोश और उत्साह से भर उठे और पीएम मोदी को अपना समर्थन देते दिखे. इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने समारोह में आए लोगों के सामने कई बार झुककर आभार और नमन किया. इससे पहले मंच पर बैठे प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार बात करते नजर आए और इस प्रचंड जीत से उत्साहित नजर आए. चुनावी प्रचार के दौरान भी पीएम मोदी ने नीतीश कुमार को भाई बताया था. उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा था कि दो भाई (नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार) मिलकर आपकी सेवा, समृद्धि और स्वाभिमान के लिए लगातार काम कर रहे हैं. चुनाव प्रचार के दौरान भी पीएम मोदी के बिहारी अंदाज में गमछा लहराने को लोगों ने काफी पसंद किया था.

पवन सिंह ने दर्शकों का मन मोह लिया

मंच पर कलाकारों ने बिहार के विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत कर माहौल को और जीवंत बना दिया. वहीं दूसरे मंच पर भोजपुरी अभिनेता और सांसद मनोज तिवारी तथा भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह ने अपने लोकप्रिय गीतों से दर्शकों का मन मोह लिया.

लिट्टी-चोखा बना आकर्षण का मुख्य केंद्र

विशिष्ट अतिथियों के लिए बिहार के पारंपरिक व्यंजनों की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिनमें लिट्टी-चोखा, मठरी और मखाना-खीर प्रमुख आकर्षण रहे. साथ ही, वीआईपी मेहमानों के लिए आरामदायक बैठने की खास व्यवस्था भी की गई थी.

शहर में एनडीए नेताओं का लगा पोस्टर

शहर भर में एनडीए नेताओं के स्वागत के लिए लगाए गए पोस्टरों और बैनरों ने पटना को सजावटी रूप प्रदान किया. बेली रोड से लेकर प्रमुख

चौराहों तक प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, नीतीश कुमार और अन्य नेताओं के विशाल कटआउट्स विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रहे थे. पूरा पटना उत्सव के रंग में रंगा दिखा, मानो एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक पर्व मनाया जा रहा हो.

शपथ ग्रहण के बाद सीएम ने जताया आभार

संवाददाता । पटना

ऐतिहासिक गांधी मैदान में बुधवार को बिहार की नवनिर्वाचित सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर पद और गोपनीयता की शपथ ली. इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर बिहार की जनता को नमन करते हुए कहा कि राज्यवासियों के समर्थन, विश्वास और आशीर्वाद से ही यह नया जनादेश संभव हो पाया है. उन्होंने बिहार के लोगों के प्रति हृदय से आभार और धन्यवाद व्यक्त किया. साथ ही समारोह में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री ने पीएम नरेन्द्र मोदी का विशेष रूप से धन्यवाद किया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति बिहार के विकास के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता को दर्शाती है. इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों, गणमान्य अतिथियों और विशिष्ट व्यक्तियों का भी हार्दिक अभिनंदन किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन की सरकार केंद्र के सहयोग से बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी. उन्होंने विश्वास जताया कि जनता के सहयोग और आशीर्वाद से बिहार को देश के सबसे विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने का संकल्प जल्द ही साकार होगा. शपथ ग्रहण के बाद दिए गए संदेश में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भविष्य की विकास यात्रा के प्रति दृढ़ संकल्प दोहराया और जनता को भरोसा दिलाया कि नई सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ेगी.

नई एनडीए सरकार को तेजस्वी ने भी दी बधाई

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को बधाई दी. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई. मंत्रिपरिषद् के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले बिहार सरकार के सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं. आशा है नई सरकार जिम्मेदारीपूर्ण लोगों की आशाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतर अपने वादों एवं घोषणाओं को पूरा करेगी तथा बिहारवासियों के जीवन में सकारात्मक व गुणात्मक परिवर्तन लाएगी.

लाल किला ब्लास्ट मामले में 4 और आरोपी गिरफ्तार

कोर्ट ने 10 दिन की एनआईए कस्टडी में भेजा

एजेंसी । नयी दिल्ली

नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को कहा कि उसने 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट मामले चार और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इससे इस केस में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या छह हो गई है. एजेंसी ने एक बयान में कहा कि गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों ने हमले में अहम भूमिका निभाई थी. एनआईए ने कहा कि गिरफ्तार गए आरोपियों में से तीन डॉक्टर हैं. जबकि एक धार्मिक उपदेशक है. दिल्ली कार विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे. आरोपियों की पहचान पुलवामा के डॉ. मुजम्मिल शकील गनई, अनंतनाग के डॉ. अदील अहमद राथर, लखनऊ के डॉ. शाहीन सईद और शोपियां के मुफ्ती इरफान अहमद वागे के रूप में हुई है. पटियाला हाउस कोर्ट के डिस्ट्रिक्ट सेशंस जज ने चारों आरोपियों की कस्टडी एनआईए को दे दी है. उन्हें आगे की पूछताछ के लिए श्रीनगर ले जाया गया है. दिल्ली विस्फोट के बाद ही जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीन सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को गिरफ्तार कर लिया था. एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, इन सभी ने आतंकवादी हमले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें कई निर्दोष लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे.

कश्मीर टाइम्स के दफ्तर पर छापा, राइफल बरामद

नयी दिल्ली : जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने गुरुवार को कश्मीर टाइम्स अखबार के जम्मू दफ्तर पर छापेमारी की. इस दौरान अखबार के दफ्तर से एके राइफल्स के कारतूस, पिस्तौल की गोलियां और हैंड ग्रेनेड के पिन बरामद किए गए. कश्मीर टाइम्स के खिलाफ ये कार्रवाई अखबार और उसके प्रमोटर्स के खिलाफ देश-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में दर्ज मामले के सिलसिले में की गई है. अधिकारियों का कहना है कि एसआईए की टीमों ने कंप्यूटर्स सहित अखबार के दफ्तर की पूरी तलाशी ली. जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने कहा कि कार्रवाई केवल तभी होनी चाहिए, जब कुछ गलत पता चले. उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने कुछ गलत किया है तो कार्रवाई होनी चाहिए.

दुलारचंद हत्याकांड

विधायक अनंत सिंह की जमानत याचिका खारिज

पटना । दुलारचंद यादव हत्याकांड के आरोपी विधायक अनंत सिंह को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. सिविल

कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है. अब अनंत सिंह पटना हाईकोर्ट में इसे चुनौती देंगे. अनंत सिंह को बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान 30 अक्टूबर को दुलारचंद यादव की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. इसके बाद से अनंत सिंह बेऊर जेल में बंद हैं. अनंत सिंह ने जेल में रहते हुए कोर्ट में अपनी जमानत याचिका दायर की थी. अनंत सिंह की याचिका को पटना सिविल कोर्ट ने खारिज कर दिया है. इसकी वजह से अनंत सिंह को अभी जेल में ही रहना होगा.

सुप्रीम कोर्ट बोला-राज्यपाल विधानसभा से पास बिलों को न लटकाएं

बिल मंजूर करें, लौटाएं या राष्ट्रपति को भेजें

- कहा-डेडलाइन नहीं, लेकिन देरी होने पर दखल देंगे
- बिलों की मंजूरी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की जा सकती.

एजेंसी । नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति और राज्यपाल की बिल मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया. कोर्ट ने कहा कि हमें नहीं लगता कि गवर्नरों के पास विधानसभाओं से पास बिलों (विधेयकों) पर रोक लगाने की पूरी पावर है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'गवर्नर्स के पास 3 ऑप्शन हैं. या तो मंजूरी दें या बिलों को दोबारा विचार के लिए भेजें या उन्हें प्रेसिडेंट के पास भेजें.' उन्होंने कहा कि बिलों की मंजूरी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की जा सकती. अगर देरी होगी तो हम दखल दे सकते हैं.

यह मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था. जहां गवर्नर ने राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे. सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है. इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा. यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था. इसके बाद राष्ट्रपति ने मामले में सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे. इस मामले में 8 महीने से सुनवाई चल रही थी.

पांच जजों की बेंच ने सुनवाई की

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की जगह इस मामले में चीफ जस्टिस बीआर गवई

की अगुआई वाली संविधान पीठ ने सुनवाई की. पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पीएस नरसिम्हा और एएस चंद्रचूड़कर शामिल थे. सुनवाई 19 अगस्त से शुरू हुई थी. सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार का पक्ष रखा. वहीं, विपक्ष शासित राज्य तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, पंजाब और हिमाचल प्रदेश ने केंद्र का विरोध किया.

ईडी ने ब्लैक मनी केस में वाड्रा को बनाया आरोपी

नयी दिल्ली । ब्लैक मनी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)

ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रॉबर्ट वाड्रा को पहली बार आधिकारिक तौर पर आरोपी बना दिया है. ईडी ने लंदन की प्रॉपर्टी और कथित काले धन के लेन-देन से जुड़े मामले में नई चार्जशीट दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल कर दी है. यह मामला यूके के डिफेंस डीलर संजय भंडारी से जुड़े संदिग्ध लेन-देन की जांच से सामने आया था. ईडी के अनुसार, वाड्रा का बयान इस साल जुलाई में पीएमएलए के तहत रिकॉर्ड किया गया था. एजेंसी का दावा है कि वाड्रा और भंडारी के बीच वित्तीय लेन-देन की कड़ियां मिली हैं, जिनमें विदेशी प्रॉपर्टी और फंड ट्रांसफर की जांच भी शामिल है.

आईआईटीएफ 2025 : झारखंड पैवेलियन में दिखाई दी राज्य के राष्ट्रीय नेतृत्व की शक्ति

तसर से तरक्की तक; झारखंड कर रहा है तसर उत्पादन में देश का नेतृत्व, मिली नयी पहचान

शुभम संदेश। रांची/नयी दिल्ली

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) 2025 में झारखंड पैवेलियन इस वर्ष विशेष रूप से सुर्खियों में है. इसकी सबसे बड़ी वजह है तसर सिल्क के क्षेत्र में झारखंड की अद्वितीय पहचान, जहां देश के कुल तसर उत्पादन का 70 प्रतिशत योगदान अकेले झारखंड देता है. यह उपलब्धि न केवल राज्य की प्राकृतिक संपदा और कौशल का प्रमाण है, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व में उभरती एक मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कहानी भी है.

पैविलियन का मुख्य आकर्षण- कोकून से रेशम धागा निकालने की पारंपरिक प्रक्रिया का लाइव डेमो: पैवेलियन का मुख्य आकर्षण वह लाइव डेमो है, जहां तसर कोकून से रेशम धागा निकालने की पारंपरिक प्रक्रिया प्रत्यक्ष रूप से दिखाई जाती है. प्रशिक्षित महिला कारीगर कोकून उबालने से लेकर धागा तैयार करने तक हर चरण को विस्तार से समझाती हैं. वहीं, "तम्सुम" उसी धागे से करघे पर कपड़ा बुनने की कला प्रस्तुत करती हैं. यह अनोखा प्रदर्शन न केवल तसर उद्योग की समृद्ध विरासत को सामने लाता है, बल्कि महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर करता है, जो ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्थायी आजीविका का मजबूत आधार बन चुकी हैं.

देश की तसर राजधानी के रूप में झारखंड ने खुद को किया स्थापित

झारखंड का तसर उद्योग आज एक स्पष्ट विज़न के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है- स्थानीय आजीविका को सुदृढ़ करना, कच्चे रेशम के उत्पादन को बढ़ाना, तसर से जुड़े संपूर्ण इकोसिस्टम का निर्माण करना और राज्य को भारत के हस्तशिल्प मानचित्र पर विशिष्ट स्थान दिलाना. इसी मिशन के तहत, झारखंड में आज 100 कोकून संरक्षण केंद्र और 40 पूर्ण- सुविधायुक्त परियोजना केंद्र संचालित हो रहे हैं. 2001 में 90 मीट्रिक टन कच्चे रेशम का उत्पादन बढ़कर 2024–25 में 1,363 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जिसने झारखंड को देश की तसर राजधानी के रूप में स्थापित कर दिया है .इस अभूतपूर्व सफलता के केंद्र में हैं झारखंड की महिलाएं. तसर उत्पादन के 50–60 प्रतिशत कार्यों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी है. कोकून प्रसंस्करण से लेकर तसर धागा उत्पादन और तैयार उत्पादों के निर्माण तक. उल्लेखनीय है कि यार्न उत्पादन पूरी तरह से महिला कर्मियों द्वारा किया जाता है, जिसने उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ राज्य की तसर अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ भी बनाया है.

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, चलायी जा रहीं कई योजनाएं

महिलाओं की इस बढ़ती भूमिका को और मजबूती देने के लिए उद्योग विभाग और रेशम निदेशालय द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं. झारक्राफ्ट, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) और अन्य संस्थाओं के सहयोग से महिलाओं को प्रशिक्षण, रोज़गार और बाज़ार तक पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है. इसके अतिरिक्त, राज्य भर में स्थापित कॉमन फ़ैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) में 30–60 महिलाएँ एक साथ उत्पादन, कौशल विकास और प्रशिक्षण गतिविधियों से जुड़कर स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं. युवा रियरर्स और किसानों के लिए सेरीकल्चर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी नए अवसर पैदा कर रहे हैं.

इसके साथ ही, झारखंड पैवेलियन में झारक्राफ्ट राज्य की ग्रामीण कला, कारीगरी और तसर आधारित हस्तशिल्प को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में अपनी अहम भूमिका को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत कर रहा है. आईआईटीएफ 2025 में प्रदर्शित इसके उत्कृष्ट उत्पाद झारखंड की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को सामने लाने के साथ-साथ कारीगरों के आर्थिक सशक्तिकरण की मजबूत कहानी भी बयां करते हैं. आईआईटीएफ 2025 में झारखंड पैवेलियन तसर उत्पादन से जुड़े इस गौरवशाली सफर को एक ही छत के नीचे जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है, जहां तसर की चमक, महिलाओं की मेहनत और ग्रामीण झारखंड की तरक्की की प्रेरक गाथा साथ-साथ आगे बढ़ती दिखाई देती है.

झारखंड में 4919 सिपाहियों की नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र शुरू होगी

दो साल बाद बहाली को मिली हरी झंडी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में पुलिस विभाग में बड़ी बहाली जल्द शुरू होने जा रही है. सिपाही के 4919 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने के लिए पुलिस मुख्यालय ने तैयारी तेज कर दी है. हाल ही में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में पुलिस मुख्यालय को निर्देश दिया गया था कि सिपाही भर्ती प्रक्रिया तत्काल आरंभ की जाए. इसी के बाद विभाग ने काम आगे बढ़ा दिया है. फिलहाल राज्य में सिपाही के कुल 9671 पद रिक्त हैं. सरकार ने इन पदों पर चरणबद्ध तरीके से नियुक्ति का फैसला लिया है. पहले चरण में 4919 पदों पर बहाली की जाएगी. माना जा रहा है कि सभी 9671 पदों के रोस्टर क्लीयरेंस में लंबा समय लग सकता है, इसलिए पुलिस मुख्यालय द्वारा पहले से तैयार किए गए 4919 पदों के रोस्टर पर ही प्रक्रिया शुरू की जा रही है. नियुक्ति मार्च 2025 में अधिसूचित झारखंड पुलिस, कक्षपाल, सिपाही (होम गार्ड), उत्पाद सिपाही संयुक्त भर्ती नियमावली 2025 के अनुसार की जाएगी.

दो साल बाद फिर शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया

2023 में जिलों में सिपाही नियुक्ति के लिए जेएसएससी ने विज्ञापन जारी किया था, लेकिन बाद में सरकार ने अधियाचना वापस लेते हुए भर्ती रद्द कर दी थी. अब करीब दो साल बाद भर्ती प्रक्रिया दुबारा शुरू हो रही है. इसके लिए पुलिस मुख्यालय जल्द ही गृह विभाग को नई अधियाचना भेजेगा.

जेएसएससी चला रही 20 हजार से अधिक पदों पर भी भर्ती प्रक्रिया

जेएसएससी लगभग 20 हजार पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया चला रही है .

जिन प्रमुख परीक्षाओं की प्रक्रिया जारी है, उनमें शामिल हैं:

- महिला पर्यवेक्षिका परीक्षा – 488 पद
- मैट्रिक स्तरीय परीक्षा– 455 पद
- आबकारी सिपाही परीक्षा – 580 पद
- पैरामेडिकल संयुक्त परीक्षा – 2532 पद
- इंटरमीडिएट लेवल – 863 पद
- सचिवालय आशुलिपिक परीक्षा 2024 – 455 पद
- झारखंड पुलिस में एसआई – 181 पद
- पुलिस सिपाही – 9671 पद
- जैप में सिपाही – 639 पद
- आईआरपी में सिपाही – 1534 पद
- विशिष्ट आईआरबी – 91 पद
- जिला/वाहिनी में चतुर्थ श्रेणी कर्मी – 800 पद

इसके अलावा, एसआई के 946 पद (398 बैकलॉग और 548 नियमित) तथा परिचारी के 29 पदों पर भी गृह विभाग को अधियाचना भेजी गई है.

अन्य विभागों में कितने पद खाली

- सहायक आचार्य : 8000
- उप समाहर्ता : 207
- डीएसपी : 35
- राज्य कर पदाधिकारी : 56
- झारखंड शिक्षा सेवा : 10
- जिला समादेष्टा : 01
- सहायक निबंधक : 08
- श्रम अधीक्षक : 14
- प्रोबेशन पदाधिकारी : 06
- निरीक्षक, उत्पाद : 03

झारखंड शिक्षा विभाग में 75 करोड़ का 'आधार स्कैम': भाजपा

स्कूली छात्रों से दो सालों से हो रही है अवैध वसूली ▸▸ राज्य सरकार स्कूली बच्चों को भी लूट रही है : अजय साह

शुभम संदेश। रांची

झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने राज्य सरकार के शिक्षा विभाग पर गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं. गुरुवार को उन्होंने कहा कि झारखंड में चौतरफा लूट खसोट मचा हुआ है. यह सरकार स्कूली बच्चों को भी लूट रही है. साह ने कहा कि पिछले दो वर्षों में शिक्षा विभाग और एमकेएस एंटरप्राइज़ के गठजोड़ के चलते आधार कार्ड निर्माण से जुड़ा लगभग 75 करोड़ रुपये का बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है.

बताया कि मार्च 2023 में स्कूली बच्चों के नए आधार एनरोलमेंट और बायोमेट्रिक अपडेट के लिए जेईपीसी, जो शिक्षा विभाग के अधीन कार्य करता है, द्वारा एजेंसी चयन हेतु टेंडर जारी किया गया, जिसमें एमकेएस एंटरप्राइज़ को नियुक्त किया गया. उन्होंने कहा कि टेंडर की मूल प्रति, एजेंसी को जारी वर्क ऑर्डर, जेईपीसी निदेशक के तीन आधिकारिक पत्र और आरटीआई से प्राप्त सूचनाएं स्पष्ट रूप से दिखाती हैं कि छात्रों से आधार एनरोलमेंट या बायोमेट्रिक अपडेट के लिए किसी भी प्रकार की फीस नहीं ली जानी थी. प्रति छात्र 50 रुपये का भुगतान भारत सरकार द्वारा जेईपीसी को किया जाना था, जिसे आगे एजेंसी को दिया जाना था.

आधार सुपरवाइजर्स का खुला शोषण भी हुआ

साह ने आगे आरोप लगाया कि जेईपीसी और एजेंसी की मिलीभगत सिर्फ अवैध वसूली तक सीमित नहीं रही, बल्कि आधार सुपरवाइजर्स का खुला शोषण भी हुआ. नौकरी देने के नाम पर पहले 50-50 हजार रुपये वसूले गए और जब सुपरवाइजर्स ने अपनी बकाया सैलरी की मांग की, तो उन पर उल्टा लाखों रुपये का जुर्माना थोपकर उन्हें धमकाया गया, उन्होंने कहा कि एमकेएस एंटरप्राइज़ बिहार और बंगाल में भी फर्जी आधार कार्ड बनाने की गतिविधियों में शामिल रहा है और इसकी गहन जांच आवश्यक है. इसके अलावा यह मामला करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग से भी जुड़ा हुआ है, जिसकी जांच बेहद जरूरी है. भाजपा ने इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच, जेईपीसी की भूमिका की स्वतंत्र जांच और एमकेएस एंटरप्राइज़ को तत्काल ब्लैकलिस्ट करने की मांग की है. प्रेसवार्ता में युवा मोर्चा के मीडिया प्रभारी प्रिंस कुमार भी उपस्थित थे.

36 करोड़ रुपये छात्रों से गैरकानूनी रूप से वसूले गए

प्रवक्ता साह ने इसके विपरीत, डिजिटल लेन-देन के दस्तावेज दिखाते हुए दावा किया कि जेईपीसी के संरक्षण में एमकेएस एंटरप्राइज ने पिछले दो वर्षों में स्कूलों में व्यापक अवैध वसूली की. उन्होंने बताया कि 250 ब्लॉक रिसोर्स सेंटर्स में प्रतिदिन औसतन 2,000 रुपये की उगाही होती रही और इसी आधार पर करीब 36 करोड़ रुपये छात्रों से गैरकानूनी रूप से वसूले गए. इतना ही नहीं, आधार एनरोलमेंट के नाम पर केंद्र सरकार से भी लगभग इतनी ही राशि ली गई. इसके अलावा एजेंसी ने राज्यभर के लगभग 500 "आधार सुपरवाइज़र" से 'सिक्योरिटी मनी' के नाम पर करीब 2.5 करोड़ रुपये की और वसूली की. इन सभी आंकड़ों को जोड़ने पर घोटाले की कुल राशि लगभग 75 करोड़ रुपये तक पहुंचती है.

भाजपा नेता निराधार आरोपों के जरिये अधिकारियों पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे : सोनाल शांति

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अपने शासनकाल में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली भाजपा अब झारखंड सरकार पर अनर्गल आरोप लगाकर नैतिकता का उपदेश देने की कोशिश कर रही है, जो स्वीकार्य नहीं है. उन्होंने कहा कि भाजपा नेता निराधार आरोपों के जरिये अधिकारियों पर दबाव बनाने और भय का माहौल तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि महागठबंधन सरकार भ्रष्टाचारियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है. रघुवर दास सरकार के समय हुए फर्जीवाड़ों पर अंकुश लगाना वर्तमान सरकार की बड़ी उपलब्धि है.

सोनाल शांति ने आरोप लगाया कि झूठे आंकड़े पेश करना भाजपा की

आदत बन चुकी है. जमीन घोटाले के आरोपियों तक को भाजपा नेताओं द्वारा देश के वित्त मंत्री से मिलवाकर गुप्त सौदेबाजी की जाती रही है. ऐसे में भ्रष्टाचारियों का संरक्षण करने वाली भाजपा को इस विषय पर ज्ञान देना शोभा नहीं देता. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री जिन नेताओं को मंच से देश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी बताते थे, आज उन्हें ही भाजपा में सम्मानपूर्वक शामिल किया जा रहा है.

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकारों का हनन करनेवाली भाजपा को झारखंड सरकार पर आरोप लगाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है. वर्तमान सरकार में एसीबी और अन्य एजेंसियां भ्रष्ट अधिकारियों पर लगातार कार्रवाई कर रही हैं, जबकि भाजपा शासन में भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को संरक्षण मिलना आम बात थी. शांति ने कहा कि हजारों विद्यालयों को बंद करने वाली भाजपा को पहले अपने शासनकाल की नीतियों पर सवाल उठाना चाहिए. आज महागठबंधन सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रही है और छात्रों की उपस्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है. उन्होंने सलाह दी कि सरकार पर आरोप लगाने के बजाय भाजपा अपनी ऊर्जा विकासात्मक सोच अपनाने में लगाए.

झारखंड में बढ़ेगी ठिठुरन

कई जिलों में कोहरे और हल्की बारिश की संभावना

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में मौसम एक बार फिर बदलने वाला है. रांची मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 25 नवंबर तक राज्य के कई जिलों में हल्का कोहरा, आंशिक बादल और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है. इस दौरान रात का तापमान लगभग 2° सेल्सियस तक गिर सकता है, जबकि ज्यादातर समय मौसम शुष्क रहेगा.

अगले दो दिन मौसम शुष्क रहेगा

राज्य में अगले दो दिन मौसम साफ रहेगा. सुबह हल्का कोहरा रह सकता है, लेकिन दिन के समय आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा. इन दिनों किसी जिले में बारिश की संभावना नहीं है. अधिकतम तापमान 27-28° सेल्सियस और न्यूनतम 13-14° सेल्सियस के आसपास रहेगा.

24–25 नवंबर को फिर बढ़ेगी ठंड : 24 और 25 नवंबर को मौसम फिर शुष्क रहेगा. सुबह हल्का कोहरा रहेगा और दिन में धूप निकलने की संभावना है. रात का तापमान 12° सेल्सियस तक गिर सकता है. उत्तरी और मध्य झारखंड में सुबह हल्की शीतलहर जैसी स्थिति बन सकती है.

राज्य भर का तापमान पूर्वानुमान

मौसम विभाग के अनुसार 23 नवंबर तक तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव रहेगा. कई जिलों में दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक रहेगा, जबकि रातें ठंडी होती जाएंगी. देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज में अधिकतम तापमान 30-32° सेल्सियस और न्यूनतम 14-19° सेल्सियस रहने की संभावना हैय

सबसे ज्यादा ठंड किन जिलों में

चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा और गढ़वा में रात का तापमान 12° सेल्सियस तक गिर सकता है, जबकि दिन का तापमान 27-31° सेल्सियस रहेगा. पलामू में अधिकतम तापमान 32° सेल्सियस तक जा सकता है. राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 26-28° सेल्सियस और न्यूनतम 12-14° सेल्सियस रहने का अनुमान है. पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में 29-31° सेल्सियस अधिकतम और 12-15° सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहेगा.

22-23 नवंबर को बादल और बूंदाबांदी

पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पाकुड़ और साहिबगंज में 22 और 23 नवंबर को हल्के बादल और कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है. बादल बढ़ने से रात का तापमान 12° सेल्सियस तक गिर सकता है.

नमामि गंगे परियोजना निदेशक ने नगर विकास के प्रधान सचिव सुनील कुमार से परियोजनाओं पर बात की

रांची। नमामि गंगे परियोजना के निदेशक (परियोजना) राहुल द्विवेदी ने नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार से मुलाकात की. द्विवेदी ने झारखंड के धनबाद, रामगढ़ और साहेबगंज में चल रही सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं इंटरसेप्शन एंड डायवर्जन से संबंधित परियोजनाओं पर चर्चा की. द्विवेदी ने परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा कीय इस अवसर पर सुडा निदेशक सूरज कुमार, जुडको के पीडीटी बीके राय, जीएम् एसएस सेनगुप्ता, प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर विजय कुमार यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

उर्दू शिक्षक संघ ने आलिम व फाजिल डिग्री की मान्यता के मुद्दे पर दिए सुझाव

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के शिष्टमंडल ने केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद के नेतृत्व में झारखंड राज्य अल्पसंख्यक कल्याण आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू से मुलाकात कर आलिम व फ़ाज़िल डिग्रियों की मान्यता के मुद्दे पर सुझाव दिया. संघ ने कहा कि सरकार द्वारा अब तक कोई ठोस निर्णय न लेना अल्पसंख्यक समुदाय के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय है.संघ ने बताया कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने 19 अप्रैल 2023 को आलिम और फ़ाज़िल डिग्रीधारी अभ्यर्थियों की नियुक्ति शुरू की थी, लेकिन अंतिम सूची जारी नहीं की गई. विभाग का यह तर्क कि मौलवी परीक्षा के बाद स्नातक अनिवार्य है, निराधार और अनुचित है.अमीन अहमद ने कहा कि वर्ष 2006 में झारखंड अधिविद्य परिषद द्वारा आलिम और फ़ाज़िल डिग्रियों की मान्यता दी जा चुकी है, लेकिन विधि विभाग की आपत्ति विरोधाभासी और दुर्भाग्यपूर्ण है. संघ ने चेतावनी दी कि अगर सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा.संघ ने 2006 की अधिसूचना के अनुसार मान्यता सुनिश्चित करने, झारखंड के विश्वविद्यालय को परीक्षा संचालित करने की अनुमति देने और विधि विभाग एवं जेएसएससी की गलत व्याख्या तुरंत वापस लेने की मांग की है.

झारखंड: नगर निगमों और निकायों के चुनाव में पिछड़ों के आरक्षण के लिए सरकार ने जारी की जनगणना सर्वे रिपोर्ट

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के नौ नगर निगमों और 39 नगर निकायों में पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण तय करने के उद्देश्य से राज्य सरकार की ओर से कराए गए ट्रिपल टेस्ट सर्वे की रिपोर्ट जारी कर दी गई है. राज्य के नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर जारी रिपोर्ट में सभी नगर निकायों में वार्डवार पिछड़ा वर्ग के आंकड़े सार्वजनिक किए गए हैं. इसके आधार पर वार्डों के साथ-साथ विभिन्न पदों के लिए आरक्षण तय किया जाएगा. झारखंड में पिछड़ा वर्ग का आरक्षण प्रतिशत तय होने की वजह से करीब चार वर्षों से नगर निकायों के चुनाव लंबित पड़े हैं. रिपोर्ट जारी होने के बाद चुनावी प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है.

सर्वोच्च न्यायालय ने नगर निकायों में पिछड़ों के लिए आरक्षण तय करने का निर्देश दिया था.इसके लिए राज्य सरकार की ओर से ट्रिपल टेस्ट सर्वे के आधार पर पिछड़ा वर्ग की जनगणना की गई है.राज्य सरकार की अधिसूचना में कहा गया है कि जनगणना के इन आंकड़ों का उपयोग सिर्फ नगर निकाय चुनावों के लिए किया जाएगा.

धनबाद में कुल 5,87,388 लोग ओबीसी में

रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के नौ नगर निगमों में धनबाद नगर निगम में पिछड़े वर्गों की आबादी सबसे अधिक है. धनबाद में कुल 5,87,388 लोग ओबीसी श्रेणी में आते हैं, जिनमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग-I के 4,35,961 और पिछड़ा वर्ग-II के 1,51,427 लोग शामिल हैं। यह संख्या सभी नगर निगमों में सबसे ज्यादा है.

रांची नगर निगम क्षेत्र में 2,67,082 ओबीसी

रांची नगर निगम क्षेत्र में ओबीसी की कुल आबादी 2,67,082 दर्ज की गई है, जिसमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग-I के 1,90,811 और पिछड़ा वर्ग-II के 76,271 लोग शामिल हैं. इसी तरह, हजारीबाग नगर निगम में पिछड़े वर्ग की कुल आबादी 1,04,334 पाई गई है. यहां ईबीसी-I की संख्या 78,153 और बीसी- II की संख्या 26,181 है.

देवघर नगर निगम में ओबीसी की कुल आबादी 95,315 आबादी है. जमशेदपुर के मानगो नगर निगम में ओबीसी आबादी 88,390 है, जबकि औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े आदित्यपुर नगर निगम में यह संख्या सिर्फ 57,086 है, जो राज्य के सभी नगर निगमों में सबसे कम है.

इसके अलावा गिरिडीह, चास और मेदिनीनगर जैसे नगर निगमों में भी ओबीसी आबादी का विस्तृत विवरण जारी किया गया है. गिरिडीह में पिछड़े वर्गों की आबादी 1,18,111, चास में 82,434 और मेदिनीनगर में 72,795 दर्ज की गई है.

दूसरी बार
मां बनेंगी
सोनम कपूर

https://epaper.shubhamsandesh.net

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शुक्रवार 21 नवंबर 2025 । मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, संवत 2082 । रांची एवं पटना से प्रकाशित । वर्ष : 4, अंक : 221 । मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ खबरें

झरिया में आत्महत्या के दो मामले

डांट पर युवती ने लगाई फांसी, पति से विवाद पर विवाहिता फंदे से झूली

झरिया । झरिया थाना क्षेत्र के गुरुवार को अलग-अलग क्षेत्र से एक विवाहिता एवं एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है. इस घटना के बाद से ही दोनों परिवारों में शोक की लहर है. पहली घटना झरिया ऊपर राजबाड़ी स्थित राजमाता कॉलोनी निवासी तापस दा की पत्नी दीपाली कुमारी (28) ने बुधवार की देर रात अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. आत्महत्या की दूसरी घटना झरिया दालपट्टी निवासी जमुना साव की छोटी पुत्री प्रिया कुमारी ने घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. झरिया पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद ले गया.

खरखरी में एंटी क्राइम वाहन चेकिंग

मधुबन । वरीय अधिकारी के निर्देश पर गुरुवार की शाम खरखरी ओपी प्रभारी मंगल प्रासद कुजूर के नेतृत्व में ओपी के मुख्य गेट के समीप एंटी क्राइम वाहन चेकिंग की गई. जिसमें सभी छोटे-बड़े वाहनों की गहन से डिक्की आदि की चेकिंग की गई. ओपी प्रभारी ने बताया कि एंटी क्राइम चेकिंग से क्षेत्र में अपराधिक द्वारा घटना की अंजाम को अंकुश लगता है. साथ ही अपराधी भी पकड़ में आ जाते हैं. मौके पर एएसआई अनूप डुंगडुंग ,अशोक,महतो, मनोज बाड़ा,राम प्रक्षिण आदि बल उपस्थिति थे.

बरवाडीह पैसेंजर ट्रेन में वृद्ध का शव बरामद

गोमो । बरवाडीह गोमो पैसेंजर ट्रेन में गुरुवार शाम को बोगी में एक अज्ञात वृद्ध व्यक्ति अचेता अवस्था में पड़े होने की सूचना पर रेल थाना गोमो ने चिकित्सक डॉ देव कुमार से जांच करवाई . डॉक्टर ने जांचकर उसे मृत बताया. पुलिस ने शव को बरामद कर जांच पड़ताल कर रही. थाना प्रभारी शाहजहां खान ने बताया कि मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है. शुक्रवार को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेजा जायेगा. चिकित्सक के अनुसार संभवत ठंड लगने से उसकी मौत हो गई.

स्क्रैप लदा पिकअप वैन पकड़ा, जांच के बाद छोड़ा

कुमारधुबी । गलफरबाड़ी पुलिस ने गुरुवार की देर शाम लोहा लदा पिकअप वैन पकड़ा है. मौके से चालक सहित दो लोगों को भी हिरासत में ले लिया. पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि चिरकुंडा से चोरी का लोहा लदा पिकअप वैन गलफरबाड़ी ओपी क्षेत्र के लोहा गलाने वाले एक कारखाना में जा रहा है. सूचना पर पुलिस ने ओपी के पास पिकअप को रोका और जप्त कर ओपी ले आयी. ओपी प्रभारी दीपक कुमार दास ने बताया कि चालक से पूछताछ की गयी. उसने बताया कि लोहा लदा पिकअप एग्यारकुंड दक्षिण पंचायत के नकड़ाकनाली स्थित ओम इंजीनियरिंग में जा रहा था.

वृंदावन तालाब पर अवैध कब्जा, सीओ की रिपोर्ट में खुलासा

15वें वित्त आयोग की योजना से होना है तालाब का सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार, बजट भी आवंटित

खास बातें

- सीओ ने नगर आयुक्त को सौंपी रिपोर्ट
- सौंदर्यीकरण होने पर कॉलोनी के लोगों को मिलेगी राहत

अमित सिन्हा

धनबाद (शुभम संदेश)। अंचल अधिकारी, धनबाद सदर ने नगर आयुक्त को एक महत्वपूर्ण प्रतिवेदन भेजा है, जिसमें 15वें वित्त आयोग से स्वीकृत योजना सरायढेला स्थित वृंदावन तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के लिए चिह्नित भूमि की स्थिति स्पष्ट की गई है. नगर आयुक्त ने सीओ से उक्त तालाब के जमीन की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी थी. सीओ द्वारा सौंपे प्रतिवेदन के अनुसार उक्त तालाब के लिए चिह्नित भूमि मौजा-सावलपुर (मौजा नं.-11) में स्थित है. खाता नं.-139, प्लॉट नं.875, रकबा-92 डिसमिल, ऑनलाइन हाल सर्वे खतियान में यह जमीन पूरी तरह अनाबाद बिहार सरकार के नाम दर्ज है तथा किस्म सहन (तालाब) अंकित है. खतियान के कैफियत कॉलम में स्पष्ट लिखा कि उक्त जमीन पर अवैध दखलः वृंदावन सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, सबलपुर, धनबाद है. पंजी-2 (भाग वर्तमान-1) के पृष्ठ 121 पर भी यही भूमि रकबा शून्य दिखाते हुए अनाबाद बिहार सरकार के नाम दर्ज है. इसका मतलब साफ है कि कानूनी रूप से पूरी जमीन सरकारी तालाब की है, लेकिन वास्तविकता में वृंदावन सहकारी गृह निर्माण समिति ने इस पर अवैध कब्जा कर रखा है. अंचल अधिकारी ने राजस्व उप-निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा एवं अंचल अमीन भागवत प्रसाद दास की रिपोर्ट के आधार पर ट्रेस मैप भी तैयार कराकर नगर निगम को भेज दिया है. नगर निगम अब इस प्रतिवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगा. चूंकि 15वें वित्त आयोग की योजना पहले ही स्वीकृत हो चुकी है और इसके लिए बजट भी आवंटित है. इसलिए सबसे बड़ी बाधा अवैध कब्जे को हटाना है. इसके लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाना या कोर्ट के माध्यम से कब्जा मुक्त कराना पड़ सकता है. स्थानीय लोगों का कहना है कि तालाब उपेक्षा का शिकार है और पानी गंदा होने से इलाके में बदबू व मच्छरों की समस्या रहती है. 15वें वित्त आयोग की इस योजना से तालाब का सौंदर्यीकरण होने पर कॉलोनी के सैकड़ों परिवारों को राहत मिलेगी तथा क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़ेगी.

अभिषेक सिंह की अर्जी पर संजीव सिंह समेत 10 को नोटिस जारी

धनबाद। पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या के आप से परी झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह समेत 10 लोगों के खिलाफ गुरुवार को हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर दिया है। मामले के वादी अभिषेक सिंह झारखंड हाई कोर्ट में संजीव सिंह समेत 10 को पार्टी बनाते हुए रिहाई के खिलाफ अपील दाखिल की थी। हाई कोर्ट के डबल बेंच के न्यायमूर्ति रोगन मुखोपाध्याय एवं न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने विपक्षी को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। विपक्षी के उपस्थित होने पर एडमिशन की बिंदु पर सुनवाई हो सकती है। इससे पूर्व इस मामले में दो अपील सनी के लिए स्वीकार किया गया था।

अड्डाबाजी और शराबखोरी पर अभियान, 103 धराए

सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने वालों पर पुलिस की गाज

बिना कारण देर रात तक घूमने वाले भी चढ़े पुलिस के हत्थे

शुभम संदेश। धनबाद

एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देशानुसार अपराध पर नकेल कसने के उद्देश्य से गुरुवार की रात पुलिस ने कई इलाकों में रात में अभियान चलाया. इस दौरान पुलिस टीमों ने स्कूल परिसरों, सार्वजनिक पार्कों, सड़कों के किनारे, सुनसान जगहों, बाजार क्षेत्रों के कोनों, खाली मैदानों और सामुदायिक भवनों के आसपास विशेष रूप से दबिश दी. कई जगहों पर पुलिस पहुंचते ही अफरा-तफरी का माहौल देखा गया. थाना प्रभारी और ओपी प्रभारी खुद फील्ड में उतरे और इलाके में घूमकर अभियान का जायजा लेते रहे. पूरे जिले में 103 लोगों को दबोचा गया.

इनमें ऐसे लोग भी पुलिस के हत्थे चढ़े जो बिना किसी कारण देर रात सार्वजनिक स्थलों पर बैठे थे. ऐसे लोगों को पुलिस ने कड़ी चेतावनी देकर छोड़ दिया. साथ ही संदिग्ध रूप से घूमने वाले या आपराधिक प्रवृत्ति से जुड़े दिखने वाले व्यक्तियों को तत्काल थाना लाया गया और उनकी गहन पूछताछ की गई.

कई के पास तो पहचान पत्र तक नहीं मिले, जिनसे पुलिस ने उनके आने-जाने के कारणों की जानकारी ली और पहचान सुनिश्चित होने के बाद ही उन्हें छोड़ा गया. कई सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करते हुए व्यक्तियों को भी पकड़ा गया. कई लोग पार्क, मैदान और सड़क किनारे नशे की हालत में बैठे पाए गए, उन्हें पुलिस ने तुरंत हिरासत में लिया. इन सभी को संबंधित थाने में भेजकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की गई. अब तक कुल 103 लोगों को अड्डाबाजी करते, संदिग्ध रूप से घूमते या शराब पीते हुए पकड़ा गया है. एसएसपी ने कहा कि आगे भी ऐसे लोगों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी ताकि इलाके में कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो.

अड्डाबाजी और सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन से अपराध की संभावना कई गुना बढ़ जाती है. भीड़ में छोटी कहासुनी से लेकर बड़े झगड़े, मारपीट, छिनतई, छेड़खानी, चोरी और लूट जैसी वारदातें जन्म लेती हैं. इसके अलावा, ऐसे ही जमावड़ों में कई बार अपराधी संगठित होकर किसी बड़ी वारदात की योजना भी बनाते हैं. इसी कारण पुलिस इन गतिविधियों को रोकने के लिए "परिवेंटिव एक्शन" के तहत लगातार अभियान चला रही है. यह अभियान जारी रहेगी. उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि संवेदनशील इलाकों में विशेष रूप से रात के समय गश्त बढ़ाई जाए. एसएसपी ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके आसपास किसी भी प्रकार की अड्डाबाजी, अवैध गतिविधि, नशाखोरी या संदिग्ध हलचल दिखाई दे तो तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचित करें. पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचेगी और कार्रवाई करेगी. उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी.

सत्येंद्र सिंह हत्याकांड

आरोपियों के खिलाफ हाईकोर्ट से नोटिस

शुभम संदेश। धनबाद

मनईटांड़ निवासी भाजपा नेता बलिराम सिंह के भाई सत्येंद्र सिंह की हत्या के मामले में चार आरोपियों के खिलाफ हाईकोर्ट से नोटिस जारी हुआ है. नोटिस का दो सप्ताह के अंदर जवाब दाखिल करने को कहा गया है.

बता दें कि हत्या की यह वारदात सात साल पहले घटी थी और निचली अदालत ने कांड के आरोपियों को रिहा कर दिया था. इस मामले में सूचक बलराम सिंह ने इस फैसले के विरोध में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. जो सुनवाई के लिए स्वीकृत कर ली गई है.

पुरानी दुश्मनी में गई थी जान : सत्येंद्र सिंह और अरुण मंडल में 10 साल पहले मामूली विवाद हुआ था. उस समय भी दोनों में मारपीट हुई थी और सत्येंद्र का सिर फूट गया था. सत्येंद्र ने इसको लेकर प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी. इसी से दोनों में दुश्मनी की आग बढ़ती चली गई. दुश्मनी के कारण एक बार फिर दोनों पक्षों में 21 अक्टूबर 2018 को मारपीट हो गई. विवाद में सत्येंद्र सिंह जख्मी हो गए थे और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी. मौत के बाद सत्येंद्र के भाई बलराम सिंह के लिखित आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी. बलराम ने घटना को लेकर 10 नामजद समेत अन्य लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है. नामजद आरोपितों में विकास सिंह, अरूण मंडल, प्रदीप मंडल, अनिल मंडल, मटुकधारी मंडल, सोनू मंडल, राजेश गुप्ता, विपिन राउत, छोटू राउत, नूनू राउत एवं अन्य शामिल हैं. अदालत में चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चला. इनमें विकास सिंह, अरूण मंडल, विपिन राउत और राजेंश गुप्ता शामिल है. 29 अक्टूबर 2021 को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में इन आरोपियों को रिहा कर दिया था. इसके बाद बलराम सिंह ने मामले को लेकर हाईकोर्ट की तरफ रुख किया था और अब इस मामले में हाईकोर्ट में की गई अपील के आधार पर अग्रेतर कार्रवाई शुरू हो गई है.

टाटा स्टील हॉफ मैराथन 30 नवंबर को जमशेदपुर में

9.2 लाख रुपए की पुरस्कार राशि की घोषणा

शुभम संदेश। जमशेदपुर/ रांची

लौहनगरी जमशेदपुर में फिटनेस और स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से टाटा स्टील रविवार30 नवंबर को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हॉफ मैराथन का आयोजन करने जा रही है. कार्यक्रम का उद्घाटन और फ्लैग-ऑफ कंपनी के एमडी टीवी नरेंद्रन करेंगे. इस वर्ष प्रतियोगिता के लिए कुल 9.2 लाख रुपये की पुरस्कार राशि तय की गई है. टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (सीएस) डीबी. सुंदररमन ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि पहले यह प्रतियोगिता 'जमशेदपुर रन' नाम से 10 किलोमीटर की दूरी पर आधारित होती थी, लेकिन पिछले वर्ष से इसे विस्तृत कर हॉफ मैराथन बना दिया गया है. इस बार प्रतिभागियों के लिए 21.097 किमी, 10 किमी, 5 किमी और 2 किमी की चार अलग-अलग श्रेणियां रखी गई हैं, जिनमें पुरुष और महिलाएं दोनों भाग ले सकेंगे. प्रत्येक श्रेणी में पहले पांच स्थानों के लिए पुरस्कार राशि तय की गई है.

पिछले वर्ष इस इवेंट में लगभग 4500 धावकों ने हिस्सा लिया था. इस बार अब तक 2200 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 25% महिलाएं शामिल हैं.

मटकुरिया गोलीकांड का फैसला टला

धनबाद। धनबाद के चर्चित मटकुरिया गोलीकांड में गुरुवार को फैसला आना था, जो टल गया. दरअसल सुनवाई के दौरान अपर लोक अभियोजक सत्येंद्र राय ने अदालत में आवेदन देकर कहा कि उसे कानूनी बिंदु पर बहस करनी है, लिहाजा उन्हें समय दिया जाए. अदालत ने सुनवाई के लिए छह दिसंबर की तारीख निर्धारित कर दी है. बताते हैं कि 14 वर्षों तक चली लंबी कानूनी सुनवाई के बाद 06 नवंबर 2025 को अदालत ने सुनवाई पूरी करते हुए बीस नवंबर की तारीख फैसले के लिए निर्धारित की थी. धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत ने मामले के सभी आरोपियों को सशरीर अदालत में उपस्थित रहने का आदेश दिया है.

जेएसएससी से हाईकोर्ट का तीखा सवाल

कम अंक वालों को रखा, तो टॉपर अभ्यर्थियों को हटाने का आधार क्या?

शुभम संदेश। रांची

सहायक आचार्य (गणित व विज्ञान) भर्ती के संशोधित परिणाम को लेकर झारखंड हाईकोर्ट ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) को सख्त फटकार लगाई है. अदालत ने पूछा कि आखिर किस नियम या मानदंड के तहत अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को सूची से बाहर कर दिया गया, जबकि उनसे कम अंक पाने वाले उम्मीदवारों को संशोधित परिणाम में बनाए रखा गया. कोर्ट ने कहा कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता अनिवार्य है और इस तरह की विसंगतियों का तार्किक आधार स्पष्ट होना चाहिए.

यह मुद्दा तब उठा जब किशोर कुमार सहित कई अभ्यर्थियों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई. याचिकाकर्ताओं के वकील चंचल जैन ने अदालत को बताया कि प्रारंभिक परिणाम में उनके मुवक्किलों का नाम शामिल था और वे जिला स्तरीय काउंसलिंग में भी शरीक हुए थे. काउंसलिंग के दौरान सभी उम्मीदवारों के अंक भी साझा किए गए थे. लेकिन संशोधित रिजल्ट जारी होने पर कई ऐसे अभ्यर्थियों को हटा दिया गया, जिनके अंक अपने वर्ग में सबसे अधिक थे, जबकि उनसे कम अंक वाले कई उम्मीदवार चयन सूची में बने रहे. कोर्ट को यह भी बताया गया कि ऐसे 15–20 से अधिक मामलों के उदाहरण सामने आए हैं, जो चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं.

पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

गिरिडीह । गिरिडीह पुलिस ने गांडेय थाना क्षेत्र के महेशमरवा गांव और उसके आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से संचालित एक बड़े अवैध हथियार निर्माण गिरोह का पर्दाफाश किया है. गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने न केवल हथियार बनाने वाले एक सक्रिय नेटवर्क को उजागर किया, बल्कि मौके से छह आरोपियों को गिरफ्तार करने में भी सफलता हासिल की. पुलिस के अनुसार, यह गिरोह कई वर्षों से बेहद गोपनीय तरीके से गांवों में छोटी फैक्ट्री जैसी व्यवस्था बनाकर देसी पिस्टल और अन्य हथियार तैयार कर विभिन्न जिलों में ऊंचे दामों पर सप्लाई करता था. सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई, जिसने महेशमरवा गांव में छापेमारी की. कार्रवाई के दौरान कई आरोपी मौके से भागने में सफल रहे, लेकिन छह लोगों को धर दबोचा गया. गिरफ्तार अभियुक्तों में शाहर अली उर्फ करीम, खुर्शीद अंसारी, चुन्ना उर्फ अजीत, संग्राम रविदास और मार्ली शामिल हैं.

धनबाद के पुलिस पदाधिकारियों के साथ आईजी की बैठक, घटित अपराधों का किया विश्लेषण

संपत्ति मूलक अपराधों की कड़ाई से हो रोकथाम : आईजी

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय सभागार में गुरुवार को बोकारो प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुनील भाष्कर की अध्यक्षता में विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में धनबाद जिला पुलिस के सभी शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव, सभी डीएसपी, सभी एसडीपीओ, थाना प्रभारी और अंचल निरीक्षक शामिल थे. आईजी ने बैठक के दौरान धनबाद में हाल के दिनों में घटित अपराधों का बिंदुवार विश्लेषण किया. खास तौर पर संपत्ति मूलक अपराध जैसे चोरी, लूट, छिनतई, गृहभेदन—पर विशेष समीक्षा की गई. उन्होंने बताया कि धनबाद पुलिस ने पिछले कुछ माह में अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है और जिले में कुल मिलाकर शांति-व्यवस्था कायम है.

आईजी सुनील भाष्कर ने कहा कि सभी थाना प्रभारियों को संपत्ति मूलक अपराधों को रोकने के लिए ठोस रणनीति पर काम करने का निर्देश दिया गया है. खासकर अपराधी प्रवृति वाले व्यक्तियों पर सीसीए लगाने, जेल से रिहा होने वाले अपराधियों पर निरंतर निगरानी, पुराने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, सक्रिय गैंगों पर कानूनी नकेल कसने जैसे कार्यों को प्राथमिकता के साथ पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है. आईजी ने बताया कि जिले में सक्रिय कई संगठित अपराध गिरोहों पर कार्रवाई की गई है, जिससे ऐसे मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई है. यह धनबाद पुलिस की सक्रियता और अपराध नियंत्रण के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है.

गश्ती व पेट्रोलिंग व्यवस्था और मजबूत होगी

बैठक में सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, पेट्रोलिंग पार्टी को अधिक सक्रिय करने और सिटी हॉक्स को लगातार अलर्ट मोड पर रखने का निर्देश दिया गया. आईजी ने कहा कि गश्ती दल की निगरानी वरिष्ठ अधिकारी लगातार करेंगे, ताकि अपराधियों में भय का माहौल बना रहे और आम जनता सुरक्षित महसूस करे. यह समीक्षा बैठक अपराध के रोकथाम और विधि-व्यवस्था को नए सिरे से मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है.

कोल इंडिया के निदेशक ने किया बरोरा एएमपी कोलियरी का दौरा

शुभम संदेश। बरोरा

कोल इंडिया डायरेक्टर अच्यूत घटक ने गुरुवार को भारत कोकिंग कोल लिमिटेड बीसीसीएल के बरोरा क्षेत्र स्थित बरोरा एएमपी कोलियरी खदान एवं पैच का निरीक्षण दौरा किया. इस दौरान निदेशक ने खदान में चल रहे उत्पादन कार्यों का जायजा लिया तथा सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन करने के साथ-साथ उत्पादन में और तेजी लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. मौके पर बरोरा क्षेत्र के महाप्रबंधक के के. सिंह, एजीएम पीएसके सिन्हा, परियोजना पदाधिकारी काजल सरकार, टीएस चौहान, यशवंत सिंह राजपूत, अजित सेठी, हेमंत कुमार, दीपक कुमार सहित क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. निदेशक के इस दौरे से क्षेत्र के कर्मियों व अधिकारियों में सुरक्षा एवं उत्पादन लक्ष्य प्राप्त करने का नया उत्साह देखने को मिला.

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या: एम-41-एमसीसी-वीबी-एचटीई-63, दिनांक: 19.11.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** तीन वर्षों की अवधि के लिए कोचिंग डिपो/हटिया में प्राथमिक एवं राजधानी ट्रेनों के कोचों की यांत्रिक सफाई, वाटरिंग तथा कोचों की लॉकिंग-अनलॉकिंग आदि तथा वंदे भारत एक्सप्रेस के कोचों की यांत्रिक सफाई और ओबीएचएस। **कार्य की अनुमानित लागत (जीएसटी सहित):** ₹ 32,86,01,186.57। **बयाना राशि:** ₹ 17,93,000। **ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 15.12.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** www.ireps.gov.in। (PR-861)

ब्रीफ खबरें

लोको बाजार सब्जी गोदाम में चोरी

चासनाला। सुदामडीह थाना क्षेत्र के लोकोबाजार दुर्गा मंडप के समीप विनोद साव के सब्जी गोदाम में चोरी हो गई. बीती रात चोरों ने दरवाजे का ताला तोड़ वहां रखें लगभग एक हजार के आसपास बताया जाता है. सब्जी विक्रेता विनोद साव के द्वारा सुदामडीह पुलिस को दे दी गई है. वहीं इस मामले में विनोद साव ने बताया की इस घटना से सब्जी विक्रेताओं में भय व्याप्त हो गया है. उनका कहना है की दर्जनों दुकान यहां सड़क पर लगाया जाता है. सभी के लिए चिंता का विषय है.

चिरकुंडा में धूमधाम से मनाई गई अगहनी काली पूजा

चिरकुंडा। अगहनी मां काली पूजा धूमधाम के साथ चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 19 स्थित काली मंदिर में मनाई गई. पूजा में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद कीर्तिवास झा को पूजा कमेटी के लोगों ने माला पहनाकर स्वागत किया. कमेटी के लोगों ने कहा कि कीर्तिवास झा का मां काली का मंदिर बनाने में विशेष योगदान रहा है. इसपर झा ने कहा कि पूजा कमेटी के लोगों के सहयोग से ही मां काली का मंदिर इतना जल्दी बन पाया. मौके पर पूजा कमेटी के शंकर बर्णवाल, प्रकाश बाउरी, मिलन गोराई,अभिषेक दास, समीर गोराई, नयन बाउरी,विकास बाउरी आदि थे.

राकोमसं के अध्यक्ष सुरेश चंद्र झा को पत्नीशोक

चिरकुंडा। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ के अध्यक्ष सह राष्ट्रीय इंटक के संगठन सचिव सुरेश चंद्र झा की 65 वर्षिय पत्नी मौना देवी की मृत्यु गुरूवार की सुबह चिरकुंडा के तालडांगा आवासीय कालोनी स्थित उनके आवास में हो गई. उनकी पत्नी कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं.वे अपने पिछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं.उनके एक पुत्र व दो पुत्री हैं. उनका दाह संस्कार सुंदरनगर स्थित श्मसान घाट में किया गया. उनको मुखाग्नी उनके पुत्र राजीव कुमार झा ने दिया.शोक व्यक्त करने वालों में नगर परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष डब्लू बाउरी,उपाध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, बरूण दे, मो अमीरूल्लाह, हारूण तिवारी, शशि भूषण नाथ तिवारी, कृष्णा सिंह, पप्पु सिंह, निशिकांत मिश्रा, मंतोष यादव, ब्रजेश सिंह, कैलाश सिंह, नागेन्द्र कुमार, विदेश्वर झा, संजीव मिश्रा, गैरूल हसन, गौतम शर्मा आदि थे.

विहिप मनायेगा 25 को गुरु तेगबहादूर की जयंती

चिरकुंडा। विश्व हिंदू परिषद एग्यारकुंड प्रखंड के सदस्यों की बैठक चिरकुंडा उपर बाजार स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में प्रखंड अध्यक्ष शंभू साह की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में पिछले कार्यक्रमों की समीक्षा किया गया तथा आगामी कार्यक्रम का योजना बनाया गया.बैठक में निर्णय लिया गया कि गुरु तेग बहादुर का 350 वां बलिदान दिवस 25 नवंबर को चिरकुंडा में मनाया जाएगा एवं शौर्य दिवस 6 दिसंबर को भाग के रूप में मनाया जाएगा जिसकी तैयारी के लिए रूपरेखा का योजना बनाया गया.बैठक में रंजीत कुमार रवानी को बजरंग दल प्रखंड सह-संयोजक बनाया गया. बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित आरएसएस के जिला सहकारवा प्रेम सिंह, विश्व हिंदू परिषद विभाग संगठन मंत्री दीपक मंडल, जिला सह मंत्री राकेश वर्मा, प्रखंड अध्यक्ष शंभू साव, प्रखंड सप्तक प्रमुख संतोष मिश्रा, रंजीत कुमार रवानी, मनीष कुमार आदि थे.

तीसरे दिन भी नहीं उठा शव, काम बंद

55000 की राशि को ग्रामीणों ने नहीं किया स्वीकार, 15 लाख की मांग

- पूर्वी झरिया क्षेत्र के 4 ए पैच में तीन दिनों से जारी है आंदोलन

शुभम संदेश। झरिया

पूर्वी झरिया क्षेत्र के 4 ए पैच आउटसोर्सिंग परियोजना में मंगलवार से एक लाश को रखकर ग्रामीणों द्वारा 15 लाख रुपया मुआवजा एक व्यक्ति को परियोजना में नौकरी देने की मांग पर परियोजना का काम बंद कर रखा है. प्रशासन एवं अधिकारियों द्वारा 550000 मृतक के परिजन को सहायता देने की बात कही, पर ग्रामीण इसके लिए तैयार नहीं हुए. उनका कहना है कि परियोजना में उसकी मौत हुई है इसलिए 15 लाख मुआवजा दिया जाए. परियोजना पदाधिकारी बीके पांडे ने कहा कि उसकी मौत कहीं और हुई थी. मुआवजे के लिए लाश को यहां लाकर रख दिया गया और काम को बंद कर दिया गया. आउटसोर्सिंग परियोजना के निदेशक कुंभनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोगों का ब्लैकमेलिंग करने का धंधा बन गया है, कोई कहीं भी मरे उसे परियोजना में लाकर फेंक दिया जाता है और जबरदस्ती काम बंद करके मोटे मुआवजा की मांग की जाती है जो कि सरासर गलत है. पिछले दिनों भी एक व्यक्ति की मौत गांव में हो गई थी. उनकी लाश को लाकर क्षेत्रीय कार्यालय में रखकर चार दिनों तक तांडव किया गया जबकि उसकी मौत गांव में हुई थी. इसी तरह की कई घटनाएं परियोजना में हो रही हैं. जिसे प्रशासन एवं कंपनी के अधिकारियों को कड़ाई से इस पर ध्यान देना होगा, नहीं तो हमें काम करने में काफी परेशानी हो रही है. तीन दिन से परियोजना का काम बंद होने से लगभग डेढ़ करोड़ रूपया का नुकसान आउटसोर्सिंग परियोजना को हुआ है. जिला प्रशासन को चाहिए कि इस तरह का ब्लैकमेलिंग करने वाले लोगों पर मामला दर्ज कर जेल भेजना चाहिए. अगर परियोजना का काम जल्दी चालू नहीं हुआ तो हमें इस पर विचार करना होगा, आखिर हम कितना घाटा सहेंगे. वहीं ग्रामीणों ने देर शाम तक शव को उठने नहीं दिया.

रामाकुंडा में अंडर पास का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ होगा : सीईओ

पूर्व मध्य रेलवे के प्रशासनिक पदाधिकारी ने किया फ्लाईओवर निर्माण कार्य का निरीक्षण

शुभम संदेश। गोमो

धनबाद रेल मंडल के मतारी गोमो व चंद्रपुरा स्टेशनो के मध्य चल रहे रेलवे फ्लाई ओवर परियोजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने गुरुवार को पूर्व मध्य रेलवे के सीईओ रामेश्वर पाण्डेय, मुख्य अभियंता रघुनाथ झा सम्बन्धित पदाधिकारी रामाकुंडा पहुंचे. रामाकुंडा हॉल्ट स्थिर रेल क्रॉशिंग पर बनाए जा रहे पुल एवं दोनों छोर पर मिट्टी भराई और उसकी लेबलिंग की जांच की. साथ ही माथाटांड़ खरियो में बिछने वाली रेलवे ट्रैक की कार्य प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. रामाकुंडा समीप रेलवे क्रॉसिंग पर प्रस्तावित अंडर पास के सम्बन्ध में स्थानीय ग्रामीणों ने आरओबी निर्माण मांग की. सीईओ पांडेय ने ग्रामीणों को आश्वस्त कराते हुए कहा कि अंडर पास बनने से कोई परेशानी नहीं होगी, अंडर पास बड़े आकार का होगा, जिसमें बड़ी से बड़ी गाड़ियां भी आसानी से आवागम कर सकेंगी.उन्होंने आरओबी निर्माण के मसले पर कहा कि सरकार के बजट में पास होने के उपरांत ही आरओबी का निर्माण कार्य संभव हो पाएगा. इस मौके पर मुखिया प्रतिनिधि अमृत रजक, समाजसेवी सुरेश महतो सहित दर्जनों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

बरोरा क्षेत्र में मजदूरों का चक्का जाम, उत्पादन-डिस्पैच किया ठप

शुभम संदेश। बाघमारा

सेल पीकर मजदूरों की लंबित मांगों को लेकर बरोरा ब्लॉक-2 क्षेत्र में आज सुबह 7 बजे से अनिश्चितकालीन चक्का जाम शुरू हो गया. इसके चलते क्षेत्र में कोयला उत्पादन और डिस्पैच पूरी तरह ठप हो गया है. आंदोलन में सैकड़ों मजदूर शामिल हैं और यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं. मजदूरों का कहना है कि इस बार वे करो या मरो के बीड़ा के साथ मैदान में उतरे हैं. आंदोलन को एटक एआईटीयूसी का पूर्ण समर्थन प्राप्त है. मजदूरों की प्रमुख मांगों में एचपीसी हाई पावर कमिटी का मासिक भुगतान तुरंत शुरू करना, सीएमपीएफ में वीवी वॉलंटरी वेतन कटौती की राशि जमा करना, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, सुरक्षा सामग्री (सेफ्टी इक्विपमेंट) की पूरी आपूर्ति, कोल इंडिया निदेशक मंडल के सभी निर्देशों का सख्ती से पालन व अन्य लंबित मुद्दों का तत्काल समाधान आंदोलन में क्षेत्रीय स्तर के प्रमुख नेता मौजूद रहे. इनमें संतोष गोराई, नर्मदेश्वर पांडे, उदय शंकर चौहान, नवल किशोर महतो, राजीव प्रसाद महतो, जगदीश रवानी, एच एन प्रसाद गाँधी, अरुण रवानी, मुबारक अंसारी, राजीव विसियार, संतोष रवानी, दीपक गोराई, रविंद्र राय, अनिल कुम्हार, तुलसी साव, मुरारी पांडेय, देवानंद चौहान, मनोज चौहान, राजीव रंजन चक्रवर्ती, बालमुकुंद प्रसाद सिंह, दिलीप राय, सुबोध गोप, संजय महथा, सुनील रजक सहित सैकड़ों मजदूर उपस्थित रहे. मजदूर नेताओं ने चेतावनी दी है कि जब तक प्रबंधन लिखित आश्वासन के साथ मांगें पूरी नहीं करता, चक्का जाम जारी रहेगा. इससे डीवीसी को कोयला आपूर्ति पर भी असर पड़ने की संभावना है. फिलहाल प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है.

गोविंदपुर में रियायती दरों पर बीज वितरण

गोविंदपुर (शुभम संदेश)। बीज नोडल केंद्र गोविंदपुर पैक्स एमपीसीएस लिमिटेड में गुरुवार को किसान समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें दर्जनों किसानों के बीच 50 प्रतिशत रियायती दर पर गेहूं एवं चना बीज का वितरण किया गया. अध्यक्षता गोविंदपुर पैक्स एमपीसीएस अध्यक्ष मंथन सेन ने की. समारोह का उद्घाटन गोविंदपुर पूर्वी पंचायत की मुखिया झूमा मुखर्जी एवं गोविंदपुर पश्चिमी मुखिया ममता देवी ने संयुक्त रूप से किया. मुखियाद्वय ने सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का किसानों से अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की. नोडल केंद्र गोविंदपुर पैक्स एमपीसीएस लिमिटेड पलटनटांड़ स्थित नोडल केंद्र से किसानों के बीच रवि फसल एचडी-2967 तथा चना बीज जीएनजी-2207 वितरित किए गए. समारोह में मुख्य कार्यपालक कंसारी चंद्र दास, तपन चंद्र दास, कृष्ण दास महंत, शक्ति पद महतो आदि पैक्स कर्मियों समेत सविता देवी, धनु महतो, फारुबाला देवी, किरण देवी आदि किसान मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

टेंपो ने बाइक को मारी टक्कर, बीसीसीएलकर्मी की मौत

मधुबन (शुभम संदेश)। मधुबन थाना क्षेत्र के खरखरी कॉलोनी निवासी सह बीसीसीएल कर्मी उत्तम सिंह उम्र 52 वर्ष की मौत बुधवार को सड़क दुर्घटना में हो गई. उनका शव गुरुवार शाम को पोस्टमार्टम के बाद खरखरी कॉलोनी पहुंचा. शव को देख कर मृतक के पत्नी और बच्चे दहाड़ मार कर रोने लगी. बता दें कि मधुबन व महुदा थाना सीमा क्षेत्र के बोकारो राजगंज सड़क मार्ग के खरखरी कब्रिस्तान के कुछ दूरी स्थित नव निर्मित पेट्रोल पंप के समीप लगभग 11बजे के आस पास सड़क हादसे में खरखरी कॉलोनी निवासी. बीसीसीएल कर्मी उत्तम सिंह (52) अपनी मोटरसाइकिल (जेएच 10 बीपी 2811) पर महुदा से अपने आवास खरखरी कॉलोनी लौट रहे थे. लौटने के क्रम में दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे.वह रांग साइड में मोटरसाइकिल चला रहे थे. इसी दौरान महुदा की ओर जा रहा एक अज्ञात टेंपो ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी. घटना में उत्तम सिंह सिर के बल सड़क के डिवाइडर पर जा गिरे.जबकि उनकी मोटरसाइकिल सड़क पर काफी दूर जाकर गिर पड़ी.घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए महुदा पुलिस ने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. जख्मी की स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सेंट्रल अस्पताल धनबाद भेजा गया था, जहां चिकत्सकों ने उन्हें मृतक घोषित कर दिया. उत्तम सिंह खरखरी कोलियरी में वन सेटर के पद पर कार्यरत थे.

शिबू सोरेन डिग्री कॉलेज में एनएसएस की कार्यशाला

टुंडी (शुभम संदेश)। मुख्यालय स्थित शिबू सोरेन डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यशाला कॉलेज परिसर में की गई कार्यशाला की शुरुआत स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर द्वीप प्रज्वलन कर की गई. सभी आगंतुक का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ. गौरांग भारद्वाज ने एनएसएस के क्रियाकलापों को सभी के बीच रखा, उन्होंने छात्रों में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और उन्हें समाज की समस्याओं को हल करने के लिए प्रशिक्षित किया. कॉलेज एनएसएस प्रमुख प्रोफेसर परितोष कुमार ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता,स्वच्छता,रक्तदान, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने जैसे विभिन्न सामुदायिक सेवा को अपना कर देश हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया. एनएसएस छात्र कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर खुर्शीदा खातून ने छात्रों को नेतृत्वगुण, सामुदायिक भागीदारी के बारे में छात्रों को विस्तृत रूप से बताया. कार्यशाला में मुख्य रूप से प्रोफेसर स्वाति कुमारी, प्रोफेसर शामु सोरेन,प्रोफेसर राजा कुमार ठाकुर, प्रोफेसर बिना कुमारी, प्रोफेसर गौरी कुमारी, विकास कुमार, जितेन मुर्मू के साथ-साथ छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

कोलफील्ड चिल्ड्रन क्लासेस ने बताई मैप देखने की विधि

झरिया (शुभम संदेश)। आज दुनिया भर में 20 नवंबर को मनाए जाने वाले विश्व बाल दिवस के अवसर पर, झरिया स्थित सामाजिक परियोजना 'कोलफील्ड चिल्ड्रन क्लासेस (सीसीसी)' ने कम पढ़े-लिखे कोयला मजदूर और लोडर समुदाय के बच्चों में 'दुनिया के बारे में जानकारी' बढ़ाने के लिए एक नई पहल की है. सीसीसी ने चार कोलियरी क्षेत्र के लगभग 100 छात्रों के बीच मानचित्र के बारे में पढ़ाया और भारत के मानचित्र वितरित किए और किसी देश, महासागर या पहाड़ का स्थान पता लगाना सिखाया. यह पहल झरिया के सामाजिक कार्यकर्ता ने 14 नवंबर राष्ट्रीय बाल दिवस से शुरू किया है. शिक्षक पिनाकी रॉय ने कहा कि सभी के लिए सबसे पहले भूगोल और प्रकृति को जानना आवश्यक है. विश्व बाल दिवस पर जयरामपुर बंगाली कोठी में दीपूधोरा कोलियरी विस्थापित परिवारों के 20 बच्चों को स्वेटर वितरित किए. जड़ा के दिन में स्वेटर मिलने से बच्चों ने बहुत खुश हुए. कार्यक्रम में पिनाकी राय, कलाकार संजय पंडित, मौसमी राय, सुमन कुमारी, राधिका कुमारी, पायल कुमारी, सिमरन कुमारी, कोमल कुमारी, गायत्री कुमारी, रिंकी कुमारी, मोनू कुमार आदि उपस्थित थे.

बांसजोड़ा आंगनबाड़ी केंद्र में स्वेटर का वितरण

मधुबन (शुभम संदेश) । बाँसजोड़ा पंचायत अंर्तगत आंगनबाड़ी केंद्र बांसजोड़ा में विभाग द्वारा ठंड को लेकर उपलब्ध कराए गए स्वेटर का वितरण गुरुवार को मुखिया समीर कुमार लाला उर्फ राजा लाला द्वारा किया गया. जिसमें केंद्र में पढ़ने वाले बीस बच्चों को स्वेटर दिया गया. इस दौरान मुखिया समीर कुमार लाला ने कहा कि बच्चों को हमेशा स्वेटर पहनाकर कर केंद्र भेजें, जिससे ठंड में भी केंद्र में पढ़ाई कर सके. केंद्र में पढ़ने वाले किसी भी बच्चों को कोई समस्या होती है तो हमें अवगत कराएं. उनकी तरफ से हर संभव हल का प्रयास किया जाएगा. मौके पर सेविका लता लाला,सहायिका सुमित्रा देवी,पोषण साखी ममता देवी, आशा देवी, पुतुल देवी, निशु कुमारी, बेबी कुमारी, किरण श्री वास्तव, रेखा देवी आदि उपस्थित थे.

राम नारायण सिंह मेमोरियल क्रिकेट एकेडमी ब्लू मुगमा को मिली लगातार दूसरी जीत

निरसा (शुभम संदेश)। मुगमा स्थित प्रभात स्टेडियम में धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर -16 इंटर कोचिंग कैंप टूर्नामेंट में गुरूवार को राम नारायण सिंह मेमोरियल क्रिकेट एकेडमी ब्लू मुगमा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की. प्रशांत कुमार पासवान एवं अंश कुमार महतो की घातक गेंदबाजी के बल पर उसने कुमारधुबी की माही क्रिकेट क्लब को बुरी तरह नौ विकेट से हरा दिया. प्रभात स्टेडियम मुगमा में खेले गये मैच में माही क्रिकेट क्लब ने टास जीतकर बैटिंग की और 18.5 ओवर में महज 59 रन पर आल आउट हो गयी. अविनाश भक्त ने 23 रन एवं प्रिंस यादव ने 10 रन बनाये. मुगमा टीम के प्रशांत कुमार पासवान एवं अंश कुमार महतो ने 5--5 विकेट लिये. मुगमा ने 60 रन के लक्ष्य को एक विकेट के नुकसान पर 8.4 ओवर में हासिल कर लिया और नौ विकेट से आसानी से मैच जीत ली. जिसमें पियुष कुमार सिंह ने 32 रन और अनुज मुण्डा ने 12 रन बनाये. ऋषि चौरसिया ने एकमात्र विकेट लिया. मुगमा टीम के गेंदबाज प्रशांत कुमार पासवान मैन आफ द मैच घोषित हुए. अंपायर महेश कुमार सिंह और मनोरंजन कांजीलाल थे.बतातें चले कि विजेता टीम के प्रशांत कुमार पासवान व अंश कुमार महतो दोनों ही गेंदबाज राम नारायण सिंह मेमोरियल क्रिकेट एकेडमी ब्लू अंडर 14 के खलाड़ी हैं. दिनों ही गेंदबाज अंडर 14 में अपनी अपनी शानदार गेंदबाजी के आगे विपक्षी टीम को धूल चटाते हुए अपनी टीम कोकसानी से खेले गए तीनों मैच आसानी से जीत दिला चुके हैं. एक मैच में तो अंश कुमार महतो ने 8 ओवर में 8 मैडन देकर 5 विकेट चटकाकर धनबाद हु नही बल्कि राज्य में एक रिकॉर्ड बनाया. अब दोनों ही गेंदबाज अंडर 16 के मैच में किफायती गेंदबाजी कर वहवाही लूट रहे हैं.

मुगमा टीम के प्रशांत और अंश ने 5-5 विकेट लिये

इंटर कालेज सिजुआ के बच्चों ने किया रजरप्पा मंदिर का भ्रमण

शुभम संदेश। महुदा

शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज सिजुआ के छात्र-छात्राओं ने रजरप्पा रामगढ़ एवं उससे सटे सिद्धि पीठ मां छिन्नमस्तिका का शैक्षणिक भ्रमण किया. शैक्षणिक भ्रमण के दौरान बच्चों ने सबसे पहले मां छिन्नमस्तिका की पूजा की1 तत्पश्चात दामोदर नदी एवं भैरवी नदी संगम को निहारा. बहु चक्रीय घाटी, जलप्रपात एवं बोटिंग का आनंद लिया. रजरप्पा क्षेत्र के उच्चावच,जलवायु,वनस्पति एवं मानवीय क्रियाकलापों और संस्कृति का अध्ययन किया गया. इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० अरुण कुमार महतो ने कहा कि इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों का मानसिक विकास होता है. महाविद्यालय परिवार प्रति वर्ष बच्चों को राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में शैक्षणिक भ्रमण के लिए भेजता है.ज्ञात हो कि इससे पूर्व में विज्ञान संकाय के छात्र छात्राओं ने साइंस सेंटर पुरुलिया का भ्रमण किया था. मौके पर प्रो मोकितउद्दीन, प्रो रमेश प्रसाद, प्रो राखेहरी महतो,प्रो अविनाश कुमार,प्रो समीर कुमार महतो,प्रो मनोज कुमार महतो,प्रो मेघनाथ महतो, प्रो राकेश कुमार महतो, प्रो दिनेश मधेशिया, प्रो राजकुमार प्रसाद, प्रो पंचानन सिंह चौधरी, प्रो शेखर महतो, प्रो प्रियंका कुमारी, प्रो संजय गोप, प्रो इंदु कुमारी, प्रो नेहा कुमारी, नागेन्द्र महतो,एस नारायण, मोहित कुमार महतो, जितेंद्र महतो, तेंदुलकर भट्ट, चक्रधर महतो, अभिमन्यु महतो, लालू महतो, भुनेश्वर महतो, शांति देवी, लाजवंती देवी, अनीता देवी,फूल कुमारी,शंकर महतो, प्रदीप महतो, पंकज महतो एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे.

गोताखोरों ने तालाब से बरामद किया युवक का शव

तीन दिनों से था लापता, तालाब के मेढ़ में मिले थे चप्पल आदि

शुभम संदेश। गोमो

तोपचांची थाना क्षेत्र के अंतर्गत खुरडीह (नैरो) गांव निवासी द्वारिका राय के पुत्र गोपाल राय(28 वर्ष) जो बुधवार से लापता था. गुरुवार को गोताखोरों ने उसके शव को तालाब से ढूंढ निकाला. मंगलवार को संभवतः नहाने के क्रम में गहरे पानी डूब गया था. उसके कपड़े तालाब के मेढ़ में पड़े होने से बुधवार को परिजनों को आशंका हुई थी कि वह तालाब में डूबा होगा, किसी की नजर नहीं पड़ी. इसके बाद तोपचांची थाना पुलिस को इसकी सूचना दी गई थी.

गोपाल राय मजदूरी करते थे. मंगलवार को दोपहर तीन बजे नहाने के लिए घर से निकला था लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा. बुधवार की सुबह गांव के कदमा गड़िया तालाब के पास गोपाल का कपड़ा, चप्पल, साबुन, तेल आदि पाया गया था. इसके बाद परिजन ने ग्रामीणों के साथ तालाब के आस- पास खोजा, लेकिन कोई पता नहीं चला. तब लोगों को गोपाल के तालाब में डूबने की आशंका हुई थी. बुधवार की देर शाम तक पुलिस की मौजूदगी में स्थानीय ग्रामीण, गोताखोरों ने तालाब में उसके शव की तलाश की, लेकिन शव नहीं मिल पाया. गुरुवार को मुनीडीह के गोता खोरों ने तालाब मे खोज की और शव को ढूंढ निकाला. तालाब से शव निकलते ही परिजन दहाड़ मार कर रोने लगे जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया. तोपचांची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्ट मार्टम के लिए धनबाद भेज दिया.

फाइलेरिया के 14 रोगियों को मिली एमएमडीपी कीट

शुभम संदेश। झरिया

भालगोरा धसका पट्टी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा 14 फाइलेरिया मरीजों को फाइलेरिया से विकलांगता होने से बचाने के लिए रोग प्रबंधन कीट दिया गया. साथ ही उसके उपयोग करने की विधि भी बताई गई. ज्ञात हो कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झरिया के द्वारा फाइलेरिया से मुक्ति दिलवाने हेतु कई तरह के कार्य किए जा रहे है जिसमें फाइलेरिया रोगियों को चिन्हित करने के लिए नाइट ब्लड सर्वे, जांच में पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों को प्रोफाइलेक्टिक इलाज, स्कूल - कॉलेज में जागरुकता कार्यक्रम, गांवों में ग्राम सभा का आयोजन और जिनलोगो में फाइलेरिया को रोग परिलक्षित हो जाते है उनको ट्रिपल ड्रग थेरेपी से इलाज और फाइलेरिया से होने वाले विकलांगता से बचाने के लिए एमएमडीपी कीट और अंततः फाइलेरिया रोग से जो लोग विकलांग हो जाते है, उनको सरकार से मिलने वाली सुविधाएं लेने के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र बनाया जा रहा है. अब तक झरिया में 47 फाइलेरिया रोगियों को विकलांगता प्रमाण पत्र बनाया गया है. टीम में डॉक्टर दिलीप कुमार, पीरामल फाउंडेशन के राजू कुमार, सत्यवान महतो , सहिया साथी ममता आदि थे.

श्रीसीताराम विवाहोत्सव पर ठाकुरबाड़ी में श्रीरामकथा

श्रीरामकथा से मिलती है नैतिकता और आदर्श जीवन की प्रेरणा : नवल किशोर शरण

- श्रोताओं से सत्य के मार्ग पर चलने की अपील

शुभम संदेश। गोविंदपुर

जियलगढ़ा ठाकुरबाड़ी में श्री सीताराम विवाह उत्सव के उपलक्ष्य में संगीतमय श्री रामकथा में कथा का आयोजन किया गया. कथाव्यास नवल किशोर शरण जी महाराज ने कहा कि श्रीराम की जीवन कथा हमें नैतिकता और आदर्शों के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है. परिवार में भाई-भाई का संबंध, भाई-बहन का संबंध, पति-पत्नी का संबंध, माता-पिता का संबंध, पिता-पुत्र का संबंध, माता- पुत्री का संबंध कैसा हो, इसकी सीख हमें श्री राम कथा से मिलती है, जो हमें एक अच्छा इमानदार जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है. उन्होंने कहा कि इस कथा में क्षमा और दया के महत्व को दर्शाया गया है, जो हमें दूसरों को क्षमा करने और दया दिखाने के लिए प्रेरित करती है. श्री राम की जीवन कथा में सत्य और न्याय की जीत होती है, जो हमें सच्चाई और न्याय के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है. उन्होंने उपस्थित श्रोताओं से सत्य के मार्ग पर चलने की अपील की उन्होंने कहा कि सत्य कभी पराजित नहीं होता. कथा प्रतिदिन शाम 7बजे से रात 10 बजे तक हो रही है.

इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट रहे हैं. मुख्य यजमान कौशल किशोर महाराज, अन्नपूर्णा देवी एवं अखिलेश मिश्रा ने कथा व्यास का स्वागत किया . कथा का विश्राम 25 नवंबर को होगा. उसी दिन शाम में श्री राम की बारात बाजा- गाजा के साथ निकलेगी और रात में श्रीसीताराम विवाह पूरे विधि विधान के साथ होगा. 26 नवंबर को हवन पूर्णाहुति के बाद भंडारा का आयोजन किया जाएगा . इस कार्यक्रम में समस्त ग्रामीण का सक्रिय योगदान है.

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आज से शुभारंभ

शुभम संदेश। बोकारो

राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार का शुभारंभ शुक्रवार, 21 नवंबर 2025 से हो रहा है. यह कार्यक्रम 15 दिसंबर 2025 तक जिले के सभी प्रखंडों की पंचायतों एवं नगर निगम/नगर परिषद क्षेत्रों के वार्डों में आयोजित होगा. गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला प्रशासन ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली है. प्रत्येक प्रखंड के लिए वरीय पदाधिकारियों को पर्यवेक्षक/नोडल अधिकारी बनाया गया है. शिविरों में जिले के सभी विभागों के स्टाल लगेंगे. जिनमें खाद्य आपूर्ति, कल्याण, सामाजिक

सुरक्षा, राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, श्रम, महिला बाल एवं समाज कल्याण, कृषि-पशुपालन-सहकारिता, विद्युत-पेयजल, स्वास्थ्य, जेएसएलपीएस एवं योजनाओं के प्रचार-प्रसार स्टाल शामिल होंगे. इस कार्यक्रम के माध्यम से आमजनों को राज्य सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं जैसे झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि

कसमार प्रखंड के सभी पंचायतों में संस्था ने चलाया जागरुकता अभियान

कसमार (बोकारो)। जागो जगाओ सांस्कृतिक कला मंच, सिंहपुर (बोकारो) की ओर से पिछले एक सप्ताह में कसमार प्रखंड के सभी 15 पंचायतों में झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस समारोह पर रजत पर्व उत्सव मनाया गया. इस दौरान संस्था ने हिसिम, मुरहुलसुदी, सिंहपुर, खैराचातर, टांगटोना, बगदा, मंजुरा, दुर्गापुर, मधुकरपुर, बरईकला, कसमार, गर्री, पोंडा, दांतू और सोनपुरा पंचायत क्षेत्रों में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम एवं झारखंड सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी गीत-संगीत, नृत्य और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई. यह जागरुकता कार्यक्रम बोकारो उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी तथा जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग बोकारो की ओर से आयोजित किया गया. कार्यक्रम में कलाकार बिनोद कुमार महतो रसलीन, अशोक कुमार महतो, हरी महतो, राजेश कुमार मुर्मू, प्रेमचंद कालिंदी, बैजनाथ महतो, बसंती कुमारी, सोनी कुमारी, आंचल कुमारी, प्रभा कुमारी, नीलम कुमारी सहित अन्य कलाकारों ने सहभागिता करते हुए अपने गीतों व नुक्कड़ नाटकों से लोगों को विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक किया. अभियान के समापन समारोह में संस्थान के निदेशक विनोद महतो रसलीन ने बताया कि 21 नवंबर से 15 दिसंबर तक कसमार प्रखंड के सभी पंचायतों में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सरकार की सभी योजनाओं का लाभ आमजन को दिया जाएगा. साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा.

आज से सरकार आपके द्वार शिविरों की शुरुआत

कसमार। कसमार प्रखंड में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार अभियान के तहत पंचायतों में शिविरों की शुरुआत आज से हो गई. पहले दिन दांतू पंचायत में शिविर आयोजित होगा. विधायक प्रतिनिधि मो. शेरे आलम ने ग्रामीणों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है. 21 नवंबर से 15 दिसंबर तक सभी पंचायतों में क्रमवार शिविर लगेंगे, जहाँ प्रमाण-पत्र निर्गत करने से लेकर शिकायतों के ऑन-द-स्पॉट समाधान तक की व्यवस्था रहेगी.

आपकी सरकार आपके द्वार योजना छलावा : अर्जुन

बोकारो। सरकार द्वारा दोबारा शुरू की गई आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार योजना सिर्फ छलावा है. यह बातें जेएलकेएम के पूर्व चांदनकियारी प्रत्याशी एवं केंद्रीय महासचिव अर्जुन रजवार ने कही. रजवार ने आरोप लगाया कि सरकार ने इस कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी मुखियाओं पर थोप दी है, जबकि उन्हें इसके लिए किसी भी प्रकार का फंड उपलब्ध नहीं कराया गया है. उन्होंने बताया कि फंड नहीं मिलने के विरोध में मुखिया पिछले एक पखवाड़े से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं और ऐसे समय में सरकार द्वारा यह योजना थोपना बिल्कुल अव्यवहारिक है. रजवार ने कहा कि सरकार सिर्फ अपनी वाहवाही लूटने में लगी है और सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रही है.

ब्रीफ खबरें

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले के पिंडरा जोरा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय उच्च मार्ग 32, काशी झरिया मोड़ के पास बीते रात्रि अज्ञात वाहन के चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई. पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना से आक्रोशित लोगों ने उक्त मार्ग को जाम कर दिया. मृतक युवक की पहचान केलियाडाबर गांव निवासी 26 वर्षीय राजू अंसारी के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, राजू अंसारी प्रतिदिन की तरह दीवानगंज गांव से अपनी बाइक से मजदूरी करके अपने घर केलियाडाबर लौट रहा था. इसी क्रम में अज्ञात वाहन ने पीछे से उसे टक्कर मार दी. वाहन ने बाइक सवार को लगभग 500 मीटर तक रगड़ते हुए आगे ले गया. अंसारी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. घटना के बाद वाहन चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

पीसीसी रोड का विधायक ने किया शिलान्यास

बोकारो। ग्रामीण विकास विभाग, विशेष प्रमंडल बोकारो द्वारा बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) मद से स्वीकृत महत्वपूर्ण पीसीसी पथ निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने गुरुवार को किया. शिलान्यास किए गए मार्गों में भीगुराम शेखर के घर से जीवन बाउरी के घर तक, सुभाष बाउरी के दुकान से सहदेव बाउरी के घर तक और सुरेश बाउरी के दुकान से हीरक रोड तक शामिल हैं. इन सड़कों के निर्माण से स्थानीय निवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा प्राप्त होगी.

डीपीएस में हेल्थ हाइजीन टॉक शो आयोजित

बोकारो। डीपीएस सेक्टर-4, बोकारो में रोटरी क्लब ऑफ बोकारो मिडटाउन कपल्स द्वारा विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण जागरुकता टॉक शो आयोजित किया गया. डॉ. विभूति भूषण लाल ने व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार और संक्रमण से बचाव के टिप्स साझा किए. बच्चों को डब्ल्यूएचओ मानक 7-स्टेप हैंडवॉश तकनीक का प्रशिक्षण भी दिया गया. क्लब की अध्यक्ष मिनी स्टीफन कपूर ने इसे समुदाय में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया.

चोरी की नौ बाइक जब्त, 3 गिरफ्तार

शुभम संदेश । बोकारो

बोकारो पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. बलिडीह थाना में डीएसपी हेडक्वार्टर के नेतृत्व में गठित एसआईटी टीम ने बाइक चोरी गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 9 मोटरसाइकिल बरामद की. गुरुवार को बलिडीह थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से रेलवे कॉलोनी, रेलवे गुड्स शेड, गोविंद मार्केट और आसपास के क्षेत्रों में लगातार मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं हो रही थीं. इस संदर्भ में बलिडीह थाना में कांड संख्या 299/25, 311/25, 319/25, 323/25 सहित अन्य मामलों में अनुसंधान किया गया और चोरी की मोटरसाइकिलों की बरामदगी तथा चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, बोकारो के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया. एसआईटी टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया. निशानदेही पर कुल 9 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुईं. गिरोह का मुखिया समशेर आलम है, जो बंगाल के पुरुलिया जिले में अंगद कुमार के सहयोग से चोरी की मोटरसाइकिलों को बेचता था. गिरफ्तार आरोपियों ने अपने अपराध स्वीकार किए. गिरोह में शामिल अन्य अपराधियों के खिलाफ छापामारी जारी है और और मोटरसाइकिल बरामद होने की संभावना है. गिरफ्तार अभियुक्तों में समशेर आलम, उम्र 33 वर्ष, पिता–सज्जाद अंसारी, सा०-सिवनडीह ए ब्लॉक, थाना-माराफारी, जिला-बोकारो, चंदन कुमार उर्फ छोटू, उम्र 20 वर्ष, पिता–दुर्गा राम, थाना सेक्टर 4, बोकारो, अंगद कुमार, उम्र 20 वर्ष, पिता – मनोहर कुमार, करण्डी, थाना अरसा, जिला पुरुलिया शामिल है. बरामद मोटरसाइकिलों में हिरो ग्लैमर (जेएच09एए-6454), बजाज पल्सर (जेएच09एक्स-0861), हिरो ग्लैमर (जेएच02एएच-8446), आई-स्मार्ट (जेएच09एई-3833), हिरो स्प्लेंडर प्लस (जेएच09एजेड-1929, जेएच09एएक्स-0461, जेएच09एल-4745), बिना नंबर प्लेट स्प्लेंडर प्रो और काला/ब्लू रंग का हिरो स्प्लेंडर प्लस शामिल है. छापामारी दल में नवीन कुमार सिंह, पुनि सह थाना प्रभारी बलिडीह थाना, संदीप कुमार, जितेन्द्र कुमार यादव, वीरमणि कुमार, अजय कुमार राय, चन्द्रदेव कुमार और अन्य शामिल थे.

गोढ़ी मिशन चौक से चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

गोड्डा। शहर के गोढ़ी मिशन चौक के पास संध्या गश्ती के दौरान चोरी की बाइक लेकर जा रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. थाना प्रभारी दिनेश महली ने बताया कि पुलिस टीम वाहन जांच कर रही थी. इसी दौरान एक मोटरसाइकिल चालक पुलिस को देखकर तेजी से वाहन मोड़कर भागने लगा. घबराहट में वह बाइक समेत सड़क पर गिर गया. गश्ती दल ने युवक को उठाकर भागने का कारण पूछा, लेकिन वह टालमटोल करता रहा. बाइक से जुड़े वैध दस्तावेज मांगे जाने पर उसने कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं किया और संतोषजनक जवाब भी नहीं दे पाया. जांच के दौरान पाया गया कि काले-लाल रंग की ग्लैमर मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट की है और केवल चेसिस नंबर लिखा हुआ है. सख्ती से पूछताछ करने पर युवक ने स्वीकार किया कि मोटरसाइकिल चोरी की है. पूछताछ में उसने अपना नाम शिवम कुमार मोहली (उम्र 21 वर्ष), पिता बृहस्पति मोहली, निवासी रौतारा चौक, थाना गोड्डा नगर बताया. मामले में नगर थाना कांड संख्या 226/25 दर्ज करते हुए बीएनएस की संबंधित धाराओं में आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवक का आपराधिक इतिहास भी रहा है. उसके खिलाफ पूर्व में गोड्डा नगर थाना कांड संख्या 125/20, 133/20, 110/23 और 06/25 दर्ज हैं. छापामारी दल में थाना प्रभारी दिनेश कुमार महली, पुअनि रामाधार सिंह, रोहित कुमार यादव, सअनि उषा कुमारी सहित नगर थाना के जवान शामिल थे.

न्यूज अपडेट

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

बोकारो (शुभम संदेश)। हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर-9 स्थित बसंती मोड़ के बंगाली पड़ा बस्ती में बुधवार रात एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. मृतक की पहचान 28 वर्षीय शंकर प्रसाद, पिता स्वर्गीय बैद्यनाथ प्रसाद के रूप में हुई है. स्थानीय लोगों के अनुसार, शंकर अपने माता-पिता के निधन के बाद पत्नी लक्ष्मी उर्फ़ रिया और एक बेटी के साथ रहता था. वह दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था. बताया गया कि बीती रात नशे की हालत में घर लौटने के बाद पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ. विवाद बढ़ने पर शंकर ने पत्नी को घर से बाहर निकाल दिया और खुद कमरे को अंदर से बंद कर लिया. सुबह जब पत्नी ने दरवाजा खटखटाया, तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली. उसने शोर मचाया, जिसके बाद पड़ोसियों की मदद से जब दरवाजा तोड़ा गया, तो अंदर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए. शंकर फंदे से झूलता पाया गया. घटना की सूचना मिलते ही हरला थाना पुलिस मौके पर पहुंची. जांच का नेतृत्व कर रहे एसआई अमन कुमार ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली है. प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

कार-टोटो की टक्कर में पांच घायल

बेंगाबाद (शुभम संदेश)। गिरिडीह–जामताड़ा मुख्य मार्ग पर महेशमुंडा के समीप बुधवार देर रात स्विफ्ट डिज़ायर कार जेएच-10 सीवी-6982 और टोटो के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन सड़क किनारे पलट गए. दुर्घटना में टोटो सवार बंधाबाद पंचायत के बड़की टांड़ निवासी राजू दास, रूपलाल दास, दारा दास, थंबी दास सहित अन्य लोग घायल हुए. सभी घायलों को स्थानीय लोगों की सहायता से महेशमुंडा स्थित आरोग्य अस्पताल पहुँचाया गया. इनमें राजू दास की स्थिति नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया. वहीं कार में सवार लोगों को मामूली चोटें आई हैं. घटना की सूचना पर बेंगाबाद थाना के एसआई सुरेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया. कार मालिक ने घायलों के उपचार की जिम्मेदारी ली, जिसके बाद पीड़ित पक्ष द्वारा थाने में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है.

अज्ञात लोगों ने घर में रखी बाइक में लगाई आग

गोड्डा (शुभम संदेश)। गोड्डा के पथरगामा मुख्य मार्ग पर बारकोप मोड़, आईटीआई कॉलेज के पास अज्ञात लोगों ने घर के अंदर रखी मोटरसाइकिल को जलाकर पूरी तरह से खाक कर दिया. घटना के समय गृहस्वामी पवन कुमार भगत के अनुसार यह बीते बुधवार देर रात हुई. पवन कुमार भगत ने बताया कि सभी खाना खाकर सो रहे थे, तभी लगभग रात 12 बजे उनकी बहन ने आग की लपटें उठते देखकर शोर मचाया. उठकर देखने पर उन्होंने अपनी बाइक पर आग की लपटें उठती देखीं. शोरगुल सुनकर पास में रहने वाले रिश्तेदार अमित कुमार भगत भी मौके पर पहुंचे. बताया गया कि अज्ञात लोग घर के पिछले हिस्से से दीवार फांदकर छत के रास्ते आंगन में पहुंचे और बरामदे में खड़ी बाइक को बाहर ले जाकर आग लगा दी. आग लगने से बाइक पूरी तरह से जलकर राख हो गई. घटना में बाकी सामान को कोई नुकसान नहीं हुआ. बताया गया कि बगल के रहने वाले अमित भगत के आवास में भी बाहर रखे पुआल को आग लगाई गई थी. स्थानीय लोगों ने कहा कि पूर्व में भी इसी प्रकार की घटनाएं हुई हैं. घटना की सूचना मिलने के बाद पथरगामा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया. प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है.

संवेदक पर अधूरा काम छोड़ने की शिकायत

डुमरी (शुभम संदेश)। प्रखंड के चेगड़ो पंचायत अंतर्गत खुरजियो ग्राम के हरिजन टोला के लोगों द्वारा झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो को प्राप्त पत्र के आलोक में गुरुवार को यूनियन के प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र यादव एवं केंद्रीय महासचिव रविंद्र कुमार ने विद्युत आपूर्ति विभाग के सहायक अभियंता को एक पत्र सौंपा. इसमें बिजली विभाग के संवेदक द्वारा अधूरा काम करके कार्य बंद कर देने की शिकायत की गई है तथा अधूरे कार्य को शीघ्र पूरा कराने की मांग की गई है. पत्र में उल्लेख किया गया है कि टोला में पिछले 10 वर्षों से पुराना तार लगा हुआ है. अब तक केबल का तार नहीं बदला गया है. कई स्थानों पर बिजली के पोल भी नहीं हैं, जो अत्यंत आवश्यक हैं. अधूरे कार्य के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. पत्र पर वीरेंद्र यादव, कजेश्वर यादव, बिनोद दास, रेखा देवी, सीता देवी आदि के हस्ताक्षर किए गए हैं.

प्रखंड में आज से आपकी सरकार-आपके द्वार शिविर

बोकारो (शुभम संदेश)। सरकार की महत्वकांक्षी योजना आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम 21 नवम्बर से शुरू होगा. जिसके तहत प्रखंड के सभी चौबीस पंचायतों में शिविर लगाया जाएगा. कार्यक्रम की शुरूआत भलमारा पंचायत से होगा. 22 नवंबर को गोनियाटो भवन में, 24 को पेंक पंचायत भवन में, 25 को नारायणपुर पंचायत भवन में, 26 को काछो पंचायत में, 27 को पोखरिया पंचायत भवन में, 28 को मूंगों रंगामाटी पंचायत भवन में, 29 को पलामू और बरई पंचायत का पलामू पंचायत भवन में, 1 दिसंबर को परसबनी और दहियारी पंचायत का दहियारी पंचायत भवन में, 2 को भेंडरा और बाराडीह पंचायत का हाई स्कूल भेंडरा परिसर में, 3 को सहरिया पंचायत भवन में, 4 को गुंजरडीह पंचायत भवन, 5 को चपरी पंचायत भवन में, 6 को चिरूडीह पंचायत भवन में, 8 को बिरनी पंचायत भवन में, 9 को कंजकीरो पंचायत में, 10 को नावाडीह पंचायत भवन में, 11 को खरपिटो पंचायत भवन में, 12 को पोटसो पंचायत भवन में, 13 को सुरही पंचायत भवन में और 15 दिसंबर को आहरडीह पंचायत भवन में शिविर का आयोजन किया जाएगा. बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम ने आमजनों से अधिक से अधिक संख्या में आकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है.

जिला स्तरीय एक दिवसीय रबी कार्यशाला संपन्न

साहिबगंज (शुभम संदेश)। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार के निर्देशानुसार सिद्धो-कान्हू सभागार, साहिबगंज में जिला स्तरीय एक दिवसीय रबी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया. कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपायुक्त, साहिबगंज द्वारा किया गया. विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष एवं उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा उपस्थित रहे. उपायुक्त ने कृषि एवं सम्बद्ध विभागों के पदाधिकारियों, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, बीटीएम, एटीएम एवं कृषक मित्रों को किसानों से सीधे जुड़कर कार्य करने का निर्देश दिया. साथ ही सभी प्रखंडों में रबी कार्यशाला आयोजित कर अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा किसानों को समय पर बीज वितरण करने पर विशेष जोर दिया. उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान अधिकाधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. धान की अच्छी उपज को देखते हुए धान अधिप्राप्ति हेतु ई-उपार्जन पोर्टल पर किसानों का शीघ्र निबंधन सुनिश्चित करने पर बल दिया. जिला परिषद अध्यक्ष ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड, झारखंड राज्य मिलेट मिशन, सिंचाई सुविधा एवं सोलर पम्पसेट जैसी सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को सक्रिय रूप से कार्य करने का निर्देश दिया.

स्कूटी में ढोई जा रही अंग्रेजी शराब की 31 बोतल जब्त

शुभम संदेश। गोड्डा

अवैध तस्करी के तहत स्कूटी के जरिए झारखंड से बिहार ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब की 31 बोतलें जब्त की गई हैं. घटना बीते बुधवार देर संध्या की है. पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति स्कूटी पर बोरे में और सीट के नीचे अंग्रेजी शराब की बोतलें भरकर बलबड्डा चौक से छगराहा की ओर ले जा रहा है. सूचना के आधार पर थाना गश्ती दल ने गुरुदेव पब्लिक स्कूल, बलबड्डा के पास एंटी क्राइम चेकिंग लगाया. चेकिंग के दौरान स्कूटी पर सवार व्यक्ति को देखा गया. पुलिस द्वारा रोकने का इशारा करने पर वह व्यक्ति स्कूटी छोड़कर भागने लगा. सशस्त्र बल द्वारा पकड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन अंधेरे और झाड़ियों का लाभ उठाकर वह फरार हो गया. जांच में स्कूटी पर विभिन्न कंपनियों की कुल 31 बोतल अंग्रेजी शराब पाई गई, जिन्हें विधिवत जब्त किया गया. इस मामले में स्कूटी चालक और वाहन मालिक के खिलाफ बलबड्डा थाना में कांड संख्या 77/25 दर्ज की गई है. दोनों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी जारी है. छापामारी दल में थाना प्रभारी पंकज कुमार सिंह, पुअनि शिव कुमार, सअनि नंदकिशोर कुमार और बलबड्डा थाना के सशस्त्र बल शामिल थे.

जिले में ड्रग नियंत्रण पर एनकॉर्ड समिति की बैठक

मेडिकल दुकानों में फार्मासिस्ट नहीं रहने पर वसूले जुर्माना : डीसी

शुभम संदेश। साहिबगंज

उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में गुरुवार को कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला स्तरीय समिति एनसीओआरडी की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिले में नशा नियंत्रण, अवैध दवा व्यापार पर रोकथाम तथा ड्रग्स संबंधित अपराधों की रोकथाम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. उपायुक्त ने कहा कि जिले में नशीले पदार्थों की बिक्री, दवाइयों के दुरुपयोग एवं अवैध वितरण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना आवश्यक है. उन्होंने पिछले बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जानकारी ली. उपायुक्त द्वारा पूर्व में ड्रग टास्क फोर्स का गठन कर अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और ड्रग इंस्पेक्टर को फार्मासिस्ट-विहीन मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन इसके अनुपालन में

कमी पाई गई. इस पर उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज और ड्रग इंस्पेक्टर से स्पष्टीकरण देने को कहा. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अगली बैठक से पूर्व जिले के सभी मेडिकल दुकानों की जांच की जाए और प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए. उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन मेडिकल दुकानों में फार्मासिस्ट उपस्थित नहीं पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध जुर्माना वसूला जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी. उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि नशा-मुक्त समाज की दिशा में जिला प्रशासन पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है. सभी विभागों को आपसी समन्वय, सतर्कता, निगरानी और जन-जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है. बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए एवं प्रभारी जिला समाज कल्याण संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईंद, मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा, एसडीपीओ राजमहल, बड़हरवा के ड्रग इंस्पेक्टर चंदन कश्यप सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

बीएसएल को मिला डीएमआर 249ए स्टील तकनीक हस्तांतरण का लाइसेंस

बीएसएल भारतीय नौसेना को उच्च गुणवत्ता वाले स्टील उत्पाद कराएगा उपलब्ध

शुभम संदेश। बोकारो

बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने 15 नवंबर 2025 को हैदराबाद में आयोजित डिफेंस मेटलर्जिकल रिसर्च लेबोरेट्री (डीएमआरएल) के 62वें वार्षिकोत्सव समारोह के दौरान लाइसेंसिंग एग्रीमेंट फॉर ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी के तहत तकनीक हस्तांतरण दस्तावेज़ प्राप्त किया. इस तकनीक हस्तांतरण के अंतर्गत डीएमआरएल ने बीएसएल को नौसैनिक उपयोग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण डीएमआर 249ए स्टील शीट्स के निर्माण हेतु लाइसेंस प्रदान किया है. इससे बीएसएल को भारतीय सशस्त्र बलों और अन्य सरकारी एजेंसियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले और अत्याधुनिक विशेष स्टील उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को

और अधिक सुदृढ़ रूप से बढ़ाने में मदद मिलेगी. यह उपलब्धि बीएसएल की तकनीकी दक्षता, गुणवत्ता उत्कृष्टता और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति इसकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है. कार्यक्रम में डीएमआरएल के ओएस एवं निदेशक डॉ. आर. बालामुरलिकृष्णन, डीआरडीओ के डीएस एवं डीजी डॉ. आर. वी. हरा प्रसाद, सचिव डीडी एवं चेयरमैन, डीआरडीओ डॉ. समीर वी. कमाट सहित डीआरडीओ और डीएमआरएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. बीएसएल की ओर से महाप्रबंधक बी. सुनीता मिंज, महाप्रबंधक एस. एस. पाणिग्रही और महाप्रबंधक राहुल तिवारी ने यह तकनीक हस्तांतरण दस्तावेज़ प्राप्त किया. इस उपलब्धि पर बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन ने कहा कि यह लाइसेंसिंग एग्रीमेंट बीएसएल की तकनीकी उत्कृष्टता, क्षमता और देश की रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि बीएसएल भविष्य में भी विशेष गुणवत्ता वाले स्टील के विकास के माध्यम से देश की रक्षा तैयारियों को सुदृढ़ बनाने में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा. उल्लेखनीय है कि बीएसएल और डीएमआरएल के बीच लगभग दो दशकों से जारी तकनीकी साझेदारी अत्यंत सफल रही है. इस सहयोग के अंतर्गत पिछले 18 वर्षों में 46,500 टन से अधिक डीएमआर 249ए स्टील का उत्पादन किया जा चुका है. यह उच्च गुणवत्ता वाला स्टील भारतीय नौसेना के कई प्रतिष्ठित और अत्याधुनिक युद्धपोतों जैसे आईएनएस विक्रांत, आईएनएस नीलगिरि, आईएनएस किल्टन, आईएनएस महेंद्रगिरि और आईएनएस विंध्यगिरि के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे चुका है.

बोकारो स्टील प्लांट को सुरक्षा में उत्कृष्टता के लिए कलींगा अवॉर्ड

बोकारो। स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (सेल) की इकाई बोकारो स्टील प्लांट को वर्ष 2024 में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतिष्ठित कलींगा सेफ़्टी एक्सीलेंस अवॉर्ड (सिल्वर कैटेगरी) से सम्मानित किया गया. यह पुरस्कार 19 नवंबर 2025 को मेफेयर कन्वेंशन सेंटर, भुवनेश्वर में आयोजित समारोह में बोकारो स्टील प्लांट के प्रतिनिधियों को ओडिशा विधान सभा की अध्यक्ष सुरमा पाध्य और ओडिशा के सांसद रबिंद्र नारायण बेहेरा द्वारा प्रदान किया गया. समारोह में उद्योग जगत के कई प्रमुख प्रतिनिधि, विशेषज्ञ तथा सुरक्षा पेशेवर उपस्थित थे. कलींगा सेफ़्टी एक्सीलेंस अवॉर्ड उन संस्थाओं को प्रदान किया जाता है, जो सुरक्षा प्रणालियों, प्रदर्शन और सुरक्षा संस्कृति के प्रति उत्कृष्ट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती हैं. वर्ष 2024 की इस उपलब्धि पर बोकारो स्टील प्लांट ने पुनः यह संकल्प दोहराया कि प्लांट भविष्य में भी विश्व-स्तरीय सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए अपनी सुरक्षा संस्कृति को और सुदृढ़ करेगा.

ब्रीफ खबरें

आम आदमी पार्टी ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

धनबाद। धनबाद जिले में आम आदमी पार्टी (आप) ने स्वास्थ्य और शिक्षा के मुद्दों पर जनता को जगाने के लिए हस्ताक्षर अभियान तेज कर दिया है. पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुराना बाजार इलाके में एक विशेष शिविर लगाकर सैकड़ों लोगों से हस्ताक्षर कराए, जहां एसएसएलएनटी अस्पताल को पूर्ण रूप से चालू करने और जिले के हर वार्ड व पंचायत में स्मार्ट डिजिटल स्कूल स्थापित करने की मांग उठाई गई. यह अभियान 16 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर तक चलेगा.

फरार आरोपी के घर इश्तेहार

बरवाअड्डा। बरवाअड्डा थाना कांड संख्या 48/2023 के फरार चल रहे आरोपी अंजीभ कुमार सिंह के भूली स्थित घर में बरवाअड्डा थाना के पुअनि लालजीत उरांव ने इश्तेहार चिपकाकर धनबाद कोर्ट में हाजिर होने को कहा. अंजीभ कुमार सिंह पर बड़ापिछड़ी में खनन विभाग और बरवाअड्डा पुलिस द्वारा छापेमारी कर में भारी मात्रा में जब्त कोयले को बेच देने का आरोप है.

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के लिए डीसी ने दिए निर्देश

- आज से शिविरों का किया जाएगा आयोजन
- जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से की जाएगी मॉनिटरिंग

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद जिले के सभी 256 पंचायत में 21 नवंबर से आपकी योजना - आपकी सरकार - आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इसके सफल क्रियान्वयन के लिए उपायुक्त आदित्य रंजन ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि सभी शिविरों की जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग की जाएगी. साथ ही आम जनों की सुविधा के लिए शिविरों में अलग-अलग योजना के काउंटर बनाने एवं लोगों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क बनाने का निर्देश दिया. साथ ही जनप्रतिनिधियों के लिए मंच तथा आम जनों के लिए पानी, शेड, शौचालय की व्यवस्था करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि शिविरों में आम जनों को राज्य सरकार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे. आम जनों से विभिन्न योजनाओं एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त कर सभी विभाग त्वरित निष्पादन करेंगे. लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण, स्कूली छात्रों के बीच साइकिल वितरण, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के बीच कंबल वितरण तथा ऑन द स्पॉट शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करेंगे. शिविरों में प्रखंड स्तरीय समन्वय पदाधिकारी के साथ जिला स्तरीय नोडल पदाधिकारी मौजूद रहेंगे. शिविरों में फोकस एरिया के जाति - आवासीय - आय प्रमाण पत्र, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, लैम्प्स पैक्स सदस्यता अभियान, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड सहित अन्य योजना के आवेदन प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किए जाएंगे. इसमें जिन योजनाओं में लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होंगे उनमें लाभुकों की प्रतिक्षा सूची तैयार करते हुए प्राथमिकता के आधार पर उन्हें योजना का लाभ दिया जाएगा. फोकस एरिया के अलावा शिविरों में सभी प्रकार की पेंशन योजना, आयुष्मान कार्ड वितरण, सामुदायिक वन पट्टा, व्यक्तिगत वन पट्टा, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, झारखंड आंदोलनकारी चिह्नितीकरण आयोग से संबंधित प्रमाण पत्र के लिए आवेदन प्राप्त किए जाएंगे. साथ ही बेनेफिशरी ओरिएंटेड वैसी योजनाएं जिन्हें राज्य सरकार सेचुरेशन मोड में लागू करने के लिए कृत संकल्पित है, के लिए भी छूटे हुए व्यक्ति एवं अर्हता प्राप्त करने वाले नए लोगों से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे. उपायुक्त ने जिले के अधिक से अधिक लोगों को शिविरों में जाकर अपनी समस्या का निराकरण कराने एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है.

राज सिन्हा ने 10वीं बार मुख्यमंत्री बनने पर नीतीश कुमार को दी बधाई

शुभम संदेश। धनबाद

झारखंड विधानसभा के सचेतक एवं धनबाद विधायक राज सिन्हा ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर नीतीश कुमार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने नई मंत्रिपरिषद के सभी नवनियुक्त मंत्रियों को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह टीम बिहार के विकास के लिए ऊर्जा व संकल्प से परिपूर्ण है. अपने संदेश में राज सिन्हा ने कहा कि नीतीश कुमार सुशासन, विकास और स्थिर नेतृत्व के पर्याय हैं. उनके नेतृत्व में बिहार ने कई क्षेत्रों में प्रगति की है. मुझे पूरा विश्वास है कि नवगठित मंत्रिपरिषद के साथ वे राज्य के विकास, युवाओं के सशक्तिकरण, कानून-व्यवस्था की मजबूती और बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए नए आयाम स्थापित करेंगे . राज सिन्हा ने एनडीए नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए एक सशक्त, स्थिर और विकासोन्मुख गठबंधन बनकर उभरा है. बिहार में यह शपथ ग्रहण समारोह उसी विश्वास, सहयोग और सामूहिक नेतृत्व का परिणाम है. केंद्र और राज्य मिलकर बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं. उन्होंने आगे कहा कि बिहार और झारखंड का भावनात्मक और सामाजिक रिश्ता बेहद गहरा है. मुझे पूरा विश्वास है कि इस नई सरकार के गठन से दोनों राज्यों के बीच विकास, व्यापार, संस्कृति और जनकल्याण के रास्ते और मजबूत होंगे.

नगर आयुक्त ने की स्वनिधि से संकल्प अभियान की समीक्षा

शुभम संदेश। धनबाद

नगर निगम कार्यालय में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के अंतर्गत स्वनिधि से संकल्प अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. प्रशासक सह नगर आयुक्त रविराज शर्मा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार, सहायक नगर आयुक्त शिखा कुमारी, नगर मिशन प्रबंधक, विभिन्न बैंक समन्वयक, नगर निकाय प्रतिनिधि तथा सामुदायिक संगठनकर्ता उपस्थित रहे. बैठक में केंद्र सरकार द्वारा संशोधित पीएम स्वनिधि योजना के नए प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा अभियान के दौरान लाभार्थियों की अद्यतन स्थिति और सभी लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई. योजना को सफल बनाने के लिए सभी संबंधितों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए. नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि 03 नवम्बर से 02 दिसम्बर तक चलने वाले इस अभियान में धनबाद के प्रत्येक पात्र फुटपाथ विक्रेता को योजना का लाभ अनिवार्य रूप से मिले. बैंकों एवं नगर निकाय को लाभार्थी सूची तत्काल अद्यतन करने, डिजिटल एवं ऑनलाइन एक्टिवेशन करने, पात्रता के अनुसार ऋण का त्वरित वितरण करने तथा सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन कर अद्यतन सूची नगर निगम को भेजने के निर्देश दिए गए. साथ ही आवश्यकतानुसार विशेष ऋण शिविर आयोजित करने, मिशन प्रबंधक एवं सामुदायिक संगठनकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्टिंग करने के भी निर्देश दिए गए. नगर आयुक्त ने सभी अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों से पूर्ण सहयोग करते हुए अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया.

समाहरणालय परिसर में किया पौधारोपण

- डीसी ने किया समाहरणालय में बन रहे सीटिंग एरिया, पार्क व पार्किंग का किया निरीक्षण

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन ने गुरुवार को समाहरणालय परिसर में पौधारोपण किया. इस दौरान उन्होंने परिसर में कई प्रकार के फलदार पौधे लगाए. इसके बाद उपायुक्त ने समाहरणालय में आगंतुकों के लिए बन रहे पार्किंग, सिटिंग व वेटिंग एरिया एवं पार्क का निरीक्षण किया. निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने कहा कि प्रतिदिन बड़ी तादाद में आम लोग अपने विभिन्न कार्यों से समाहरणालय में आते हैं. आम जनों की सुविधा के लिए समाहरणालय के पूर्वी हिस्से में सिटिंग व वेटिंग एरिया तथा पार्क का निर्माण किया जा रहा है. आम जनों के साथ पदाधिकारी व कई स्तर के प्रतिनिधि आते हैं. अक्सर उनके वाहन खुले में खड़े रहते हैं. इसलिए चार पहिया और दुपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग शेड युक्त विशाल पार्किंग एरिया बनाया जा रहा है. उपायुक्त ने जिला उद्यान पदाधिकारी को समाहरणालय के पूर्वी भाग में भी वृहद पैमाने पर पौधारोपण करने का निर्देश दिया. इस मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला उद्यान पदाधिकारी जनार्दन शर्मा, शशि शेखर सिन्हा तथा समाहरणालय के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

बरमसिया ओवरब्रिज बंद होने से आमजनों की समस्या को लेकर डीआरएम को ज्ञापन

शुभम संदेश। धनबाद

हावड़ा नई दिल्ली रेल लाइन स्थित प्रधानखंता एवं बरमसिया ओवरब्रिज के क्षतिग्रस्त होने से हो परेशानी के निदान की मांग को लेकर जनसरोकार के पदाधिकारियों ने रमेश कुमार राही के नेतृत्व में मंडल रेल प्रबंधक धनबाद से मिलकर ज्ञापन सौंपा. डेढ़ दशक पूर्व निर्मित बरमसिया ओवरब्रिज के क्षतिग्रस्त होने एवं उसके मरम्मत कार्य से ओवरब्रिज से आवागमन बंद कर दिया गया है. आवागमन बंद होने से हर दिन हजारों यात्री परेशान हो रहे हैं. महज कुछ दूरी तय करने के लिए सात- आठ किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है. ओवरब्रिज निर्माण के पूर्व जिस मार्ग का उपयोग होता था, उसे तत्काल प्रारंभ करने की मांग की ताकि आमजनों को आवागमन में हो परेशानी से मुक्ति मिल सके. इस संबंध में डी आर एम ने कहा कि ओवरब्रिज के मरम्मत के लिए 45 दिन लगने की नोटिस दी गयी है परन्तु जिस गति से काम चल रहा है उस गति में व्यवधान न हुआ तो 12 दिन पहले ही काम पूरा हो जायेगा. मांग पत्र में लिखा गया कि हावड़ा - नई दिल्ली रेल लाइन स्थित प्रधानखंता ओवरब्रिज का निर्माण करीब 3 वर्ष पूर्व हुआ था. ओवरब्रिज में दरार होना गंभीर विषय है . इसकी जांच तो होनी चाहिए. साथ ही ओवरब्रिज से बड़ी वाहनों के आवागमन पर रोक से हो रही परेशानी पर डीआरएम ने कहा कि ओवरब्रिज का डिजाइन बना है. उस पर अधिक लोड के वाहनों के चलने से क्षतिग्रस्त हुआ है. ओवरब्रिज का डिजाइन में सुधार होने से ही बड़े वाहनों का परिचालन संभव है. प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष कन्हैया पांडे उपाध्यक्ष रंजन महतो, सोनी सरदार शामिल रहे.

आसनसोल

बालू चोरी करते जेसीबी समेत तीन ट्रैक्टर जब्त

शुभम संदेश। रानीगंज

अंडाल सिंगारन नदी से बालू की चोरी के खिलाफ अंडाल बीएलआरओ और पुलिस ने अभियान चलाकर तीन ट्रेक्टर और एक जेसीपी मशीन जब्त किया. चोरी के खिलाफ पिछले कई दिनों से इलाके के लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे. उनका आरोप है कि कई दिनों से उस इलाके से अवैध रूप से बालू की चोरी हो रही थी और उस बालू का इस्तेमाल बक्तरनगर रेलवे के साईडिंग के काम में किया जा रहा था. सुबह करीब 11:30 बजे स्थानीय तारकडांगा, अंडाल थाना रोड और सकरा इलाके के लोगों ने अंडाल थाना पुलिस को बालू चोरी की घटना की सूचना दी. सूचना मिलने पर अंडाल थाना पुलिस मौके पर पहुँची. बाद में अंडाल बीएलओ कार्यालय के अधिकारी भी मौके पर पहुँचे. मौके से एक जेसीबी और तीन ट्रैक्टर ज़ब्त कर अंडाल थाना पुलिस को सौंप दिए गए. मामले में जिस व्यक्ति के खिलाफ शिकायत की गई थी, उसने कहा कि मैंने रेलवे को जेसीबी और ट्रैक्टर किराए पर दिया था. रेलवे अपनी ज़मीन पर मिट्टी काटने के लिए लिया था. रेलवे के ठीकेदार कहां काम पर लगाया इसकी जानकारी नहीं है. इधर पुलिस और बीएलआरओ के इस कार्यवाई से अवैध बालू कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है.

रानीगंज में अखिल भारतीय को-ऑपरेटिव सप्ताह पर परिचर्चा

शुभम संदेश। रानीगंज

कोऑपरेटिव आंदोलन का मूल उद्देश्य आर्थिक समानता, सामूहिक विकास और जमीनी स्तर पर लोगों को वित्तीय संसाधनों से जोड़ना है. इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए 'अखिल भारतीय कोऑपरेटिव सप्ताह' (14 से 20 नवंबर) के तहत रानीगंज कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में एक महत्वपूर्ण परिचर्चा का आयोजन किया गया. परिचर्चा का विषय विकसित भारत के निर्माण में कोऑपरेटिव बैंकों की भूमिका था. कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बैंक के वाइस चेयरमैन संदीप भालोटिया ने बताया कि यह आयोजन प्रतिवर्ष होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा है. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पांडेश्वर विधायक एवं कोऑपरेटिव स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन नरेंद्र नाथ चक्रवर्ती उपस्थित रहे. उन्होंने कहा कि कोऑपरेटिव बैंक जमीनी स्तर पर आर्थिक सशक्तिकरण की रीढ़ हैं और इस आंदोलन को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है. उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिलों के विभाजन के बाद व्यवस्थाओं में सुधार हुआ है और इसमें कोऑपरेटिव बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. कार्यक्रम में एआरसी के विभागीय प्रधान त्रिदीव मंडल और एमएमआईसी दिव्येंदु भगत भी शामिल हुए. त्रिदीव मंडल ने कहा कि कोऑपरेटिव आंदोलन तभी सफल होगा जब इसे समाज के हर वर्ग तक पहुंचाया जाए. दिव्येंदु भगत ने कहा कि कोऑपरेटिव बैंक वास्तविक अर्थ में आर्थिक सशक्तिकरण के साधन हैं क्योंकि इनके संचालन में स्वयं ग्राहक भागीदार होते हैं. वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि कोऑपरेटिव बैंक ग्रामीण तथा स्थानीय स्तर पर वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं.

न्यूज अपडेट

लायंस क्लब का 66वाँ चार्टर नाइट समारोह

रानीगंज (शुभम संदेश)। लायंस क्लब ऑफ रानीगंज द्वारा 66वें चार्टर नाइट समारोह का आयोजन एस.एम. पातेसरिया मेमोरियल कम्युनिटी सेंटर में बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ केक काटकर एवं मोमबत्ती जलाकर किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष लायन आलोक बागड़िया ने की. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्लब ने जिला पाल लायन शेख मोहिनुद्दीन का स्वागत किया. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लायंस क्लब रानीगंज पिछले 66 वर्षों से निरंतर जनसेवा और समाज कल्याण का प्रतीक रहा है. समय के अनुरूप सेवा के स्वरूप में भी बदलाव आये हैं और हमें वही सेवा देनी होगी जिसकी जनता को वास्तविक आवश्यकता है. कार्यक्रम में लायंस क्लब पांडेश्वर, आसनसोल, दुर्गापुर सहित कई इकाइयों के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए. समारोह में क्लब के सभी पुराने मोनार्क सदस्यों को सम्मानित किया गया.

सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने अंडाल एयरपोर्ट को दिया एंबुलेंस

शुभम संदेश। रानीगंज

अंडाल स्थित काजी नजरुल इस्लाम हवाई अड्डा को आसनसोल लोकसभा के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा के सांसद निधि से एंबुलेंस प्रदान किया गया. इस अवसर पर सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और डीएम एस पोन्नाबालम, अंडाल बिडिओ देबांजन दत्ता, केएनआई के निदेशक कैलाश मंडल, उप निदेशक सुमन दे, राजादास गुप्ता और डीजीएम (सेफ्टी)अशोक तिवारी तथा अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे. सांसद सिन्हा ने केएनआई के निदेशक कैलाश मंडल को एंबुलेंस का चाबी उनके हांथों में सौंपा. इस अवसर पर सिन्हा ने कहा यह एंबुलेंस एयरपोर्ट प्रबंधन को दिया गया है. अब से इसका उपयोग आम लोगों और एयरपोर्ट के पैसेंजर के लिए किया जायेगा. डीएम एस पन्ना बलम ने कहा कि एयरपोर्ट में एक एंबुलेंस की आवश्कता है. आम लोगों के लिए इसके लिए केएनआई के निदेशक ने सांसद से मांग किया था सांसद निधि से 21 लाख रुपए की लागत से यह एंबुलेंस एयरपोर्ट को दिया.

विश्व पटल पर फिर चमका भारत का नाम

नितिन चंदीला ने वर्ल्ड बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

शुभम संदेश। पुरुलिया

आद्रा डिवीजन के रेलवे कर्मचारी नितिन चंदीला ने एक बार फिर विश्व बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है. 11 से 17 नवंबर तक इंडोनेशिया में आयोजित 16वीं विश्व बॉडी बिल्डिंग एवं फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में उन्होंने 100 किलोग्राम वर्ग में दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक जीता. रेलवे खेल अधिकारी और आद्रा डिवीजन के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक सचिंद्र वर्मा ने कहा कि हमें नितिन चंदीला की उपलब्धि पर बहुत गर्व है. वह आद्रा डिवीजन में एक वाणिज्यिक क्लर्क और टिकट क्लर्क के रूप में कार्यरत हैं. इससे पहले, उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर सफलता हासिल की है. नितिन ने हाल ही में इंडोनेशिया में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर अपनी निरंतर सफलता को एक बार फिर साबित किया. अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से उन्होंने न केवल अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों में इज़ाफ़ा किया, बल्कि एक बार फिर विश्व मंच पर देश का नाम रोशन किया. नितिन चंदीला ने अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि दूसरा स्थान प्राप्त करके बहुत अच्छा लग रहा है. हालाँकि मुझे इससे बेहतर परिणाम की उम्मीद थी, लेकिन यह सफलता मुझे और भी प्रेरित करेगी.

विधायक ने की पीड़ित दुकानदारों से मुलाकात

नियामातपुर। नियामतपुर में बीते रविवार को दो दुकानों में लाखों की चोरी की घटना ने व्यवसाइयों की नींद हराम कर दी है. नियामतपुर जीटी रोड के पास स्थित ओम रेडिमेड कपड़ा दुकान तथा कूल्टी के नियामतपुर क्षेत्र की जय बालाजी मोबाइल शोरूम का सटर तोड़ कर कीमती मोबाईल चोरों ने उड़ा लिया. घटना की जानकारी मिलने के बाद कूल्टी के भाजपा विधायक डॉ. अजय पोद्दार ने दोनों प्रतिष्ठानों पर पहुँचे और दुकानदारों से पूरी स्थिति का विस्तृत जायजा प्राप्त किया. दुकानदारों के अनुसार प्रशासन द्वारा अभी तक इस घटना का समाधान नहीं हो पाया है. चोरी कि इस घटना को लेकर विधायक ने प्रशासन से औपचारिक रूप से आग्रह किया है कि ये कोई छोटी मोटी चोरी कि घटना नहीं है. वहीं व्यापारी संघ भी इस घटना से काफी आक्रोषित के साथ मन में भय का माहोल दिखाई पड़ रहा है. जितना जल्द हो, पुलिस सभी आरोपियों को गिरफ्तार करें.

हत्या का आरोपी पुत्र पुलिस रिमांड पर

बराकर। कुल्टी थाना के एलसी मोड़ स्थित एक दुकान में दिल दहला देने वाली घटना में बेटे ने अपनी माँ को लहू लुहान कर मार डाला. इस घटना में पुलिस ने आरोपी विशाल सिन्हा को गुरुवार को पुलिस ने आसनसोल न्यायालय को सुपूर्द किया. कुल्टी पुलिस मामले के उदभेदन के लिये पुलिस रिमांड कि मांग करेगी. घटना के सम्बन्ध में कुल्टी ऐसीपी जावेद हुसैन ने बताया कि मंगलवार कि देर रात्रि घटना कि सूचना मिली कि एलसी मोड स्थित एक दुकान में घटना घटी है. पुलिस मौके पर पहुंच घायल अवस्था में सुशीला सिन्हा को आसनसोल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित किया. जहां उसके पुत्र विशाल को मौके वारदात से पकड़ा गया. अंदेशा है कि मृतक के सर पर जोरदार प्रहार से उसकी मौत हुई है. वही पुलिस द्वारा केस प्रारम्भ कर कार्यवाही प्रारम्भ की. मृतक के भाई ने मामला दर्ज़ करवाया है. वहीं पुलिस रिमांड के बाद घटना का पुरा मामला सामने आयेगा कि आखिर पुत्र ने अपनी माँ को किस कारण से मौत के घाट उतरा.

ब्रीफ खबरें

आनंदपुरी कॉलोनी में बंद मकान से चोरी

पाकुड़। पाकुड़ शहर में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं. आनंदपुरी कॉलोनी स्थित सुदर्शन सिंह के बंद घर में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया. पूरी घटना पास के घर की सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई. मकान मालिक इलाज के लिए परिवार संग दिल्ली में है. पड़ोसी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. चोरी गए सामान का विवरण मालिक के लौटने के बाद ही पता चलेगा. लगातार घटनाओं से शहर में दहशत का माहौल है.

मुखियाओं की वित्तीय समस्याओं का होगा समाधान : उपायुक्त

बोकारो। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि मुखियाओं की वित्तीय समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा. इस संबंध में बीडीओ और पंचायती राज पदाधिकारी से बातचीत कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि मुखिया और वार्ड पार्षद भी जनप्रतिनिधि हैं. आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में वे सक्रिय रूप से भाग लें और अपने क्षेत्र की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें.

पाकुड़ के सभी पंचायतों में लगेंगे शिविर

पाकुड़। झारखंड में 21 नवंबर से आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम की शुरुआत होगी. पाकुड़ जिले में 21 नवंबर से 15 दिसंबर तक सभी 128 पंचायतों और नगर परिषद के 21 वार्डों में शिविर आयोजित किए जाएंगे. उपायुक्त मनीष कुमार ने पदाधिकारियों को शिविर संचालन, योजनाओं के प्रचार-प्रसार और लाभुकों की समस्याओं के त्वरित निवारण का निर्देश दिया है. शिविरों में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदन, प्रमाण पत्र संशोधन, दस्तावेज सत्यापन और ऑन-द-स्पॉट सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. उपायुक्त मनीष कुमार ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी पंचायत शिविर में पहुंचकर अधिकतम योजनाओं का लाभ उठाएं. उन्होंने नागरिकों से आधार कार्ड, वोटर आईडी, बैंक पासबुक एवं अन्य पहचान संबंधी दस्तावेज साथ लाने का आग्रह किया है, ताकि प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए. साथ ही नोडल अधिकारियों को प्रतिदिन अपने-अपने शिविर स्थल पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं.

छात्राओं के बीच चला जागरुकता अभियान

कसमार (बोकारो)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसमार की ओर से गुरुवार को कमलापुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में कुष्ठ रोगी खोज कार्यक्रम 2025 के तहत शिक्षकों एवं छात्राओं को कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक किया गया. इस दौरान डॉ. हरिपद सोरेन ने उपस्थित शिक्षकों और छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि शरीर में झनझनाहट के साथ सुन्नपन, दाग वाली जगह पर सनसनी का अभाव, आइब्रो का झड़ना, हथेलियों और तलवों में सुन्नपन, हाथ-पैर की उंगलियों का टेढ़ा होना आदि कुष्ठ रोग के प्रमुख लक्षण हैं. पीएमडब्ल्यू राजेश कुमार ने कहा कि यदि इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों की पहचान हो जाए, तो इसका उपचार संभव है. उन्होंने बताया कि मरीज आग या गर्म वस्तुओं के संपर्क में न आएं और कुछ सावधानियाँ अपनाकर इस रोग से बचाव किया जा सकता है. कार्यक्रम में एमपीडब्ल्यू अविनाश रंजन, कविता टैगोर, कुलदीप यादव, विद्यालय की वार्डेन मालती कुमारी, शिक्षिका अनिता कुमारी, ललिता कुमारी, उषा रानी, शाहीन प्रवीण सहित अन्य उपस्थित थे.

कृषक सलाहकार समिति की बैठक

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ प्रखंड मुख्यालय के सभागार में गुरुवार को प्रखंड कृषक सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में खरीफ फसल कटाई की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आगामी रबी मौसम की तैयारी पर विस्तृत चर्चा हुई. बैठक में यह गंभीर मुद्दा भी उठाया गया कि मत्स्य, सहकारिता और पशुपालन विभाग के प्रतिनिधि बैठक में शामिल नहीं हुए, जिसे लेकर समिति के सदस्यों ने नाराजगी जताई. बैठक में गेहूं, सरसों, मसूर और चना के प्रदर्शन (डेमो प्लॉट) के लिए कई गांवों को चिन्हित किया गया. अधिकारियों ने कहा कि किसानों को रबी फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा. समिति ने निर्देश दिया कि किसान अनुदानित दर पर बीज पैक्स से ही प्राप्त करें. इसके लिए किसानों को जागरूक करने पर विशेष बल दिया गया.

सरदार पटेल की जयंती पर निकला विशाल यूनिटी मार्च

खास बात

- अन्नपूर्णा देवी ने दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

शुभम संदेश। बेंगाबाद

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर गुरुवार को बेंगाबाद क्षेत्र राष्ट्रीय एकता और अखंडता के जयघोष से गूंज उठा. केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने छोटकी खरगडीहा और बेंगाबाद दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित समारोह में भाग लेते हुए कहा कि पदयात्रा के माध्यम से सरदार पटेल के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि देश की रियासतों के एकीकरण में पटेल का योगदान एक भारत–श्रेष्ठ भारत की मजबूत नींव है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल की दूरदृष्टि, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रभक्ति ने आजाद भारत को एक सूत्र में पिरोया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा केवड़िया में स्थापित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी उनकी महानता और देश की एकता का भव्य प्रतीक है.

भारत माता की जय के नारों से गूंजा इलाका

खुरचुट्टा दुर्गा मंदिर से भाजपा द्वारा निकाले गए यूनिटी मार्च में सैकड़ों युवाओं, महिलाओं, स्कूली बच्चों और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया. हाथों में तिरंगा लिए प्रतिभागियों की यह भीड़ वंदे मातरम् और भारत माता की जय के नारों से पूरे क्षेत्र को प्रफुल्लित कर रही थी. मार्च खुरचुट्टा से बेंगाबाद–चतरो मार्ग होते हुए छोटकी खरगडीहा चौक पहुंचा.मार्च में अनुसूचित जनजाति मोर्चा की आदिवासी महिलाओं द्वारा मांदर की थाप पर प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा. जमुआ विधायक मंजू कुमारी समेत कई भाजपा नेत्रियों ने भी नृत्य में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया. आकर्षक झांकियों और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का संदेश जनसमूह तक पहुंचाया गया. रास्ते में जगह-जगह केंद्रीय मंत्री और अन्य नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया गया. करीब 15 किलोमीटर लंबा यह विशाल जुलूस बेंगाबाद चौक होते हुए दुर्गा मंदिर परिसर में समापन को पहुंचा. मुख्य सड़क पर मार्च के कारण भारी वाहनों का परिचालन कुछ समय के लिए प्रभावित रहा. नवाहार प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय, केएन बख्शी कॉलेज, कस्तूरबा विद्यालय, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, एलएनपी पब्लिक स्कूल, गिरिडीह महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट सहित कई शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राएं भी मार्च में शामिल हुए. कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, जमुआ विधायक मंजू कुमारी, पूर्व विधायक लक्ष्मण स्वर्णकार, जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, सांसद प्रतिनिधि मनीष कुमार एवं शिवपूजन राम, प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा, मंडल अध्यक्ष सौरभ सागर मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता, कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे.

सुरक्षित पेयजल आपूर्ति के लिए बोकारो प्रशासन सख्त

संरचनाओं को क्षति पहुंचाने वालों पर होगी कार्रवाई

शुभम संदेश। बोकारो

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाने का निर्णय लिया है. भारत सरकार के पीने का पानी एवं स्वच्छता मंत्रालय तथा झारखंड सरकार के पंचायती राज एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि ग्रामीण जलापूर्ति से जुड़ी किसी भी संरचना, पाइपलाइन, स्रोत या अन्य घटक को नुकसान पहुंचाना अब गंभीर अपराध की श्रेणी में माना जाएगा. भारत सरकार द्वारा लागू भारतीय न्याय संहिता – 2023 में धारा 326, 267 एवं 303 के अंतर्गत ऐसे प्रावधान जोड़े गए हैं, जिनके तहत पेयजल स्रोतों को नुकसान पहुंचाना, पाइपलाइनों में छेड़छाड़ करना तथा जलापूर्ति संरचनाओं को क्षति पहुंचाना जैसे अपराधों के लिए कठोर दंड का प्रावधान है. इसी संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिला प्रशासन जलापूर्ति पाइप या संरचनाओं से संबंधित किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ या अवैध हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेगा. ऐसे मामलों में तत्काल कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी. उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा और बेरमो मुकेश मछुआ को निर्देशित किया कि यदि उनके संज्ञान में कहीं भी जलापूर्ति योजनाओं को नुकसान पहुंचाने की घटना आती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध बिना देरी एफआईआर दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए. साथ ही उन्होंने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण बढ़ाने और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी मजबूत करने के निर्देश दिए. बैठक में वीसी के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ जुड़े, जबकि मौके पर कार्यपालक अभियंता चास रामप्रवेश राम, कार्यपालक अभियंता बेरमो तेनुघाट चंदन कुमार, सहायक अभियंता चास–तेनुघाट, यूनिसेफ़ प्रतिनिधि घनश्याम साह सहित अन्य तकनीकी अधिकारी उपस्थित थे.

डीसी ने की ग्राम प्रधानों के साथ समीक्षा बैठक

दुमका। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिले के सभी 10 अंचलों से आए ग्राम प्रधानों के साथ बैठक आयोजित की गई. बैठक का उद्देश्य पंचायत और गांव स्तर पर उत्पन्न समस्याओं की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना और उनके त्वरित समाधान के लिए प्रभावी पहल करना था. बैठक में ग्राम प्रधानों ने गोचर भूमि अतिक्रमण, मांझीथान और जाहेरथान की घेराबंदी, पेयजल संकट, सड़कों की खराब स्थिति, रानेश्वर स्थित बड़ा नदी पर बने डैम के गेट की मरम्मत, विद्यालयों में शिक्षकों की अनुपस्थिति सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों से उपायुक्त को अवगत कराया. उपायुक्त ने सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि ग्राम प्रधान ग्रामीण जनता से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए उनकी बातों के माध्यम से जमीनी समस्याओं की सही जानकारी मिलती है. उन्होंने आश्वस्त किया कि राजस्व से संबंधित लंबित मामलों का निस्तारण नियमानुसार शीघ्र किया जाएगा. सड़कों और पेयजल की समस्याओं पर भी प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी. बैठक में उप विकास आयुक्त सहित जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी उपस्थित थे.

राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में जया ने जीता कांस्य पदक

शुभम संदेश। पाकुड़

जम्मू-कश्मीर में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2025-26 में पाकुड़ जिले की प्रतिभाशाली खिलाड़ी जया कुमारी साह ने ताइक्वांडो के बालिका वर्ग (आयु 19 वर्ष, भार वर्ग 49 किग्रा) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया है. जया ने झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए यह उपलब्धि हासिल की. उपायुक्त मनीष कुमार ने जया को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह गौरवपूर्ण सफलता न केवल जिले के लिए सम्मान की बात है, बल्कि उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत भी है. उन्होंने जया के कोच, शिक्षकों और परिवार को भी बधाई दी. जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक ने भी जया कुमारी साह को राष्ट्रीय स्तर पर मिले इस सम्मान पर शुभकामनाएँ दीं. उन्होंने कहा कि जया की यह उपलब्धि जिले में संचालित खेल प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की सफलता और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है. यह सफलता अन्य विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी. जया की इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों, विद्यालय परिवार और खेल विभाग में उत्साह का माहौल है. जिला प्रशासन ने इसे पाकुड़ के लिए गौरव का क्षण बताया है.

पाइपलाइन कार्य से शहर की सुंदरता प्रभावित, लापरवाही पर उठे सवाल

सुजीत कुमार

पाकुड़। राजमहल योजना के तहत चल रहे सप्लाई वॉटर पाइपलाइन बिछाने का कार्य शहर के सौंदर्यकरण पर भारी पड़ रहा है. सरकार जहां लोगों को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए योजनाओं को जमीन पर उतार रही है, वहीं पाइपलाइन बिछाने वाली कंपनियों की लापरवाही से शहर का स्वरूप लगातार बिगड़ता जा रहा है. हेमलाल पेट्रोल पंप मोड़ के पास हाल ही में सौंदर्यकरण के तहत लगाए गए पेवर ब्लॉकों को पाइपलाइन कंपनी ने खोदकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया. वहीं, डीएवी मोड़ पर सड़क काटकर पाइपलाइन का काम तो पूरा कर दिया गया, लेकिन खोदी गई मिट्टी को सड़क पर ही छोड़ दिया गया है. यह मिट्टी अब मानव स्पीड ब्रेकर बन चुकी है, जिससे स्कूली बच्चों और आम राहगीरों को काफी परेशानी हो रही है. तेज रफ्तार वाहनों के गुजरने पर उड़ने वाली धूल राहगीरों की आंखों में जा रही है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है. लाखों रुपये की लागत से बिछाए गए पेवर ब्लॉक बार-बार कंपनियों की खुदाई के कारण नष्ट हो रहे हैं. सवाल यह है कि सौंदर्यकरण का काम पूरा होने से पहले पाइपलाइन बिछाने का कार्य क्यों नहीं किया गया? विभागीय समन्वय की कमी और कंपनियों की अनियमितता सीधे तौर पर सरकारी खर्च को नुकसान पहुंचा रही है. सूत्रों के मुताबिक, बिना उचित एनओसी के कभी टेलीकॉम कंपनियां तो कभी पाइपलाइन एजेंसियां मनमाने तरीके से सड़क खोद रही हैं. इससे जिला प्रशासन द्वारा किए गए सौंदर्यकरण कार्य को बार-बार नुकसान पहुंच रहा है और शहर की छवि प्रभावित हो रही है. अब आवश्यकता है कि प्रशासन इस मामले में तुरंत संज्ञान ले. सभी संबंधित विभाग संयुक्त रूप से बैठक कर यह सुनिश्चित करें कि एक ही सड़क को बार-बार न खोदा जाए. साथ ही, जिम्मेदार एजेंसियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि शहर की सुंदरता और जनता की सुविधा के साथ खिलवाड़ न हो सके.

उपायुक्त ने की समाज कल्याण योजनाओं की समीक्षा

आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण समय से करें : डीसी

खास बात

- छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण, आवास, अत्याचार अनुदान पर चर्चा

शुभम संदेश। साहिबगंज

उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में समाज कल्याण एवं कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई. जिले में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी केंद्रों का निर्माण निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर विभाग को हैंडओवर सुनिश्चित किया जाए. साथ ही, आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका की नियुक्ति प्रक्रिया को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए. बैठक में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, पोषण ट्रैकर ऐप, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, कन्यादान योजना सहित आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन एवं सेवा वितरण से जुड़े बिंदुओं पर भी विस्तृत समीक्षा की गई. कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना, साइकिल वितरण योजना, अत्याचार अनुदान, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, बिरसा मुंडा आवास योजना, जाहेरस्थान व कब्रिस्तान की घेराबंदी, धुमकुड़िया हाउस, मांझी थान, शहीद ग्राम विकास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, एमपीसी तथा पीएम-एगी योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, कार्यपालक अभियंता प्रमोद आनंद, बाल विकास परियोजना अधिकारी सहित महिला पर्यवेक्षिकाएँ उपस्थित रहीं.

कराम पर्व पर दो दिवसीय काढ़ा लड़ाई प्रतियोगिता आयोजित

ललमटिया। कराम पर्व के अवसर पर फूलवडिया खेल मैदान में दो दिवसीय मेले का आयोजन किया गया. मेले का मुख्य आकर्षण काढ़ा लड़ाई प्रतियोगिता रहा. गुरुवार से आरंभ हुए इस मेले का आयोजन फूलवडिया क्लब द्वारा किया गया है. दो दिनों तक चलने वाले मेले में सबसे अधिक भीड़ काढ़ा लड़ाई प्रतियोगिता को लेकर देखी गई, जिसमें दर्जनों काढ़ा खिलाड़ियों ने भाग लिया. काढ़ा लड़ाई प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन क्लब के अध्यक्ष शिवलाल हांसदा ने फीता काटकर किया. उद्घाटन मुकाबले में ग्राम फूलवडिया और ग्राम पियाराम के ग्रामीणों ने अपने-अपने काढ़ा मैदान में उतारे. प्रतियोगिता के कमेंटेटर प्रीतिप हांसदा थे. प्रतियोगिता में विजेता टीम को 50 हजार रुपये, उपविजेता टीम को 40 हजार रुपये, तृतीय स्थान को 10 हजार रुपये तथा चौथे स्थान पर आने वाली टीम को भी 10 हजार रुपये नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा.

न्यूज अपडेट

सूरज हत्याकांड का उद्भेदन नहीं, लोगों ने दिया धरना

बोकारो (शुभम संदेश)। नावाडीह थाना क्षेत्र के बाराडीह निवासी शशि भूषण महतो के पुत्र सूरज कुमार पटेल हत्याकांड का उद्भेदन करने में असफल नावाडीह पुलिस प्रशासन के खिलाफ गुरुवार को बाराडीह के ग्रामीणों ने नावाडीह थाना मोड़ में धरना प्रदर्शन किया. हत्याकांड को लेकर तीन महीने बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा मामले की छानबीन कर अपराधियों का खुलासा न किए जाने पर ग्रामीणों ने अपना क्षोभ व्यक्त किया और नावाडीह पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए. इस दौरान प्रदर्शनकारी हाथ में तख्तियां लेकर हत्याकांड का शीघ्र उद्भेदन कर अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे. ज्ञात हो कि विगत 20 अगस्त की शाम को प्रतिमा विसर्जन के बाद मृतक सूरज कुमार अपने घर नहीं लौटे. उनके परिजनों ने आस-पास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन सुबह दूसरे दिन भी उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क नहीं हो पाया. इसके बाद नावाडीह थाना में उनके लापता होने की रपट दर्ज कराई गई. 22 अगस्त को दोपहर बाद लापता सूरज कुमार की लाश बाराडीह गांव के टंडा बारी ईंट भट्ठा के समीप झाड़ी में मिली. पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम करवाया और मामले की छानबीन शुरू की. लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि तीन महीने गुजर जाने के बावजूद पुलिस प्रशासन द्वारा इस कांड का न तो खुलासा हो पाया और न ही अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है.

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 47 यूनिट रक्त संग्रह

गोड्डा (शुभम संदेश)। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में समाहरणालय सभागार और सदर अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में कुल 47 यूनिट रक्त स्वैच्छिक रूप से दान किया गया. विभिन्न विभागों के कई अधिकारी और समाहरणालय संवर्ग के कर्मियों ने इस अवसर पर रक्तदान किया. इस मौके पर उपायुक्त ने आमजनों से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान समाज और मानवता के प्रति एक बड़ी सेवा है. उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा दिया गया रक्त कई जिंदगियों को बचा सकता है. स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में समाहरणालय सभागार में 29 यूनिट और सदर अस्पताल गोड्डा में 18 यूनिट रक्त बैंक गोड्डा की टीम द्वारा संग्रह किया गया. कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त दीपक कुमार दूबे, अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, सिविल सर्जन डॉ. एस.सी. शर्मा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रितेश जयसवाल, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश कुमार पूर्णेन्दु, जिला कोषागार पदाधिकारी विजय मिश्रा, सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी अभय कुमार झा, जिला योजना पदाधिकारी फैजान सरवर, समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण, डीएमएफटी की टीम और स्वास्थ्य विभाग के कर्मी उपस्थित थे.

सड़क निर्माण में अनियमितता का ग्रामीणों ने किया विरोध

बोकारो (शुभम संदेश)। नावाडीह प्रखंड अंतर्गत पोटसो पंचायत के भवानी गांव में नंदलाल महतो के घर से प्राथमिक विद्यालय खूंटा तक मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रही सड़क में संवेदक द्वारा अनियमितता बरते जाने का आरोप लगा है. इसी को लेकर ग्रामीण निर्माण स्थल पर पहुंचे और कामगारों से कहा कि सिड्यूल के अनुसार ही निर्माण कार्य किया जाए. ऐसा नहीं होने पर ग्रामीणों ने काम रुकवा दिया और चेतावनी दी कि वे जिला प्रशासन को इसकी लिखित शिकायत करेंगे. इस संबंध में ठीकेदार से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण के लिए अभी केवल डस्ट और मेटल गिराया जा रहा है. पीसीसी की ढलाई अभी शुरू नहीं हुई है. उन्होंने कहा कि जब पीसीसी ढलाई शुरू होगी तो वह नियम के मुताबिक और अधिकारियों की देखरेख में ही की जाएगी. मौके पर स्थानीय मुखिया उमेश महतो, पंसस पति महतो, ग्रामीण ईश्वर महतो, रामेश्वर महतो, मेघलाल तुरी, जीतन तुरी, दिलीप कुमार महतो सहित कई ग्रामीण मौजूद थे.

नहीं रहे फुटपाथ दुकानदारों के नेता रामू भाई

बोकारो (शुभम संदेश)। सेक्टर-12 निवासी, बोकारो जिला दुकानदार संघ के महासचिव एवं समाजसेवी रामजन्म कुशवाहा उर्फ़ रामू भाई का बुधवार देर रात लगभग 1 बजे रांची के एक अस्पताल में हृदयाघात से निधन हो गया. उनकी उम्र लगभग 55 वर्ष थी. वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए. ज्ञात हो कि रामू भाई फुटपाथ दुकानदारों की आवाज माने जाते थे. उन्होंने हमेशा दुकानदारों के हक और अधिकार के लिए संघर्ष किया और समाजिक कार्यों में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा. बीमारी बढ़ने पर परिवार के लोग उन्हें इलाज के लिए रांची ले गए थे, जहां उपचार के दौरान उनका निधन हो गया. गुरुवार शाम जब उनका पार्थिव शरीर सेक्टर-12 लाया गया, तो परिवार और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई. उनका अंतिम संस्कार उत्तर प्रदेश के देवरिया स्थित पैतृक गांव में किया जाएगा. उनके निधन पर दुकानदार संघ के अध्यक्ष हाजी इरशाद अहमद खान, कोषाध्यक्ष निक्कू सिंह, उपाध्यक्ष नागेंद्र गुप्ता, लालू सिंह, एनुअल, कुंदन कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों, संगठनों, व्यवसायी समुदाय और अन्य गणमान्य लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है.

कानूनी सहायता व जागरुकता शिविर आयोजित

पाकुड़ (शुभम संदेश)। झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पाकुड़ के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष शेषनाथ सिंह के निर्देश पर तथा सचिव रूपा बंदना किरो के मार्गदर्शन में पाकुड़िया प्रखंड के खाक्सा पंचायत भवन में चलंत लोक अदालत सह विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में लीगल एवं डिफेंस काउंसिल सिस्टम के सहायक गंगाराम टुडू ने लोगों को कानून से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं. उन्होंने नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति सशक्त बनाने, कानून को सरल भाषा में समझाने तथा कानूनी प्रक्रियाओं में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया. जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई. शिविर में बाल विवाह रोकथाम, विवाह की सही उम्र, बाल विवाह से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक नुकसान और शिक्षा से वंचित होने जैसे पहलुओं पर जागरूक किया गया. साथ ही बाल श्रम को अपराध बताते हुए इसके तहत मिलने वाली सजा और नुकसान के बारे में बताया गया.

धान खरीद पर किसानों को मिलेगी एकमुश्त राशि

पाकुड़ (शुभम संदेश)। राज्य सरकार ने धान खरीद को लेकर बड़ा निर्णय लेते हुए किसानों को राहत दी है. अब धान बिक्री की पूरी राशि एकमुश्त किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी. पहले यह भुगतान दो किस्तों में किया जाता था, जिसमें दूसरी किस्त में देरी होने से किसानों को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता था. नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसानों को तुरंत भुगतान मिलेगा और खरीफ सीजन में उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी. जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि एकमुश्त भुगतान प्रणाली किसानों के हित में एक ऐतिहासिक कदम है. इससे भुगतान में देरी पूरी तरह समाप्त हो जाएगी और किसानों को धान का मूल्य समय पर मिल सकेगा. जिले के सभी लम्प्स और खरीद केंद्रों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं. पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाने के लिए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली गई हैं.

डीपीएस को मलेशिया में एंटरप्राइज ऑफ द ईयर अवार्ड

बोकारो (शुभम संदेश)। डीपीएस बोकारो ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का गौरव बढ़ाया है. कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित ग्लोबल लीडर्स अवार्ड्स कॉन्क्लेव एंड समिट 2025 में विद्यालय को एजुकेशन, ट्रेनिंग एंड जॉब्स—एंटरप्राइज ऑफ द ईयर का खिताब मिला. यह पुरस्कार विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने ग्रहण किया. कार्यक्रम में भारत तथा विदेशों के कई गणमान्यजन शामिल थे. दुनिया भर से चुने गए 38 विजेताओं में शिक्षा क्षेत्र से केवल छह संस्थान चुने गए थे, जिनमें झारखंड से डीपीएस बोकारो एकमात्र स्कूल रहा. विद्यालय में इस उपलब्धि की घोषणा होते ही विशेष सभा में उत्साह छा गया. प्राचार्य डॉ. गंगवार ने इस सम्मान को विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया. उनके नेतृत्व में विद्यालय ने शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में कई नई उपलब्धियां प्राप्त की हैं.

योजनाओं की समीक्षा में उपायुक्त ने दिए निर्देश

दुमका (शुभम संदेश)। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, आवासीय विद्यालयों, छात्रावासों एवं अस्पतालों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई. उपायुक्त ने कल्याण आवासीय विद्यालयों के मरम्मती एवं जीर्णोद्धार कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. कड़हरबिल स्थित कल्याण विद्यालय में चहारदीवारी निर्माण, लैब, सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापन आदि कार्यों की जानकारी ली और सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया. बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 15 कल्याण आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जिनमें 3 विद्यालय जिला कल्याण एवं 12 विद्यालय पहड़िया कल्याण के अंतर्गत आते हैं. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, छात्रावास प्रबंधन आदि की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए. साथ ही नव-निर्मित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने को कहा. बैठक में यह भी बताया गया कि जिले में काठीकुंड एवं गांदो में 2 ग्रामीण कल्याण अस्पताल संचालित हैं. उपायुक्त ने इन अस्पतालों का निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.

मंथन

नीतीश कुमार को युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाने ही होंगे

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना बड़ी चुनौती बन गया है. बिहार में युवाओं की संख्या बहुत अधिक है, लेकिन रोजगार के अवसर सीमित हैं. इसके कारण बेरोजगारी की समस्या लगातार बढ़ रही है और युवा वर्ग का भविष्य असुरक्षित महसूस कर रहा है.राज्य में कृषि, शिक्षा और सेवा क्षेत्र में रोजगार के अवसर मौजूद हैं, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं. अधिकांश युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी अपने पेशे के अनुसार काम नहीं पा रहे हैं. इसके अलावा, कोरोना महामारी और आर्थिक मंदी ने रोजगार की स्थिति और कठिन बना दी है. बेरोजगारी का असर सामाजिक असंतोष और अपराध दर पर भी दिख रहा है.नीतीश सरकार को चाहिए कि वह युवाओं के लिए नई नीतियां बनाए और रोजगार के अवसरों को बढ़ाए. इसके लिए तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है. निजी क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने, स्टार्टअप को बढ़ावा देने और छोटे उद्योगों को सहायता देने से रोजगार सृजन में मदद मिल सकती है. इसके अलावा, राज्य सरकार को कृषि और ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक अपनानी होगी.युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों की संख्या सीमित है, इसलिए निजी क्षेत्र में अवसर बढ़ाना अनिवार्य है. इसके लिए निवेशकों को बिहार में आने के लिए प्रोत्साहित करना होगा. डिजिटल और तकनीकी क्षेत्रों में नए रोजगार सृजन की संभावनाएं हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है.अगर नीतीश कुमार और उनकी सरकार समय रहते उचित कदम उठाती हैं, तो बिहार के युवा रोजगार के नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो सकती है. युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार के क्षेत्र में ठोस कदम उठाना आज की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई है.

नजरिया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी अब सोचने की जरूरत है

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सामने देश और पार्टी की राजनीति को लेकर महत्वपूर्ण सोचने का समय आ गया है. हाल के चुनावों और राजनीतिक घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय जनता के बीच उनकी और कांग्रेस की स्थिति चुनौतीपूर्ण हो गई है. पार्टी को लगातार कमजोर होते राज्यों में अपनी पकड़ बनाए रखने और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के रूप में मजबूत बने रहने के लिए नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है.राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि राहुल गांधी को अब केवल बयानबाजी या विरोध करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए. उन्हें युवाओं, मध्यम वर्ग और ग्रामीण क्षेत्रों के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान देना होगा. इसके अलावा, कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक सुधार भी अनिवार्य हैं. राज्य स्तर पर मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट रणनीति के बिना पार्टी राष्ट्रीय राजनीति में प्रभावी नहीं रह सकती. राहुल गांधी को अपने सहयोगियों के साथ मिलकर पार्टी की छवि को आधुनिक और जनता के करीब बनाने पर काम करना होगा.युवा मतदाताओं और शहरों के प्रभावशाली हिस्सों को आकर्षित करने के लिए कांग्रेस को नए संवाद, डिजिटल रणनीतियों और ग्रासरुट स्तर पर काम करने की आवश्यकता है. अगर राहुल गांधी सही दिशा में कदम उठाते हैं, तो कांग्रेस न केवल अपनी खोई हुई जमीन को वापस पा सकती है, बल्कि भविष्य के चुनावों में भी मजबूत भूमिका निभा सकती है.सत्ता और राजनीति के इस बदलते दौर में राहुल गांधी के लिए अब सोचना, समझना और नए तरीकों से काम करना आवश्यक हो गया है.

भारत में सामाजिक सुरक्षा का विस्तार

अरविंद जयतिलक

भारत में सामाजिक सुरक्षा का लगातार विस्तार हो रहा है. एक आंकड़े के मुताबिक मौजूदा समय में भारत में तकरीबन 95 करोड़ से अधिक लोग सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ गए हैं. ये आंक रेखांकित करते हैं कि सामाजिक सुरक्षा के संदर्भ में भारत चीन के बाद दूसरे नंबर है. 2015 में भारत में सोशल सिक्योरिटी कवरेज महज 19 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 64.3 प्रतिशत हो गया है. आईएलओ का कहना है कि दुनिया भर में सबसे तेज सामाजिक सुरक्षा दायरे का विस्तार भारत में हुआ है. यह स्थिति भारत के लिए बेहद उत्साहजनक और गर्वान्वित करने वाली है. गौर करें तो सामाजिक सुरक्षा वैश्वीकरण और उसके कारण होने वाले संरचनात्मक और तकनीकी परिवर्तनों से उपजी चुनौतियों से निपटने में अधिक सकारात्मक रवैए के निर्माण में सहायता प्रदान करती है. सामाजिक सुरक्षा में यह परिकल्पना की जाती है कि नागरिकों को सभी प्रकार के सामाजिक जोखिमों से रक्षा की जाएगी, जो उनकी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति में अनावश्यक मुश्किलें उत्पन करती हैं. यह सच्चाई है कि कामगारों के पास बीमारी, दुर्घटना, वृद्धावस्था, रोग और बेरोजगार आदि के कारण उत्पन्न जोखिमों का सामना करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं होता है और संकट के समय में उनकी सहायता करने के लिए जीविका का वैकल्पिक साधन का अभाव होता है. इसलिए कामगारों को सामाजिक सुरक्षा देना राज्य का दायित्व है.

भारतीय संदर्भ में सामाजिक सुरक्षा एक समग्र अधिगम है, जिसका निर्माण व्यक्ति को आर्थिक अभाव से बचाने और व्यक्ति के खुद के लिए तथा उसके आश्रितों के लिए, उन्हें आर्थिक अनिश्चितता की स्थिति से बचाने हेतु एक न्यूनतम आय की सुनिश्चितता के लिए किया गया है. राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के तहत अनुच्छेद 41 में कार्य के अधिकार शिक्षा और कुछ मामलों में सार्वजनिक सहायता की व्यवस्था की गयी है. अनुच्छेद 42 में कार्य की उचित और मानवीय परिस्थिति और मातृत्व राहत की व्यवस्था की गयी है. भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में भी सामाजिक सुरक्षा और बीमा, रोजगार और बेरोजगार, कार्य परिस्थिति, भविष्यनिधियां, नियोक्ताओं का दायित्व, कर्मगारों की क्षतिपूर्ति अवैधता, श्रम कल्याण, वृद्धावस्था पेंशन और मातृत्व लाभ का उल्लेख है.

2015 में भारत में सोशल सिक्योरिटी कवरेज महज 19 प्रतिशत था

भारत में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एक सामाजिक सुरक्षा प्रभाग की स्थापना की है, जो कामगार सामाजिक सुरक्षा से संबंधित सभी कानूनों के प्रशासन के लिए सामाजिक सुरक्षा नीति एवं योजनाएं बनाने और क्रियान्वित करने का कार्य करता है. भारत में ढेरों सामाजिक सुरक्षा कानून लागू हैं, मसलन कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (ईएसआई एक्ट), कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 (डब्लयूसी एक्ट), कर्मचारी भविष्यनिधि और विविध प्रावधान अधिनियम 1952 (ईपीडीएंडएमपी एक्ट), प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम 1961 (एमबी एक्ट), ग्रैच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 (पीजी एक्ट), वैयक्ति क्षति (आपात उपलब्ध) अधिनियम 1962, वैयक्तिक क्षति (प्रतिकर बीमा) अधिनियम 1963 और नियोजक दायित्व अधिनियम 1938 इत्यादि. सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आज देश में पोषण सुरक्षा की देखभाल राष्ट्रीय तैयार मध्याह्न भोजन कार्यक्रम, समन्वित बाल विकास योजना, किशोरी शक्ति योजना, किशोर लड़कियों के लिए पोषण कार्यक्रम और प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना चलायी जा रही है. राष्ट्रीय तैयार मध्याह्न भोजन कार्यक्रम लगभग पूरे भारत में चल रहा है. समन्वित बाल विकास योजना का विस्तार भी चरणबद्ध ढंग से हो रहा है. 11 से 18 वर्ष तक की उम्र की लड़कियों के पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी विकास के लिए सरकार ने किशोरी शक्ति विकास योजना को हर जगह लागू कर दिया है. इस अधिनियम के तहत कोई भी वयस्क व्यक्ति जो न्यूनतम मजदूरी पर आकस्मिक श्रम करने के लिए इच्छुक है, वह 15 दिनों के अंदर स्थानीय जनकार्य में रोजगार पाने के लिए पात्र होगा. इसके अंतर्गत लोगों को वर्ष में उसके निवास से एक किमी के भीतर 100 दिनों का काम दिए जाने का प्रावधान लागू किया गया है. सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अंत्योदय अन्य योजना का दायरा बढ़ा दिया गया है. राज्यों के अंतर्गत लक्षित जन वितरण प्रणाली के तहत पहचान किए गए गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों में से, अत्यंत ही गरीब परिवारों की पहचान करने का कार्य अंत्योदय योजना के तहत किया गया है. इन परिवारों को गेहूं और चावल दिया जाता है. सामाजिक सुरक्षा के तहत रोजगार सृजन और गरीबी उन्मूलन रणनीति के तहत सरकार द्वारा स्वरोजगार योजना और दिहाड़ी रोजगार योजना चलाया जा रहा है. खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग को संशोधित कर लघु एवं ग्रामीण उद्योगों के जरिए ज्यादा से ज्यादा रोजगार सृजन करने के लिए सुनिश्चित किया गया है. असंगठित क्षेत्र को सामाजिक सुरक्षा से लैस करने के लिए राष्ट्रीय उद्यम आयोग की स्थापना एक पारदर्शी निकाय के रुप में की गयी है. सामाजिक सुरक्षा के तहत भारत सरकार ने राष्ट्रीय आवास नीति 1992 संसद में प्रस्तुत की. अगस्त 1994 में संसद ने इसका अनुमोदन कर दिया. राष्ट्रीय आवास नीति का प्रमुख लक्ष्य आवासहीन व्यक्तियों, विस्थापितों, निराश्रित महिलाओं, अनुसूचित जनजातियों और आर्थिक रुप से कमजोर व्यक्तियों को आवास उपलब्ध कराने के लिए वातावरण निर्मित करना तथा सुविधाएं उपलब्ध कराना है. वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा 4 करोड़ से अधिक लोगों को आवास उपलब्ध कराया गया है. आने वाले दिनों में 3 करोड़ और आवास निर्मित करने का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है. सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा असंगठित ग्रुप बीमा योजना, वन बंधु कल्याण योजना, अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास योजना, विकलांगों के लिए योजना, जनश्री बीमा योजना, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना और राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजन चलायी जा रही हैं. सामाजिक सुरक्षा के तहत ही समाज के कमजोर वर्गों को कानूनी सहायता देने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का गठन किया गया है. सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना शुभारंभ की है जिसका उद्देश्य लाभकारी योजनाओं तक निर्धनों और सीमांत लोगों को पहुंचने में सक्षम बनाना है. लोगों का स्वास्थ्य रहे इसके लिए सरकार आयुष्मान योजना को लागू की है जो गरीबों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है. निश्चित रुप से सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से सामाजिक सुरक्षा मजबूत हुई है.

आज का इतिहास

1877 : वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने विश्व के सामने पहला फोनोग्राफ पेश किया.
1906 : चीन ने अफीम के व्यापार पर रोक लगाई.
1921 : प्रिंस ऑफ वेल्स (सम्राट एडवर्ड अष्टम) मुंबई पहुंचे और कांग्रेस ने देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया.
1947 : आजादी के बाद देश में पहली बार डाक टिकट जारी किया गया.
1956 : एक प्रस्ताव लाकर शिक्षक दिवस को स्वीकृति दी गई थी.
1962 : भारत-चीन सीमा विवाद के दौरान चीन ने संघर्षविराम का ऐलान किया.
1963 : केरल के थुंबा क्षेत्र से रॉकेट छोड़े जाने के साथ ही भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरु हुआ.
1979 : मक्का में काबा मस्जिद पर मुस्लिम उग्रवादियों का अधिकार.
1986 : मध्य अफ्रीकी गणराज्य ने संविधान अंगीकार किया.

बुरे का परिणाम बुरा ही होता है

चिंतन

एक बार राजा भोज की सभा में एक व्यापारी आया. राजा ने उसे देखा तो उनके मन में आया कि इस व्यापारी का सबकुछ छीन लिया जाना चाहिए. व्यापारी के जाने के बाद राजा ने सोचा-मै प्रजा को हमेशा न्याय देता हूं. आज मेरे मन में यह अन्याय पूर्ण भाव क्यों आ गया कि व्यापारी की संपत्ति छीन ली जाए? राजा ने मंत्री से सवाल किया. मंत्री ने कहा, इसका जवाब कुछ दिन बाद दे पाऊंगा. मंत्री बुद्धिमान था. वह सीधा व्यापारी से मिलने पहूंचा. व्यापारी से दोस्ती करके उसने पूछा, तुम चिंतित व दुखी क्या हो? तुम तो भारी मुनाफे वाला चंदन का व्यापार करते हो.व्यापारी बोला, मैं कई नगरों में चंदन की गाडियां भरे फिर रहा हूं, पर इस बार बिक्री ही नहीं हुई. बहुत सारा धन इसमें फंसा पडा है. अब नुकसान से बचने का कोई उपाय नहीं है. मंत्री ने पूछा, क्या अब कोई भी रास्ता नही बचा है?

व्यापारी हंस कर कहने लगा अगर राजा भोज की मृत्यु हो जाए तो उनके दाह-संस्कार के लिए सारा चंदन बिक सकता है. मंत्री को राजा का उत्तर मिल चुका थी. अगले दिन मंत्री ने व्यापारी से कहा कि, तुम रोज राजा का भोजन पकाने के लिए एक मन चंदन दे दिया करो और नगद पैसे उसी समय ले लिया करो. व्यापारी खुश हुआ. वह राजा की लंबी उम्र होने की कामना करने लगा.एक दिन व्यापारी फिर राजा को वहां दिखाई दे गया. तो राजा सोचने लगा यह कितना आकर्षक व्यक्ति है इसे क्या पुरस्कार दिया जाये? राजा ने मंत्री पूछा, मंत्रीवर, यह व्यापारी जब पहली बार आया था तब मैंने तुमसे कुछ पूछा था, उसका उत्तर तुमने नहीं दिया. खैर, आज मैंने इसे देखा तो मेरे मन का भाव बदल गया. आज मैं खुश हूं और इसे इनाम देना चाहता हूं. मंत्री बोला- महाराज! आपके प्रश्नों का उत्तर दे रहा हूं. जब यह पहले आया था तब चंदन का ढेर बेंचने के लिए आपकी मौत के बारे में सोच रहा था. लेकिन अब यह रोज आपके भोजन के लिए चंदन देता है इसलिए अब ये आपके लंबे जीवन की कामना करता है. यही कारण है कि पहले आप इसे दंडित करना चाहते थे और अब इनाम देना चाहते हैं.

मित्रों, अपनी जैसी भावना होती है वैसा ही प्रतिबिंब दूसरे के मन पर पड़ने लगता है. हमारी जैसी सोच होगी वैसे ही लोग हमें मिलेंगे. यहीं जगत का नियम है- हम जैसा बोते हैं वैसा काटते हैं. हम जैसा दूसरों के लिए भाव रखते हैं वैसा ही भाव दूसरों के मन में हमारे प्रति होता है.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #NitishKumar 19K
2. #BiharCM
3. #BiharCM
4. नीतीश कुमार 36K
5. #AllHerFaultOnJioHotstar
6. #Agni4IsHere
7. गांधी मैदान
8. बिहार सरकार 13K
9. Hobi 29K
10. Chief Minister of Bihar

बहुरंग

फिल्म सैयारा में नजर आएंगे बालासाहेब के पोते ऐश्वर्य

'सैयारा' एक्टर अहान पांडे अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं. इसका निर्देशन अली अब्बास जफर कर रहे हैं. खबर है कि इस फिल्म में शिवसेना के संस्थापक रहे बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे भी नजर आनेवाले हैं. इसमें वो नेगेटिव रोल में हैं. पिछले कुछ समय से ऐश्वर्य ठाकरे लगातार चर्चा में रहे हैं. हाल ही में अनुराग कश्यप की 'निशांची' में उनके प्रदर्शन ने उनके टैलेट को साबित किया, जहां उन्हें सराहना और प्यार मिला. इस फिल्म में वो 'सैयारा' स्टार अहान पांडे के साथ भिड़ते और खूनी खेल खेलते दिखेंगे. इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है क्योंकि उनपर 'सैयारा' के हीरो अहान पांडे का खुमार अब तक चढ़ा हुआ है. अनीत पड्डा के साथ अहान की जोड़ी ने इंडस्ट्री के नए टैलेंट के तौर पर बड़े पर्दे पर खूब धमाल मचाया और लोगों ने उनपर उतना ही प्यार बरसाया. अली अब्बास जफर 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. ऐसा कहा जा रहा है कि अहान और ऐश्वर्य का मुकाबला बड़े पर्दे पर काफी तीखे, विस्फोटक एक्शन क्लाइमैक्स के रूप में फिल्माया जाएगा. यह एक भव्य फिल्म हो सकती है जिसमें कहानी के मुख्य हिस्सा रोमांस और वहीं दूसरी तरफ जबरदस्त एक्शन सीन दर्शकों को चौंका सकते हैं और साथ ही रोमांचित भी कर सकते हैं.

पंकज त्रिपाठी की 'परफेक्ट फेमिली' का ट्रेलर रिलीज

अभिनेता से निर्माता बने पंकज त्रिपाठी की कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' का ट्रेलर अब रिलीज़ हो चुका है. 8 एपिसोड वाली इस सीरीज में नेहा धूपिया, गुलशन देवैया, मनोज पहवा, सीमा पहवा और गिरिजा ओक जैसे कलाकार नज़र आने वाले हैं. इसका निर्माण अजय राय और मोहित छब्बा ने संयुक्त रूप से किया है. करीब 2 मिनट 48 सेकंड लंबे ट्रेलर में ह्यूमर के साथ गहरी भावनाओं और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता का मेल देखने को मिलता है. परफेक्ट फैमिली' का ट्रेलर जार पिक्चर्स के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है. कहानी कर्करिया परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अपनी छोटी पोती से जुड़े एक वाकये के बाद थेरेपी की राह अपनानी पड़ती है. इसे भारत की पहली लॉन्च-फॉर्म वेब सीरीज बताया जा रहा है, जिसका प्रीमियर 27 नवंबर को सीधे यूट्यूब पर होगा. शुरुआती दो एपिसोड दर्शकों के लिए मुफ्त उपलब्ध होंगे, जबकि बाकी एपिसोड देखने के लिए 59 रुपये का भुगतान करना होगा. निर्माण क्षेत्र में कदम रखने को लेकर पंकज त्रिपाठी ने अपनी भावनाएं शेयर कीं. उन्होंने कहा कि 'परफेक्ट फैमिली' उनके दिल के बेहद करीब है. उन्होंने यूट्यूब रिलीज़ के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि यह प्लेटफॉर्म अब बड़े और क्वालिटी कंटेंट के लिए शानदार जगह बन चुका है. उनके मुताबिक डिजिटल रिलीज़ मॉडल नए दौर की जरूरत है. गौरतलब है कि आमिर खान की फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' भी इसी तरह सीधे यूट्यूब पर उतारी गई थी.

दूसरी बार मां बनेंगी सोनम कपूर

इसी साल अक्टूबर में अभिनेत्री सोनम कपूर की दूसरी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चाओं ने खूब जोर पकड़ा था. लंबे समय तक अटकलों के बीच अब खुद सोनम ने सोशल मीडिया पर यह पुष्टि कर दी है कि वह और पति आनंद आहूजा अपने परिवार में एक और नन्हे मेहमान का स्वागत करने वाले हैं. अभिनेत्री ने यह खबर बेहद स्टाइलिश तस्वीरों के साथ शेयर की है. काफी समय तक सस्पेंस बनाए रखने के बाद सोनम कपूर ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर अपनी प्रेग्नेंसी को ऑफिशियल कर दिया. उन्होंने पिंक आउटफिट में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फोटोशूट शेयर किया. तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने सिर्फ लिखा,₹मां.₹ उनका ये पोस्ट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गया. कई सितारों ने उन्हें बधाइयां दीं. सोनम और आनंद ने 2022 में अपने पहले बच्चे वायु का स्वागत किया था. अब 40 की उम्र में सोनम दोबारा मां बनने जा रही हैं. कपूर और आहूजा परिवार में खुशी का माहौल है और सभी नए मेहमान के आने का इंतजार कर रहे हैं. खुद सोनम की पुष्टि के बाद फैंस भी बेहद उत्साहित हैं. कई सालों की रिलेशनशिप के बाद मई 2018 में दोनों ने शादी की थी. इन दोनों की पहली मुलाकात प्रेम रतन धन पायो के प्रमोशन्स के दौरान हुई थी, जिसका ज़िक्र सोनम ने अपने इंस्टाग्राम लाइव में किया था. 2014 में पहली मुलाकात के बाद वे फेसबुक पर जुड़े, बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई. सोनम कपूर पिछली बार 2023 में रिलीज़ हुई 'ब्लाइंड' में नजर आई थीं. अपने पहले बच्चे के बाद वह फिल्मों से कुछ समय के लिए दूर रहीं. वह अक्सर आनंद के साथ लंदन, दिल्ली और मुंबई के बीच आती-जाती रहती हैं. सोनम ने 2007 में रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'सांवरिया' से डेब्यू किया था और फिर 'दिल्ली 6', 'रांझणा', 'नीरजा' और 'वीरे दी वेडिंग' जैसी सफल फिल्में कीं.

फिल्म राहु-केतु का शानदार टीजर रिलीज

बॉलीवुड के फुकरे फेम पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा एक बार फिर दर्शकों को हंसी का डोज़ देने लौट आए हैं. हाल ही में उनकी नई फिल्म 'राहु केतु' का ऐलान हुआ था, और अब इसका दमदार टीज़र भी सामने आ चुका है. इसमें अमित सियाल अहम किरदार में दिखाई देते हैं, जबकि फिल्म का निर्देशन और लेखन विपुल विग ने किया है. टीज़र से साफ है कि विपुल ने इस बार कहानी में गहरी नेगेटिविटी और अंधविश्वास के रंग भरे हैं, जो कॉमेडी के साथ एक दिलचस्प टोन सेट करते हैं. टीज़र की अवधि 1 मिनट 56 सेकंड है और इसे जी स्टूडियो के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है. इसमें पुलकित और वरुण द्वारा निभाए गए किरदारों के नाम राहु और केतु हैं, जिन्हें गांव वाले अशुभ मानते हैं. माना जाता है कि जिसकी जिंदगी में ये दोनों कदम रखते हैं, उसकी बदकिस्मती शुरू हो जाती है. इसी अंधविश्वास पर आधारित यह कॉमेडी कहानी आगे बढ़ती है, जहां दोनों किरदार अपनी छवि के कारण मज़ेदार और मुश्किल हालात में फंसते दिखेंगे.

टीज़र में दोनों की जोड़ी पुरानी कैमिस्ट्री और हल्के-फुल्के डायलॉग्स का तड़का देता है, जिससे यह साफ है कि फिल्म मनोरंजन से भरपूर रहने वाली है. फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और अमित सियाल के साथ फिल्म में शालिनी पांडे और चंकी पांडे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा. ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. शुभांक-1-4-6

वृष : महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें. कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे. किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा. जल्दबाजी में कोई भूल संभव है. कार्य भार बढ़ेगा. स्वविवेक से कार्य करें. कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा. समय व्ययकारी सिद्ध होगा. शुभांक-2-5-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा. अच्छे समय का इन्तजार करें. कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें. नैतिक दायरे में रहें. शुभांक-3-6-7

कर्क : सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें. रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें. शुभांक-4-6-8

सिंह : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम को प्राथमिकता से करें. आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है. कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा. शुभांक-5-8-9

कन्या : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं. अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे. अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे. निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा. बुरी संगति से बचें. सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी. वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है. शुभांक-4-7-9

तुला : पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. स्वास्थ्य पर ध्यान दें. शांतिपूर्वक कार्य करें. धार्मिक यात्रा का योग हैं. शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी. शुभांक-2-5-9

धनु : संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. शुभांक-4-6-8

मकर : मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी. शुभांक-3-5-7

कुंभ : स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. शुभांक-6-9-9

मीन : सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे. लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. शुभांक-3-6-7

न्यूज अपडेट

सोनपुर मेला में घुड़दौड़ की बदली तिथि

सारण। एशिया के सबसे बड़े पशु मेले के रूप में विख्यात सोनपुर मेला में अब इस वर्ष 23 नवंबर की जगह 21 नवंबर रोमांचक घुड़दौड़ का आयोजन होगा. जिला सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने यह जानकारी दी. जिसके लिए सारण जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं. सोनपुर मेला बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का भी प्रतीक है. वर्षों से, घुड़दौड़ इस मेले का एक अभिन्न और लोकप्रिय हिस्सा रहा है, जिला प्रशासन ने इस भव्य आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सुरक्षा, व्यवस्था और प्रतियोगियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया है. घुड़दौड़ स्थल पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने एवं दर्शकों की भीड़ को नियंत्रित करने और घोड़ों व सवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाएंगे. घुड़दौड़ में भाग लेने वाले घोड़ों के मालिक और कुशल घुड़सवार सोनपुर पहुंचने लगे हैं. यह प्रतियोगिता न केवल पुरस्कार राशि के लिए होती है, बल्कि यह प्रतिष्ठा और सम्मान का विषय भी होती है.

भागलपुर के सनोखर में जुगाड़ गाड़ी की टक्कर से युवक की मौत

भागलपुर। जिले के सन्हौला प्रखंड क्षेत्र स्थित सनोखर थाना क्षेत्र के धुआवै गांव के शिवाला मंदिर मोड़ के पास सोहायल गांव की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार जुगाड़ गाड़ी ने एक युवक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी. जिससे युवक की मौत घटना स्थल पर ही हो गई. मृतक की पहचान धुआवै गांव निवासी पिंकू सिंह के 22 वर्षीय पुत्र शुभम कुमार के रूप हुई है. बताया जा रहा है कि युवक चंडिका स्थान चौक से टहलते हुए अपना घर धुआवै जा रहा था. इसी दौरान मोड़ के पास सामने से जोरदार टक्कर मार दी. जिससे उसके सर में गंभीर रूप से चोट लग गई. कुछ देर तक युवक बीच सड़क पर तडपता रहा और दम तोड़ दिया. देर रात रात होने के वजह से किसी को घटना की जानकारी नहीं हो पाई. जुगाड़ गाड़ी को सड़क किनारे छोड़ कर जुगाड़ गाड़ी का चालक रात के अंधेरे का फायदा उठा कर फरार हो गया. जब किसी ग्रामीण की नजर बीच सड़क पर पड़े युवक पर पड़ी तो उसने शोर किया. इसके बाद मृतक के परिवार वालों को घटना की सूचना दी.

एनएमसीएच से फरार इनामी अपराधी वैशाली से गिरफ्तार

पटना। खुसरूपुर से गिरफ्तार 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी मिथुन कुमार मंगलवार सुबह नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल से पुलिसकर्मी और चौकीदार को धक्का देकर फरार हो गया था, जिससे अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए थे. मिथुन को पकड़ने के लिए पुलिस ने तुरंत कई टीमें गठित की और उसकी तलाश तेज कर दी. पुलिस को सूचना मिली कि वह वैशाली में छिपा हुआ है. सूचना के बाद टीम ने वहां छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया. तीन दिन पहले ही पुलिस ने उसे मुठभेड़ में पकड़ने की कोशिश की थी, जब हरदास बीघा स्टेशन रोड पर घेरने पर उसने पुलिस पर फायरिंग की थी. इस दौरान मिथुन को पैर में गोली लगी थी और इलाज के लिए उसे एनएमसीएच भर्ती कराया गया था. फरार होने के बाद कई उच्च अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की. पुलिस के अनुसार, मिथुन पटना और झारखंड में कई मामलों में वांटेड था और अपने साथियों के साथ किसी बड़ी वारदात की योजना बनाने की फिराक में था.

सीएम नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने ऐतिहासिक जनादेश से उत्साहित

बिहारवासियों का आभार जताया, शुभकामनाएं दीं

शुभम संदेश। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने गुरुवार को राज्यवासियों को ऐतिहासिक जनादेश के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने खासतौर पर महिला मतदाताओं की विशेष भागीदारी की सराहना की. इस अवसर पर उनके पिता नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. गांधी मैदान, पटना में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में निशांत कुमार ने कहा, "बिहार की जनता को आभार और शुभकामनाएं. मैं दिल से धन्यवाद देता हूं... जिस तरह लोगों ने काम किया, जिस तरह महिलाओं ने वोट दिया, उनकी विशेष भागीदारी बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है." 50 वर्षीय निशांत ने राजनीति में कदम रखने के सवाल पर मुस्कुराते हुए इस पर विस्तार से कुछ नहीं कहा. उन्होंने अब तक कोई चुनाव नहीं लड़ा है और अन्य राजनीतिक परिवारों के उत्तराधिकारी होने के बावजूद सार्वजनिक जीवन से दूर रहे हैं. नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जदयू ने पिछले दो दशकों से बिहार में सत्ता संभाली है. इस बार उन्हें दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ मिली. 243 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए ने 202 सीटें जीतकर भारी बहुमत हासिल किया.

गठबंधन में भाजपा, जदयू, एलजेपी (आरवी) और दो अन्य दल शामिल थे. चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार इस बार महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया. महिला मतदान 71% से ऊपर रहा, जबकि पुरुषों में यह 62.9% था. सात जिलों में महिलाओं ने पुरुषों से 14 प्रतिशत अधिक वोट किया, जबकि दस जिलों में यह अंतर 10 प्रतिशत से अधिक रहा. एनडीए नेताओं ने इसे चुनाव में निर्णायक बढ़त बताया. एनडीए के वरिष्ठ नेताओं ने इस महिला जनादेश का श्रेय नीतीश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को दिया. पिछली एनडीए सरकार ने 1.21 करोड़ "जीविका दीदियों" को छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रत्येक को 10,000 रुपये की सहायता दी थी और आगे 2 लाख रुपये अतिरिक्त सहायता देने का वादा किया था. यह सहायता बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसायटी के माध्यम से दी गई, जो विश्व बैंक सहयोग से चल रहे जीविका परियोजना का हिस्सा है. इस परियोजना में जुड़ी महिलाओं को "जीविका दीदी" कहा जाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं की यह भागीदारी न केवल चुनाव परिणामों में निर्णायक रही, बल्कि राज्य में महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावशीलता का भी संकेत देती है. निशांत कुमार ने भी इसे एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में देखा और भविष्य में बिहार में विकास और सामाजिक कल्याण को आगे बढ़ाने की इच्छा जताई.

बिहार में एनडीए सरकार का गठन: बिना चुनाव लड़े मंत्री बने रालोमो प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के बेटे

दीपक प्रकाश की युवा छवि की हो रही चर्चा

शुभम संदेश। पटना

बिहार में एनडीए की भारी जीत के बाद नई सरकार का गठन हो गया है. सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जिसके साथ 27 मंत्रियों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली. इस नए मंत्रिमंडल में सबसे ज्यादा चर्चा जिस नाम की हो रही है, वह है दीपक प्रकाश. रालोमो से शामिल किए गए दीपक प्रकाश पार्टी प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के बेटे हैं. उन्हें बिना चुनाव लड़े ही मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है. रालोमो को एनडीए में छह सीटें मिली थीं, जिनमें से पार्टी ने चार पर जीत हासिल की. लेकिन उपेंद्र कुशवाहा ने अपने किसी विधायक को मंत्री न बनाकर बेटे को यह मौका दिया, जिससे राजनीतिक हलकों में सवाल उठने लगे हैं. कानूनी रूप से मंत्री बने रहने के लिए दीपक प्रकाश को छह महीने के अंदर विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बनना होगा. 2019 में शादी के बाद यह उनकी पहली बड़ी राजनीतिक जिम्मेदारी है. शपथ ग्रहण समारोह में दीपक अपने परिधान को लेकर भी चर्चा में रहे.

जहां आमतौर पर नेता पारंपरिक कुर्ता-पायजामा पहनते हैं, वहीं दीपक सफेद शर्ट और नीली जींस में शपथ लेने पहुंचे. उनकी यह युवा और आधुनिक छवि सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रही. माथे पर तिलक लगाए दीपक बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिले. रालोमो ने इस चुनाव में बाजपट्टी, मधुबनी, सासाराम, दिनारा, उजियारपुर और पारु सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे. इनमें बाजपट्टी से रामेश्वर कुमार महतो, मधुबनी से माधव आनंद, सासाराम से स्नेहलता, और दिनारा से आलोक कुमार सिंह विजयी हुए. सासाराम से विजयी स्नेहलता खुद उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी हैं और पहली बार विधायक बनी हैं. उपेंद्र कुशवाहा का राजनीतिक सफर भी लंबा रहा है. वह राज्यसभा सदस्य हैं और लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं. 2000 में जंदाहा सीट से पहली बार विधानसभा में पहुंचे थे और नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं. अब उन्होंने अपने बेटे दीपक को राजनीति की मुख्यधारा में उतारकर नई पीढ़ी के नेतृत्व की शुरुआत की है. दीपक ने भले ही चुनाव न लड़ा हो, लेकिन मंत्री पद की शपथ लेकर उन्होंने सूबे की राजनीति में अपनी नई पहचान बना ली है.

सरकारी स्कूलों के विशिष्ट शिक्षकों को वेतन वृद्धि और संरक्षण का लाभ

पटना। जिले के सरकारी स्कूलों में नियोजित से विशिष्ट शिक्षक बने शिक्षकों के लिए बड़ी खुशखबरी है. जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) ने नए वेतन निर्धारण आदेश को लागू करते हुए शिक्षकों को वेतन वृद्धि और वेतन संरक्षण का लाभ देने का निर्णय लिया है. यह लाभ कक्षा 1 से 8 तक के सभी विशिष्ट शिक्षकों को मिलेगा. डीईओ ने सभी प्रधानाध्यापकों और प्रधान शिक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे शिक्षकों की सेवा पुस्तिका और वेतन निर्धारण प्रपत्र समय पर जिला शिक्षा कार्यालय में जमा कराएं. आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रपत्र में सभी विवरण सही और स्पष्ट रूप से भरना अनिवार्य है. किसी भी शिक्षक, प्रधानाध्यापक, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी या अवर निरीक्षक द्वारा गलत जानकारी देने, त्रुटि करने या देरी करने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी. वेतन निर्धारण प्रपत्र की तीन प्रतियां तैयार की जाएंगी.

पटना में शुरू हो रहा जेपी गंगा पथ फेज-2 का निर्माण, हाई-स्पीड कनेक्टिविटी से बढ़ेगा विकास

पटना। राजधानी को बक्सर, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बिहार से तेज़, सुरक्षित और हाई-स्पीड कनेक्टिविटी देने वाली महत्वाकांक्षी परियोजना जेपी गंगा पथ फेज-2 का निर्माण कार्य इस दिसंबर से शुरू होने जा रहा है. 35.65 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में लगभग 5500 करोड़ रुपये का निवेश होगा. मार्ग की खासियत यह है कि इसका 18 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड बनाया जाएगा, जिससे शहर के भीड़भाड़ वाले हिस्सों में तेज़ और निर्बाध यातायात सुनिश्चित किया जा सके. बिहार राज्य पथ विकास निगम के अनुसार, यह सड़क 'हम मॉडल' पर विकसित की जा रही है, जिसमें निर्माण एजेंसी अगले 15 वर्षों तक रखरखाव की जिम्मेदारी लेगी. खर्च का बंटवारा इस प्रकार होगाः निर्माण एजेंसी 3300 करोड़ रुपये वहन करेगी, जबकि राज्य सरकार 2200 करोड़ रुपये खर्च करेगी. सरकार 60 फीसदी राशि एजेंसी को ब्याज सहित 15 वर्षों में लौटाएगी, और वार्षिक रखरखाव का भुगतान अलग से किया जाएगा. निर्माण एजेंसी को साइट पर सामग्री पहुंचाने और कार्य आरंभ करने के निर्देश मिल चुके हैं. पूरा काम चार साल में पूरा होने का लक्ष्य रखा गया है. जेपी गंगा पथ फेज-2 बनने के बाद पटना की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक सुधार होगा. यह मार्ग दीघा से शुरू होकर शेरपुर और कोईलवर ब्रिज तक जाएगा, जिससे पांच प्रमुख गंगा पुलों तक सीधे पहुंच संभव होगी. कोईलवर ब्रिज से जुड़ाव के बाद पश्चिम बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश की यात्रा भी आसान हो जाएगी.

नाबालिग लड़की की बरामदगी के लिए भटक रहे परिजन

भागलपुर। जिले के हबीबपुर थाना क्षेत्र से 15 वर्षीय नाबालिग लड़की खुशनुमा 16 अगस्त की रात अचानक लापता हो गई है. परिजन के अनुसार उसी शाम पड़ोस की एक लड़की उसे अपने साथ मेला देखने के लिए बुलाने आई थी. खुशनुमा बिना किसी अंदेशा के उसके साथ चली गई. लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटी. परिवारवालों ने जब खोजबीन शुरू की, तो उसका कोई पता नहीं चला. मां बीबी शहजादी ने बताया कि काफी देर बाद उन्हें यह जानकारी मिली कि उनकी नाबालिग बेटी को शारिक नाम का लड़का बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है. इस सूचना के बाद परिवार पर मानो पहाड़ टूट पड़ा. मां ने तुरंत हबीबपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई, लेकिन आरोप है कि पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई अब तक नहीं हुई. परिजन के अनुसार, शिकायत दर्ज कराने के बाद भी जांच में कोई प्रगति नहीं दिखाई दे रही. मजबूर होकर पीड़िता की मां और परिजन कई वरीय पदाधिकारियो के दरवाजे खटखटा चुके हैं, लेकिन वहां भी केवल आश्वासन के अलावा कुछ हाथ नहीं लगा.

एआईएमआईएम विधायक पर नामांकन पत्र में गड़बड़ी का आरोप

किशनगंज। बहादुरगंज विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम विधायक तौसीफ आलम एक बार फिर विवादों में हैं. उन पर नामांकन पत्र और शपथ पत्र में गलत जानकारी देने का आरोप लगाया गया है. सरंडा, बहादुरगंज निवासी आसिफ अकरम ने यह शिकायत निर्वाची पदाधिकारी, किशनगंज-52 को सौंपी है. शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विधायक ने अपने नामांकन पत्र में अपनी दो पुत्रियों और एक पुत्र का नाम नहीं दर्शाया. इसके अलावा, पूर्व में चार बार विधायक रह चुके तौसीफ आलम ने इस जानकारी और पेंशन प्रमाणपत्र का उल्लेख भी नामांकन पत्र में नहीं किया. शिकायतकर्ता ने उचित कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए मामले की जांच की अपील की है. इस शिकायत की प्रतिलिपि निर्वाचन आयोग, पटना और जिला पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी किशनगंज को भी भेजी गई है. इस मामले के सामने आने के बाद जिले में राजनीतिक चर्चाओं का माहौल गर्म हो गया है. उल्लेखनीय है कि तौसीफ आलम पर पहले भी आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज हो चुका है, जिससे वे अक्सर विवादों में रहते हैं. फिलहाल, जिला प्रशासन और निर्वाचन पदाधिकारी इस मामले में क्या कार्रवाई करेंगे, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं.

दरभंगा: पुलिस ने दो अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दरभंगा। न्यायालय द्वारा निर्गत नॉन बेलेबल वारंट के आधार पर विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान राजीव रंजन दास उर्फ़ राजेश दास एवं रणधीर कुमार दास के रूप में हुई है. दोनों पिता सीताराम दास, साकिन अलीनगर, थाना विश्वविद्यालय, जिला दरभंगा के निवासी हैं. पुलिस ने बताया कि दोनों के विरुद्ध न्यायालय द्वारा एनबीडब्लू जारी किया गया था, जिसके अनुपालन में आज कार्रवाई करते हुए इन्हें पकड़ा गया. गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है. विश्वविद्यालय थाना की इस कार्रवाई की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है.

कारोबार

ओएमसी पर एलपीजी अंडर-रिकवरी का दबाव, सब्सिडी भी पूरी राहत नहीं दे पाएगी

नयी दिल्ली। तेल विपणन कंपनियां एलपीजी अंडर-रिकवरी के चलते गंभीर वित्तीय दबाव में हैं, भले ही सरकार आने वाले महीनों में सब्सिडी जारी करने की तैयारी कर रही है. नुवामा रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि एलपीजी से जुड़े कंपनियों का कुल नुकसान फिलहाल 53,700 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. सरकार ओएमसी को 30,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी 12 किश्तों में जारी करेगी, जो कुल अंडर-रिकवरी का केवल 56% है. रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि आने वाले महीनों में एलपीजी पर अंडर-रिकवरी और बढ़ सकती है, खासकर सर्दियों में जब क्षेत्रीय एलपीजी कीमतों में तेजी आती है.

दोनों देश उद्योग के क्षेत्र में सहयोग को और तेज कर सकते हैं: गोयल

नयी दिल्ली। भारत, इस्राइल के लिए निवेश और साझेदारी के व्यापक अवसर उपलब्ध करा रहा है. यह जानकारी भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने इस्राइल दौरे के दौरान साझा की. गोयल ने कहा कि दोनों देश उद्योग के बुनियादी ढांचा विकास, विनिर्माण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्य-उन्मुख क्षेत्रों में सहयोग को और तेज कर सकते हैं. उन्होंने बताया कि सहयोग के अन्य संभावित क्षेत्रों में फिनटेक, कृषि-तकनीक, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, फार्मास्यूटिकल्स, अंतरिक्ष तकनीक और रक्षा शामिल हैं. भारत-इस्राइल व्यापारिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, "दोनों देशों के बीच संभावनाएँ असीमित हैं." यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इस्राइल के आधिकारिक दौरे पर गए हैं.

सेंसेक्स 446 अंकों की बढ़त के साथ 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

बजाज फाइनेंस व टेक महिंद्रा लाभ में रहे

एजेंसी। नयी दिल्ली

तेल और गैस, चुनिंदा वित्तीय शेयरों में मजबूती और ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह के चलते भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी देखी गई. गुरुवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 446.21 अंक या 0.52 प्रतिशत चढ़कर 85,632.68 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 615.23 अंक या 0.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 85,801.70 अंक को छुआ. वहीं, 50 शेयरों वाला निफ्टी 139.50 अंक या 0.54 प्रतिशत बढ़कर 26,192.15 पर बंद हुआ. विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक शेयर बाजारों में मजबूती ने भी घरेलू सूचकांकों को अपने वर्ष के उच्चतम स्तर तक पहुंचाने में मदद की. अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे गिरकर 88.71 (अनंतिम) पर बंद हुआ. सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक प्रमुख लाभ में रहे. वहीं, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टाइटन और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर पिछड़ गए.

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता और पहले चरण के समझौतों की प्रगति के चलते बाजार में सकारात्मक भावना रही. ठोस आय और तकनीक-आधारित बढ़त से वैश्विक संकेत मजबूत रहे. इसके अलावा, नए विदेशी निवेश (एफआईआई) और ऑटो, वित्तीय तथा आईटी जैसे लार्ज-कैप क्षेत्रों में मजबूती ने भी बाजार धारणा को बल दिया. एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ. यूरोपीय बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए. बुधवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए थे. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.83 प्रतिशत बढ़कर 64.03 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,580.72 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,360.27 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे. इस दौरान सेंसेक्स 513.45 अंक या 0.61 प्रतिशत बढ़कर 85,186.47 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 142.60 अंक या 0.55 प्रतिशत चढ़कर 26,052.65 पर बंद हुआ. मौजूदा बाजार वृद्धि तेल, गैस, वित्तीय और आईटी शेयरों में मजबूती, विदेशियों की सक्रिय खरीदारी और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में प्रगति से प्रेरित रही. निवेशकों के लिए लार्ज-कैप शेयरों में तेजी ने सकारात्मक संकेत दिए, जबकि वैश्विक बाजारों का समर्थन और विदेशी पूंजी प्रवाह बाजार धारणा को मजबूत बनाए रखने में सहायक रहे.

भारत वैश्विक तकनीकी नेटवर्क में मजबूत हो रहा

नई दिल्ली। एशिया के तकनीकी परिदृश्य में भारत धीरे-धीरे एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है. फ्रांसीसी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी अमुंडी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत को निजी क्षेत्र और सरकारी पहलों के बीच मजबूत समन्वय का समर्थन प्राप्त है. रिपोर्ट में कहा गया है कि देश अपने उत्पाद विकास कौशल और आईटी-सक्षम सेवाओं के माध्यम से बनाए गए तालमेल का लाभ उठा रहा है, जिससे वह वैश्विक तकनीकी नेटवर्क में अपनी मजबूत स्थिति बना रहा है. उद्योग जगत के लीडर्स और सरकारी पहलों के बीच सहयोग स्थिर प्रगति को प्रोत्साहित कर रहा है, और भारत को एशिया के व्यापक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उभरती शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है. रिपोर्ट में एशियाई तकनीकी क्षेत्र में चीन की अहम भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है. चीन तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी क्षेत्र में आपूर्ति अनुशासन और नवाचार महत्वाकांक्षाओं के बीच संतुलन बनाने का प्रयास कर रहा है. अमेरिका की तुलना में चीन अभी तक तकनीकी महाचक्र का अनुभव नहीं कर रहा है, बल्कि सब्सिडी पर अंकुश लगाने, अतिरिक्त क्षमता घटाने और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा सीमित करने जैसी नीतियों के माध्यम से सतत विकास को आगे बढ़ा रहा है.

क्रिप्टोकरेंसी जीकैश की कीमत में धमाकेदार उछाल, निवेशकों को 1200% से अधिक रिटर्न मिला

नयी दिल्ली। क्रिप्टो मार्केट में पिछले कई दिनों से लगातार गिरावट देखी जा रही है, लेकिन इस बीच एक क्रिप्टोकरेंसी ने सभी की उम्मीदों को पीछे छोड़ दिया है. जीकैश ने पिछले 24 घंटों में लगभग 12% की वृद्धि दर्ज की है, जबकि बिटकॉइन और अन्य प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी भारी नुकसान झेल रही हैं. जीकैश की कीमत गुरुवार दोपहर 2:30 बजे करीब 673 डॉलर (लगभग 60,000 रुपये) पर पहुंच गई. यह क्रिप्टो केवल 20 दिनों में निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हुई है और इस दौरान इसकी कीमत लगभग दोगुनी हो गई. 31 अक्टूबर को जीकैश की कीमत लगभग 330 डॉलर थी, जो अब 670 डॉलर से ऊपर पहुँच चुकी है. इसका मतलब है कि केवल एक महीने में ही निवेशकों को 160% से अधिक रिटर्न मिल चुका है. यह क्रिप्टोकरेंसी पिछले दो महीनों में तो और भी बड़ा धमाका कर चुकी है. दो महीने पहले इसकी कीमत लगभग 50 डॉलर थी. आज यह 670 डॉलर को पार कर चुकी है. ऐसे में इन दो महीनों में जीकैश ने निवेशकों को 1200% से अधिक रिटर्न दिया है. अगर किसी निवेशक ने दो महीने पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते, तो आज उनकी राशि लगभग 13 लाख रुपये हो चुकी होती.

टमाटर की कीमतों में बेतहाशा उछाल, रसोई का बजट हुआ मुश्किल

नयी दिल्ली। देशभर में टमाटर की कीमतें पिछले 15 दिनों में तेजी से बढ़ी हैं, कई शहरों में यह दोगुने तक पहुँच गई हैं. इसके पीछे अक्टूबर में हुई तेज बारिश मुख्य वजह है, जिसने कई राज्यों में टमाटर की फसल को भारी नुकसान पहुँचाया और बाजार में सप्लाई घट गई. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक महीने में खुदरा कीमतों में 25 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है. उपभोक्ता मंत्रालय के अनुसार, 19 नवंबर को टमाटर का ऑल इंडिया एवरेज प्राइस 46 रुपये प्रति किलो हो गया, जबकि एक महीने पहले यह 36 रुपये प्रति किलो था. यानी औसत कीमतों में लगभग 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. सबसे ज्यादा असर चंडीगढ़ पर पड़ा, जहां टमाटर के दाम 112 प्रतिशत तक बढ़ गए. आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में भी कीमतें 40 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ीं. कई शहरों में अच्छी गुणवत्ता वाला टमाटर 60 से 80 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है. व्यापारियों का कहना है कि फिलहाल राहत की संभावना कम है. शादी सीजन और न्यू ईयर सेलिब्रेशन की वजह से मांग बढ़ी हुई है, जबकि बारिश से फसल को नुकसान और सप्लाई में कमी आई है.

ट्रेड

जापान ने 30 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, बढ़ी ब्याज दरें और 'येन कैरी ट्रेड' का खेल खतरे में

उधारी दर 30 साल में सबसे अधिक 2.8% पर पहुंची

एजेंसी। नयी दिल्ली

जापान ने दशकों से चले आ रहे वित्तीय रुझानों को तोड़ते हुए अपनी उधारी दर 30 साल में सबसे अधिक 2.8% पर पहुंचा दी है. यह बदलाव दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में हलचल पैदा कर रहा है. लंबे समय तक जापान की लगभग शून्य ब्याज दरों (0%) ने वैश्विक निवेशकों के लिए सस्ता पैसा उपलब्ध कराया था. बड़े संस्थान येन उधार लेकर अमेरिका, भारत और अन्य उच्च रिटर्न वाले बाजारों में निवेश करते थे. वहां बॉन्ड और शेयर बाजार में 4% से 8% तक रिटर्न मिलता था, जिससे करेंसी और लेन-देन के खर्च निकालने के बाद भी मोटा मुनाफा होता था. इस रणनीति को 'येन कैरी ट्रेड' कहा जाता है, जो अब जापान की बढ़ी ब्याज दरों के कारण खतरे में है.

निवेशक अब अपने विदेशी निवेश बेचकर जापानी कर्ज चुकाने पर मजबूर हो सकते हैं. इससे न केवल जापानी बाजारों में, बल्कि दुनिया भर के शेयर बाजारों में दबाव बढ़ सकता है. इन्वेस्टमेंट बैंकर सार्थक आहूजा ने चेतावनी दी है कि अगर ब्याज दर 3% पार कर जाती है तो जापान का कर्ज संभालना कठिन हो जाएगा, जो पहले से ही उसकी जीडीपी का 2.5 गुना है. जापान में ब्याज दरों में यह अचानक वृद्धि महंगाई के बढ़ने का नतीजा है. 25 साल में पहली बार महंगाई दर 2.5% से ऊपर चली गई है, जबकि लोगों की वास्तविक कमाई (रियल वेज) नहीं बढ़ी. बैंक ऑफ जापान को अब मांग को कम करने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरें बढ़ानी पड़ रही हैं. यह कोई पहली बार नहीं है जब जापान ने दरें बढ़ाई हैं. अगस्त 2024 में दरें 0.25% पर बढ़ाई गई थीं, तब भी निक्केई शेयर बाजार में 12% गिरावट आई थी. इस बार की वृद्धि और भी गंभीर मानी जा रही है. आहूजा ने निवेशकों को सलाह दी है कि इस समय जोखिम भरे दांव न लगाएं और अपनी पूंजी सुरक्षित रखें. भारत के लिए इसका अर्थ यह है कि जापान की सस्ती पूंजी अब सीमित हो सकती है.

पिछले 30 वर्षों में जापानी निवेशक सस्ती दरों पर येन उधार लेकर भारत जैसे उच्च रिटर्न वाले बाजारों में निवेश करते थे. अब जापान में ब्याज दर बढ़ने के कारण वहां के निवेशक अपने देश में निवेश को प्राथमिकता दे सकते हैं या विदेशी निवेश वापस ले सकते हैं. इसका असर भारतीय शेयर और बॉन्ड बाजारों में जापानी निवेश की गति पर पड़ सकता है. इसलिए निवेशकों के लिए सतर्क रहना और पूंजी की सुरक्षा को प्राथमिकता देना अब पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है.

देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने 'डार्क पैटर्न' से मुक्त होने की घोषणा की

जेप्टो, जोमैटो, स्विगी, जियोमार्ट और बिगबास्केट जैसी कंपनियां हैं शामिल

एजेंसी। नयी दिल्ली

डिजिटल मार्केटप्लेस में उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने खुद को 'डार्क पैटर्न' से मुक्त होने की घोषणा की है. इस सूची में जेप्टो, जोमैटो, स्विगी, जियोमार्ट और बिगबास्केट जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म शामिल हैं. सभी कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि उनके प्लेटफॉर्म पर किसी भी तरह के भ्रामक या छलपूर्ण यूजर इंटरफेस डिजाइन का इस्तेमाल नहीं किया जाता. उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय को 26 ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए हैं, जो 'डार्क पैटर्न' की रोकथाम एवं विनियमन, 2023 के दिशा-निर्देशों के पालन की पुष्टि करते हैं. मंत्रालय ने बताया कि इन कंपनियों ने आंतरिक और बाहरी ऑडिट के माध्यम से अपने प्लेटफॉर्म पर 'डार्क पैटर्न' की पहचान, मूल्यांकन और उन्मूलन किया है.

सूची में फार्म ईजी, जेप्टो मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट इंटरनेट, मिंत्रा डिजाइन्स, वॉलमार्ट इंडिया, मेकमायट्रिप (इंडिया), बिगबास्केट, जियोमार्ट, जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, पेज इंडस्ट्रीज, विलियम पेन, क्लियरट्रिप, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस डिजिटल, नेटमेड्स, टाटा 1एमजी, मीशो, इक्सिगो, मिलबास्केट, हैमलेज, अजियो, टीरा ब्यूटी (रिलायंस रिटेल), ड्यूरोफ्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड और क्यूराडेन इंडिया शामिल हैं. केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कहा कि यह कदम अन्य कंपनियों को भी स्व-नियमन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा. सरकार ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपभोक्ताओं को भ्रमित करने या धोखा देने वाली प्रथाओं पर अंकुश लगाने के प्रयास कर रही है. 'डार्क पैटर्न' भ्रामक यूजर इंटरफेस के जरिये उपभोक्ताओं को धोखा देने या हेरफेर करने की तकनीक है. यह यूजर को वेबसाइट या ऐप पर ऐसे फॉर्मेट में फंसाता है जिससे वे अनजाने में ऐसे कदम उठाएं जो उनके हित में न हों. इसके उदाहरणों में झूठी तात्कालिकता, भ्रामक विज्ञापन, प्रलोभन, झूठी ऑफर, जबरन कार्रवाई और 'सब्सक्रिप्शन' में फंसाना शामिल हैं. 'डार्क पैटर्न' की रोकथाम और विनियमन के लिए 30 नवंबर 2023 को दिशा-निर्देश अधिसूचित किए गए थे.

टोक्यो डेफलिंपिक्स में भारतीय राइफल शूटर का शानदार प्रदर्शन जारी, प्रतियोगिता में तीसरा पदक

महित संधू ने 50 मीटर राइफल प्रोन में जीता सिल्वर

- क्वालिफिकेशन राउंड में 619.7 अंकों के साथ नया वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड भी बनाया था.
- फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक और उतार-चढ़ाव वाला रहा.

एजेंसियां । टोक्यो/नई दिल्ली

भारत की प्रतिभाशाली और अनुभवी राइफल शूटर महित संधू ने टोक्यो में चल रहे 25वें समर डेफलिंपिक्स में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि अपने नाम की है. महिलाओं की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता. यह उनका इस प्रतियोगिता में तीसरा पदक है, जिसने उन्हें भारतीय दल की सबसे सफल निशानेबाजों में शामिल कर दिया है. महित ने न केवल फाइनल में शानदार खेल दिखाया, बल्कि इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में 619.7 अंकों के साथ नया वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड भी बनाया. फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक और उतार-चढ़ाव वाला रहा. शुरुआत में महित अपनी रफ्तार पकड़ने की कोशिश कर रही थीं और पहले 14 शॉट्स के बाद वह चौथे स्थान पर थीं. हालांकि, उनका अनुभव और शांत स्वभाव जल्द ही दिखने लगा. अगले दो शॉट्स की

महत्वपूर्ण सीरीज में उन्होंने सटीक निशाने लगाए और यूक्रेन की वायोलेटा लिकोवा को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गईं. 20 शॉट्स तक महित मजबूती से इसी पोज़िशन पर कायम रहीं.

इसके बाद निर्णायक क्षण आए, जब उन्होंने लगातार 9.8 और 10.2 के बेहतरीन शॉट्स लगाकर अपनी दावेदारी मजबूत की. हंगरी की मीरा ज़सज़ाना बियातोव्स्की के 9.4 और 9.8 के अपेक्षाकृत कम स्कोर ने भी महित की स्थिति को और बेहतर बनाया, जिससे वह सिल्वर पोज़िशन पर आ गईं. फाइनल के अंतिम दो शॉट्स में महित ने 10.0 और 10.7 जैसे दमदार निशाने लगाए, जो उनकी मानसिक मजबूती और फोकस को दर्शाते हैं.

इसके बावजूद चेकिया की एलिस्का स्वोबोदावा पूरे फाइनल में बेहद स्थिर रहीं और लगातार 10 अंक जुटाते हुए अंत तक बढ़त बनाए रखीं. स्वोबोदावा ने कुल 247.2 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि महित संधू 246.1 अंकों के साथ रजत पदक पर कब्जा जमाने में सफल रहीं. हंगरी की बियातोव्स्की ने 225.0 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया. भारत की ओर से नताशा जोशी ने भी इस स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया. क्वालिफिकेशन में 611.6 अंक अर्जित करते हुए वह सातवें स्थान पर रहीं और फाइनल में जगह बनाई. फाइनल में कड़े मुकाबले के दौरान शूट-ऑफ से गुजरना पड़ा, जिसमें वह आठवें स्थान पर रहीं. हालांकि पदक नहीं मिला, लेकिन उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा.

टोक्यो डेफलिंपिक्स में भारतीय शूटिंग टीम ने अब तक उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. महित संधू के तीन पदकों सहित भारत की कुल पदक संख्या 12 तक पहुंच चुकी है. महित के इन शानदार प्रदर्शनों ने देश का गौरव बढ़ाया है और डेफ स्पोर्ट्स के क्षेत्र में भारत की नई पहचान स्थापित की है. उनका यह सफर युवा निशानेबाजों के लिए प्रेरणा और आत्मविश्वास का स्रोत है.

एशेज 2025-26: पांचों टेस्ट के पहले दिन के टिकट बिके

एजेंसियां । नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों वाली एशेज 2025-26 सीरीज की शुरुआत शुक्रवार से पर्थ में होने जा रही है, और फैंस में इसका जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, सभी पांचों टेस्ट मैचों के पहले दिन के टिकट पूरी तरह बिक चुके हैं, जिससे शुरुआती दिनों में खचाखच भरे स्टेडियम की उम्मीद है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि पर्थ टेस्ट के दूसरे और तीसरे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं, जबकि चौथे दिन के लिए पर्याप्त उपलब्धता है. दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाएगा, जहां पहले तीन दिन के टिकट पहले ही सोल्ड आउट हो चुके हैं और चौथे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं. तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में होगा और इस मैच के पहले तीन दिन भी हाउसफुल घोषित किए जा चुके हैं. 26 दिसंबर से मेलबर्न में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट के पहले दो दिनों के टिकट पूरी तरह बिक गए हैं. तीसरे दिन के लिए बहुत कम टिकट बचे हैं, जबकि चौथे दिन की बिक्री जारी है. पांचवां और आखिरी टेस्ट 4 जनवरी 2026 से सिडनी में खेला जाएगा, जहां पहले चार दिन के टिकट पहले ही बिक गए हैं. पांचों टेस्ट के लिए पाँचवें दिन के टिकट मैच की स्थिति के आधार पर उपलब्ध कराए जाएंगे.

ऑस्ट्रेलिया ने घोषित की प्लेइंग एलेवन, स्मिथ संभालेंगे कप्तानी

एजेंसियां । नई दिल्ली

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को पर्थ में 21 नवंबर से शुरू हो रहे पहले एशेज टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग एलेवन की घोषणा कर दी. टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस और तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड चोट के कारण बाहर हैं, इसलिए अनुभवी स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालेंगे.

इस टेस्ट में जेक वेदराल्ड और ब्रेंडन डॉगेट को पहली बार टेस्ट टीम में मौका मिला है. वेदराल्ड उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करेंगे, जबकि डॉगेट तेज़ गेंदबाज़ी की जिम्मेदारी मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के साथ साझा करेंगे. इससे टीम में नई ऊर्जा और आक्रामक विकल्प जुड़े हैं. ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग एलेवन में शामिल अन्य खिलाड़ी हैं मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, विकेटकीपर एलेक्स कैरी और स्पिनर नाथन लायन. टीम की संतुलित रचना बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी दोनों विभागों में मजबूती देती है.

इंग्लैंड ने भी पहले टेस्ट के लिए अपनी 12 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है. टीम में जोफ्रा आर्चर, ब्राइडन कार्स, गस एटकिंसन और मार्क वुड जैसी तेज़ गेंदबाज़ी की ताकत शामिल है, जबकि शोएब बशीर एकमात्र स्पिनर के रूप में टीम का हिस्सा हैं. इंग्लैंड का प्लेइंग एलेवन टॉस के समय तय होगा. पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई फैंस को जीत का रोमांच देना है. चोटिल खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद टीम ने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण बनाया है, जिससे पर्थ टेस्ट रोमांचक मुकाबले का दृश्य प्रस्तुत करेगा.

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग एलेवन: उस्मान ख्वाजा, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, ब्रेंडन डॉगेट, स्कॉट बोलैंड, नाथन लायन.

एशेज 2005: एशेज श्रृंखला क्रिकेट प्रशंसकों के लिए उत्सव जैसा

8 सीरीज हारने के बाद इंग्लैंड ने तोड़ी थी पुरानी बादशाहत

- 1989, 1990-91, 1993, 1994-95, 1997, 1998-99, 2001 और 2002-03—हर बार ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को मात दी थी.

एजेंसियां । नई दिल्ली

टेस्ट क्रिकेट की सबसे रोमांचक प्रतिद्वंद्विताओं में से एक—एशेज—का इतिहास 1882-83 से चलता आ रहा है. हर दो साल में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली यह श्रृंखला क्रिकेट प्रशंसकों के लिए उत्सव जैसी होती है. वर्तमान में जहां दुनिया 21 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही एशेज 2025-26 पर निगाहें जमाए बैठी है, वहीं इस मौके पर एशेज 2005 को याद करना जरूरी हो जाता है—वह सीरीज जिसने ऑस्ट्रेलिया के लंबे विजय अभियान के सामने इंग्लैंड को एक नई पहचान दी. एशेज का इतिहास दर्शाता है कि दोनों टीमों ने अपनी-अपनी परिस्थितियों में एक-दूसरे पर प्रभुत्व जमाया है. 1986-87 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 2-

1 से जीत दर्ज की थी, लेकिन उसके बाद तस्वीर बदल गई. 1989 से 2002-03 तक ऑस्ट्रेलिया ने लगातार 8 एशेज सीरीज जीतकर इंग्लैंड के लिए जीत एक सपने जैसी बना दी थी. 1989, 1990-91, 1993, 1994-95, 1997, 1998-99, 2001 और 2002-03—हर बार ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को मात दी.

इंग्लैंड को एक ऐसे कप्तान और संयोजन की जरूरत थी जो इस हार के सिलसिले को तोड़ सके. यह मौका 2005 में आया, जब रिकी पोंटिंग की अगुआई में ऑस्ट्रेलियाई टीम पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची. माइकल वॉन की कप्तानी में मेजबान टीम जीत को लेकर बेहद उत्सुक थी, लेकिन लॉर्ड्स में पहला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने 239 रन से जीतकर इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया. हालांकि, दूसरा टेस्ट बर्मिंघम में खेला गया और यहीं से कहानी बदली. इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2 रन से हराकर सीरीज 1-1 कर दी. तीसरा टेस्ट मैनचेस्टर में ड्रॉ रहा, जबकि नॉटिंघम में इंग्लैंड ने 3 विकेट से जीत हासिल कर सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई. पाँचवाँ टेस्ट ओवल में ड्रॉ रहा और इंग्लैंड ने एशेज 2-1 से अपने नाम की. यह जीत कई खिलाड़ियों के करिश्माई प्रदर्शन की देन थी. एंड्रयू फ्लिंटॉफ बल्ले से 402 रन और गेंद से 24 विकेट लेकर सीरीज के हीरो बने. केविन पीटरसन ने 473 रन, मार्कस ट्रेस्कोथिक ने 431 रन, एंड्रू स्ट्रॉस ने 393 रन और कप्तान माइकल वॉन ने 326 रन बनाकर इंग्लैंड के 18 साल पुराने इंतजार को खत्म किया. ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न 40 विकेट लेकर चमके और फ्लिंटॉफ के साथ प्लेयर ऑफ द सीरीज बने. एशेज 2005 हमेशा उस श्रृंखला के रूप में याद किया जाएगा, जिसने इंग्लैंड को फिर से क्रिकेट महाशक्ति की कतार में खड़ा किया.

मुश्फिकुर ने रचा इतिहास 100वें टेस्ट में जड़ा शतक

एजेंसियां । नई दिल्ली

बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ मुश्फिकुर रहीम ने गुरुवार को आयरलैंड के खिलाफ मीरपुर में खेले जा रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के दूसरे टेस्ट में बड़ी उपलब्धि हासिल की. 38 वर्षीय रहीम ने अपने 100वें टेस्ट मैच में नाबाद शतक जमाते हुए इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया. वह यह कारनामा करने वाले बांग्लादेश के पहले और दुनिया के 11वें खिलाड़ी बन गए.

सबसे अधिक टेस्ट खेलने वाले बांग्लादेशी खिलाड़ी रहीम ने अपनी पारी में शानदार संयम और तकनीक का परिचय दिया. उन्होंने 195 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिसमें कई बेहतरीन चौके शामिल रहे. उनकी यह पारी न सिर्फ टीम के लिए महत्वपूर्ण रही, बल्कि उन्हें उन चुनिंदा दिग्गजों की सूची में शामिल कर गई, जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाया है. 100वें टेस्ट में शतक जड़ने वाले बल्लेबाज़ों में कॉलिन कौड्रे, जावेद मियांदाद, गॉर्डन ग्रीनिज, एलेक स्टीवर्ट, इंजमाम-उल-हक़, रिकी पोंटिंग, ग्रेम स्मिथ, हाशिम अमला, जो रूट और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गज शामिल हैं. अब मुश्फिकुर रहीम भी इस ऐतिहासिक सूची का हिस्सा बन गए हैं. मुश्फिकुर ने 100* रन बनाकर बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ा. यह शतक उनके अनुभव, समर्पण और निरंतरता का प्रमाण है. बांग्लादेश क्रिकेट समुदाय और प्रशंसकों ने उनकी इस उपलब्धि को एक गर्व के क्षण के रूप में मनाया, जो आने वाले समय में प्रेरणा का स्रोत बनेगा.

गुवाहाटी टेस्ट: ऋषभ पंत कर सकते हैं एमएस धौनी की बराबरी, गिल आउट

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम को कप्तानी में बदलाव का सामना करना पड़ सकता है. रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे. ऐसे में टीम की जिम्मेदारी उपकप्तान ऋषभ पंत के कंधों पर होगी. रिपोर्ट के मुताबिक, शुभमन गिल टीम के साथ गुवाहाटी गए हैं, लेकिन उनकी चोट पूरी तरह ठीक नहीं हुई है. उन्होंने गुरुवार को टीम के अभ्यास सत्र में भी भाग नहीं लिया. इस कारण गिल के गुवाहाटी टेस्ट से बाहर रहने की संभावना मजबूत है. उनकी जगह विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे. पंत टेस्ट फॉर्मेट में पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे.

यदि पंत कप्तानी संभालते हैं, तो वह एमएस धोनी के बाद टेस्ट में भारतीय टीम की कमान संभालने वाले दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बन जाएंगे. रोहित शर्मा के बाद पंत को लंबे समय तक भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान

माना जा रहा था, लेकिन शुभमन गिल के चोट के कारण उन्हें कप्तानी का अवसर अब गुवाहाटी टेस्ट में मिलेगा. पंत पहले भारतीय टीम की ओर से 5 टी20 मैचों में कप्तानी कर चुके हैं. इस दौरान टीम ने 2 मैचों में जीत, 2 में हार और 1 में बिना नतीजे के परिणाम हासिल किया. गुवाहाटी टेस्ट में पंत की कप्तानी टीम के लिए अहम होगी, क्योंकि वे तेजी से रन बनाकर मैच के परिणाम को भारत के पक्ष में मोड़ सकते हैं.

ऋषभ पंत ने टेस्ट फॉर्मेट में अब तक 48 मैचों में 84 पारियों में 3,456 रन बनाए हैं. उनके नाम 8 शतक और 18 अर्धशतक हैं. पंत की बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभाती रही है. गिल की अनुपस्थिति में पंत की कप्तानी भारत के लिए निर्णायक साबित हो सकती है. इस टेस्ट में शुभमन गिल की जगह प्लेइंग इलेवन में साई सुदर्शन या देवदत्त पड्डिकल को शामिल किया जा सकता है. गुवाहाटी टेस्ट भारतीय टीम के लिए नई रणनीति और नए नेतृत्व का अनुभव साबित हो सकता है, जिसमें ऋषभ पंत अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी के जरिए एमएस धोनी जैसी छवि बनाने का मौका पा सकते हैं.

क्रिकेटर जस्टिन लैंगर बने 'निवीकैप' के ब्रांड एंबेसडर

एजेंसियां । लखनऊ

भारत के छात्रों के लिए ऑस्ट्रेलिया में शिक्षा संबंधी डिजिटल समाधान प्रदान करने वाला नया प्लेटफ़ॉर्म 'निवीकैप' लॉन्च कर दिया गया है. इस पहल को मजबूत करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और कोच जस्टिन लैंगर को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है.

निवीकैप, जिसे ज़िकसु ऑस्ट्रेलिया के संस्थापक कार्तिक श्रीनिवासन ने विकसित किया है, एक सुरक्षित, पारदर्शी और नॉन-बैंकिंग डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है. यह छात्रों और उनके अभिभावकों को प्री-एडमिशन से लेकर पोस्ट-अराइवल तक पूरी सहायता प्रदान करता है. इसमें शिक्षा-लोन डिस्कवरी, आवेदन सहायता, फ़ॉरेक्स मार्गदर्शन और पोस्ट-अराइवल सपोर्ट जैसी सुविधाएँ शामिल हैं. भारत, ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है. 2025 में लगभग 1,37,703 भारतीय छात्रों ने वहाँ अध्ययन शुरू किया या जारी रखा. इसके बावजूद, जटिल वित्तीय प्रक्रियाएँ और दस्तावेज़ी बाधाएँ छात्रों और उनके परिवारों, विशेषकर

टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए चुनौती बनी हुई हैं. निवीकैप का उद्देश्य इस प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाना है.

संस्थापक कार्तिक श्रीनिवासन ने बताया कि उन्होंने स्वयं भारत से ऑस्ट्रेलिया तक की कठिन यात्रा का अनुभव किया है, जिसमें वित्तीय जटिलताएँ और दस्तावेज़ी चुनौतियाँ शामिल थीं. यही अनुभव निवीकैप के निर्माण का आधार बना.

ब्रांड एंबेसडर जस्टिन लैंगर ने कहा कि निवीकैप छात्रों और अभिभावकों के लिए एक भरोसेमंद साथी है, जो उन्हें आत्मविश्वास और सुरक्षा प्रदान करता है. ऑस्ट्रेड के दक्षिण एशिया प्रमुख मुकुंद नारायणमूर्ति ने इसे भारत–ऑस्ट्रेलिया शिक्षा संबंधों को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया.

विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल: मीनाक्षी, अरुंधति, प्रीति व नूपुर ने जीते चार स्वर्ण

एजेंसियां । ग्रेटर नोएडा

विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल में भारतीय महिला मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए चार स्वर्ण पदक जीते. शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में गुरुवार को खेले गए अलग-अलग भार वर्ग के फाइनल मुकाबलों में भारतीय मुक्केबाजों ने जोरदार जीत दर्ज की.

मीनाक्षी हुड्डा ने 48 किग्रा में स्वर्ण जीता: पहला स्वर्ण मीनाक्षी हुड्डा ने अपने नाम किया. उन्होंने 48 किग्रा फाइनल में फोजिलोवा फरजोना को 5-0 से हराया. जीत के बाद मीनाक्षी ने कहा, "मैं बहुत खुश हूं. मैं अपने कोच विजय हुड्डा, आईटीबीपी, साई, ओजीक्यू और बीएफआई का धन्यवाद देती हूं. घरेलू दर्शकों के समर्थन ने मुझे स्वर्ण जीतने में मदद की. फाइनल से पहले मैं नर्वस थी, लेकिन होम सपोर्टर्स देखकर मुझे मोटिवेशन मिला."

प्रीति ने 54 किग्रा फाइनल में इटली की सिरीन चाराबी को हराया: महिलाओं के 54 किग्रा फाइनल में प्रीति ने इटली की सिरीन चाराबी को 5-0 से मात दी.

अरुंधति चौधरी ने 70 किग्रा में उज्बेकिस्तान की जोकिरोवा अजीजा को हराया: महिलाओं के 70 किग्रा फाइनल में अरुंधति ने उज्बेकिस्तान की जोकिरोवा अजीजा को 5-0 से हराकर देश के लिए तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया. अरुंधति ने कहा, "यह बहुत मुश्किल था. पिछले डेढ़ साल से तनाव में थी. स्वर्ण जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है."

नूपुर ने 80+ किग्रा में स्वर्ण जीता: महिलाओं के 80+ किग्रा फाइनल में नूपुर ने उज्बेकिस्तान की सोटिम्बोएवा ओल्टिनोय को 5-0 से हराकर दिन का चौथा स्वर्ण पदक जीता. जीत के बाद नूपुर ने कहा, "पिछली बार जब मैंने रजत पदक जीता था, उसी समय स्वर्ण पदक का दावा किया था. मुझे ट्रोल किया गया था, लेकिन मैंने अपना वादा पूरा कर दिया."

जदुमणि फाइनल में हारी: महिलाओं के 50 किग्रा फाइनल में जदुमणि ने उज्बेकिस्तान की असिलबेक जलीलोव से मुकाबला हारकर स्वर्ण जीतने का मौका गंवाया. इस प्रकार, विश्व मुक्केबाजी कप में भारतीय महिला मुक्केबाजों ने अपने दमदार प्रदर्शन से चार स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया.

डेविस कप — क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया

इटली ने सेफा. में बनाई जगह, अब बेल्जियम से भिड़ंत

एजेंसियां । नई दिल्ली

बोलोनिया में खेले गए डेविस कप 2025 के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में इटली ने दमदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रिया को 2-0 से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. दोनों सिंगल्स मैचों में शानदार जीत दर्ज कर इटली ने न केवल अपने खिताब बचाव अभियान को मजबूती दी बल्कि यह भी दिखाया कि टीम शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में भी मजबूत चुनौती पेश कर सकती है. अब सेमीफाइनल में इटली का मुकाबला बेल्जियम से होगा, जो इस समय बेहतरीन लय में है.

जैनिक सिनर और लोरेंजो मुसेत्ती जैसे विश्वस्तरीय टॉप-10 खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद इटली ने घरेलू माहौल का भरपूर फायदा उठाते हुए बिना किसी दबाव के अपने अभियान को आगे बढ़ाया. मात्तेओ बेरेटिनी और फ्लावियो कोबोली ने अपने-अपने सिंगल्स मुकाबलों में सीधे सेटों में जीत दर्ज कर टीम की उम्मीदों को पंख दिए. पहले सिंगल्स मैच में पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट मात्तेओ बेरेटिनी ने जूरिज रोडियोनोव को 6-3, 7-6 (7/4) से मात दी. मैच के दौरान दूसरे सेट में बेरेटिनी 2-5 से पिछड़ रहे थे और इसी बीच एरिना की लाइटिंग समस्या के कारण करीब आधे घंटे का व्यवधान भी आया. हालांकि, 29 वर्षीय खिलाड़ी ने इस चुनौती को

अपने प्रदर्शन पर हावी नहीं होने दिया. उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर न सिर्फ बराबरी हासिल की, बल्कि तीन सेट प्वाइंट भी बचाए और अंततः टाई-ब्रेक जीतते हुए इटली को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई. टीम कप्तान फिलिप्पो वोलांद्री ने कहा, "मैं खिलाड़ियों पर गर्व महसूस करता हूँ. मत्तेओ मुश्किल परिस्थितियों में समाधान खोजने में माहिर हैं और ऐसे मुकाबले उनके लिए ही बने हैं."

दूसरे सिंगल्स मैच में फ्लावियो कोबोली ने अपने आक्रामक अंदाज से दर्शकों को प्रभावित किया. उन्होंने ऑस्ट्रिया के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी फिलिप मिसोलिक को 6-1, 6-3 से एकतरफा संघर्ष में मात दी. 22वीं रैंक वाले कोबोली ने महज एक घंटे से थोड़े अधिक समय में जीत दर्ज की. 23 वर्षीय कोबोली इस साल हैम्बर्ग और बुकारेस्ट में अपने करियर के शुरुआती खिताब जीत चुके हैं. मैच के बाद उन्होंने कहा, "यह मेरे जीवन का सबसे खास दिन है. इटली की जर्सी पहनकर जीत हासिल करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है." दोनों सिंगल्स मैच जीतने के बाद इटली की युगल जोड़ी—सिमोने बोलेली और आंद्रिया वावासोरी—को एरलर-मीडलर के खिलाफ डबल्स खेलने की जरूरत नहीं पड़ी.

सेमीफाइनल लाइन-अप गुरुवार को पूरा होगा, जब अर्जेंटीना का सामना जर्मनी से और स्पेन का मुकाबला चेक गणराज्य से होगा. हालांकि स्पेन को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्कराज हैमस्ट्रिंग चोट के कारण टूर्नामेंट से हट चुके हैं.

ऑस्ट्रेलियन ओपन: आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन क्वार्टरफाइनल में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

एजेंसियां । नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन में भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. अब दोनों खिलाड़ी अंतिम-8 में आमने-सामने होंगे. वहीं अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत शुरुआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए. इस टूर्नामेंट में पुरुष युगल में भी भारत की शीर्ष वरीय जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया. उन्होंने चीनी ताइपे की जोड़ी सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21-18, 21-11 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया.

आयुष शेट्टी की शानदार जीत: यूएस ओपन सुपर 300 के मौजूदा चैंपियन आयुष शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नारोका को 68 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 21-16 से हराया. यह इस साल शेट्टी की नारोका पर दूसरी जीत है. उनके शानदार खेल ने उन्हें क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया, जहां उनका सामना सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन से होगा.

लक्ष्य सेन की वापसी: विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-17, 13-21, 21-13 से मात दी और क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई. सेन ने इससे पहले मलेशिया ओपन में इसी खिलाड़ी से हार झेली थी और इस बार उन्होंने सफल बदला लिया.

प्रणय और श्रीकांत बाहर: अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय का कमजोर अभियान जारी रहा. आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फरहान अल्वी ने उन्हें 19-21, 10-21 से हराया. वहीं, किदांबी श्रीकांत को जापान के शोगो ओगावा ने 20-22, 16-21 से मात दी और टूर्नामेंट से बाहर कर दिया.

बसरिया रोड हादसा : नयी बाइक पर लौट रहे नाबालिग अजय की मौत

चौपारण । प्रखंड के बसरिया रोड पर बुधवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में भगहर पंचायत के लोहरा निवासी 17 वर्षीय अजय कुमार यादव की मौत हो गई. अजय नई स्प्लेंडर प्लस बाइक लेकर घर लौट रहा था, तभी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी. हादसे में गंभीर रूप से घायल अजय को स्थानीय लोगों की मदद से चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल भेजा गया, लेकिन रास्ते में स्थिति बिगड़ने पर उसे बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस हादसे से परिजन और स्थानीय लोग सदमे में हैं. घटना ने इलाके में सड़क सुरक्षा के प्रति चिंता बढ़ा दी है. पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की तलाश की जा रही है, ताकि मामले में कार्रवाई की जा सके

पोस्ता की खेती (अफीम) की रोकथाम व विनष्टीकरण को लेकर बनी रणनीति

सरकार कर रही है जीरो टोलरेंस पर कार्यः आईजी

शुभम संदेश ।चतरा

चतरा समाहरणालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में पोस्ता की खेती की रोकथाम और विनष्टिकरण को लेकर बैठक आयोजित की गई. बैठक में सीआइडी आइजी असीम विक्रांत मिंज, बोकारो रेंज के आइजी सुनील भास्कर, उपायुक्त कीर्तिश्री जी, एसपी सुमित कुमार अग्रवाल, हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन सहित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए. बैठक में पोस्ता की खेती पर रोकथाम, क्षेत्र में की गई पोस्ता की खेती को पूरी तरह नष्ट करने और इसे करवाने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की रणनीति बनाई गई. सभी पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि किसी भी क्षेत्र में पोस्ता की खेती न होने पाए और जहां खेती की गई है, वहां उसे पूरी तरह नष्ट किया जाए. साथ ही एनडीपीएस एक्ट के तहत लंबित मामलों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए. सीआइडी आइजी ने कहा कि पिछले वर्ष चतरा से ही पोस्ता विनष्टिकरण अभियान की शुरुआत हुई थी, जिसमें राज्य भर में 27 हजार एकड़ पोस्ता नष्ट किया गया. इस वर्ष इससे बेहतर परिणाम हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है.

अफीम और एनडीपीएस मामलों में सरकार जीरो टोलरेंस नीति पर काम कर रही है और इसमें शामिल अधिकारियों या लोगों को कोई छूट नहीं दी जाएगी. इसके साथ ही नारकोटिक्स मामलों में पुलिस की गंभीरता बढ़ाई गई है. चतरा में एक तस्कर की चल और अचल संपत्ति को अटैच किया गया है, जो झारखंड में पहली बार हुई कार्रवाई है. जिले में छह-सात तस्करों की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया जारी है. सफेदपोश व्यक्तियों को भी चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है.

बैठक में साइबर क्राइम से बचाव पर भी विशेष ध्यान दिया गया. सीआइडी आइजी ने कहा कि जानकारी ही साइबर क्राइम से बचाव है और लोगों को जागरूक होने की आवश्यकता है.

प्रतिबिंब ऐप के माध्यम से साइबर ठगों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है. लगातार प्रयासों के चलते आज जामताड़ा साइबर क्राइम के टॉप टेन लिस्ट से बाहर हो गया है. बैठक में सिमरिया एसडीओ सन्नी राज, एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल, चतरा एसडीपीओ संदीप सुमन, डीएसपी मुख्यालय अमिता लकड़ा, सीआइडी डीएसपी सुधीर कुमार सहित जिले के पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी और अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे.

सेवा का अधिकार सप्ताह 21 से 28 नवम्बर तक

- राशन कार्ड, पेंशन, दाखिल खारिज जैसे आवेदनों पर होगी त्वरित कार्यवाई
- सरकारी सेवाओं और योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचायेंगे

शुभम संदेश ।धनबाद

राज्य सरकार ने सेवा का अधिकार सप्ताह के रूप में 21 से 28 नवम्बर तक मनाये जाने का निर्णय लिया है. इस कार्यक्रम को झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 को प्राथमिकता देते हुए आयोजित करने का निर्णय लिया है. इस कार्यक्रम अन्तर्गत पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध राज्य सरकार के विभिन्न सेवाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को समयबद्ध रूप में उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जायेगी. साथ ही इन शिविरों में सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी भी आम-जन तक पहुँचाने हेतु विशेष व्यवस्था की जायेगी. इस कार्यक्रम अन्तर्गत जिले की सभी पंचायतों में कम-से-कम एक शिविर का आयोजन किया जाएगा. इन शिविरों में झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011₹ में सूचीबद्ध सेवाओं एवं तत्सम्बंधी समस्याओं से सम्बन्धित आवेदन प्राप्त किया जाएगा एवं आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया जाएगा. इस कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य सेवा प्रक्षेत्र के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किये जायेंगे. आवेदक को जाति प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड, दाखिल खारिज मामलों का निष्पादन, भूमि की मापी (मेजरमेंट ऑफ लैंड), भूमि धारण प्रमाण पत्र, विभिन्न प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की स्वीकृति से संबंधित आवेदन लिए जायेंगे.

प्रत्येक शिविर में प्राप्त आवेदनों को पोर्टल पर पंजीकृत किया जायेगा. आवेदनों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट निवारण करते हुए समाधान / निष्पादन कागजात के साथ आवेदक की तस्वीर पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा. इस श्रेणी के तहत लोगों की शिकायतें शिविर में ही दर्ज की जायेगी और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि ऐसी शिकायतों का समाधान उसी दिन किया जाएगा तथा अधिनियम में निर्धारित समय-सीमा के अन्दर आवेदन का निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा. आवेदनों की ट्रेकिंग भी सॉफ्टवेयर के माध्यम से की जाएगी.

"आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार" कार्यक्रम का शुभारंभ

शिविर शुरू, कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा

शुभम संदेश ।हजारीबाग

झारखंड सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी "आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार" कार्यक्रम का पहला दिन 21 नवंबर 2025 को हजारीबाग जिले में शुरू हो गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों को उनके घर के नजदीक सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराना है. 21 नवंबर से 15 दिसंबर 2025 तक जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों और शहरी क्षेत्र के चिन्हित वार्डों में मेगा शिविरों का आयोजन किया जाएगा. शिविरों में आम नागरिकों को जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, लैंप्स–पैक्स सदस्यता अभियान, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, अबुआ आवास योजना सहित कई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ तुरंत प्राप्त होगा. इसके अलावा जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, आधार–राशन कार्ड, बिजली बिल और अन्य सरकारी दस्तावेज़ों के लिए आवेदन भी शिविरों में किया जा सकेगा.

शिविरों में हेल्प डेस्क की सुविधा होगी, जहां उपस्थित अधिकारी योजनाओं, आवेदन प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण से जुड़ी जानकारी देंगे. इसके अलावा छूटे हुए योग्य लाभार्थियों के आवेदन भी प्राप्त किए जाएंगे. उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में शामिल होकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएँ. उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन प्रत्येक प्रखंड और पंचायत स्तर पर शिविरों को सुचारु और सफल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. पहले दिन शिविर निम्नलिखित प्रखंडों और पंचायतों में आयोजित हुए: **ईचाक-बोंगा, बरकट्ठा-बरकट्ठा दक्षिणी, बरही-बरही पूर्वी, बड़कागांव-पश्चिमी, केरेडारी, कटकमसाण्डी-पेलावल उत्तरी, कटकमदाग-खपरियावाँ, विष्णुगढ़-भेलवारा, सदर हजारीबाग-ओरिया, डाड़ी, दारू-रामदेवखरिका, चौपारण-ताजपुर, चौपारण, चुरचू-आंगो, चलकुशा-खरगु, टाटीझरिया-टाटीझरिया, वार्ड 1,3,4-विकास केन्द्र नूरा.यह पहल नागरिकों को सरकारी योजनाओं और कल्याणकारी सेवाओं से सीधे जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी.

चौपारण (हजारीबाग) । पंचायत भवन चौपारण में शुक्रवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक 'आपकी योजना–आपकी सरकार आपके द्वार' शिविर आयोजित किया गया. इसके प्रचार के लिए पंचायत की मुखिया प्रतिनिधि विनोद सिंह ने गुरुवार को चतरा मोड़ स्थित पुखिया से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. वाहन पूरे क्षेत्र में घूमकर लोगों को शिविर की तिथि, समय और उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी दे रहा है. शिविर में अबुआ आवास योजना, किशोरी समृद्धि योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी योजना, मइया सम्मान, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, वृद्धावस्था/विधवा/दिव्यांग पेंशन, मनरेगा जॉब कार्ड, आधार अपडेट और स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं. मुखिया पिंकी देवी ने ग्रामीणों से अधिक संख्या में शिविर में पहुँचकर लाभ लेने की अपील की.

बेलगड़िया के लोगों को मिलेगी सारी बुनियादी सुविधाएं : उपायुक्त

- डीसी व एसएसपी ने बेलगड़िया टीओपी का किया निरीक्षण

शुभम संदेश ।धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन तथा एसएपी प्रभात कुमार ने गुरुवार को संध्या बेलगड़िया में टीओपी का निरीक्षण किया. निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने कहा कि झरिया मास्टर प्लान 2.0 के अनुसार टाउनशिप निवासियों को सारी सुविधाएं दी जाएंगी. यह टाउनशिप भारत सरकार का एक अति महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है. राज्य सरकार भी इसमें सक्रिय रूप से भाग ले रही है. उन्होंने कहा कि भारत सरकार व राज्य सरकार के दृष्टिकोण से यहां कई काम चल रहे हैं. जिसके अंतर्गत टाउनशिप के निवासियों को स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, रोजगार, स्वावलंबी बनाने सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं. इसमें मिडिल स्कूल को मॉडल स्कूल में तब्दील करना, लोगों की सुरक्षा के लिए टीओपी की स्थापना करना, जेआरडीए का अपना कार्यालय बनाना शामिल है. शोपिंग कॉम्प्लेक्स में दुकानों का एलॉटमेंट भी किया गया है. इसके अतिरिक्त तीन नए आंगनबाड़ी केंद्र, दो नए अस्पताल तथा 40 बेड का एक आधुनिक अस्पताल बनाने की स्वीकृति दी गई है. वहीं पानी की समस्या के समाधान के लिए 57 चापाकल बनाए गए हैं. बोरवेल से भी पानी दिया जा रहा है. उपायुक्त ने कहा कि अभी टाउनशिप में धीरे-धीरे परिवार शिफ्ट हो रहे हैं. जबकि 16 हजार से 17000 परिवारों को शिफ्ट करना है. इस दृष्टिकोण से साफ सफाई, रोजगार, पानी, आवागमन, टाउनशिप में बाउंड्री वॉल, सड़क सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित है. वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बेलगड़िया में टीओपी का शुभारंभ हो जाने से यहां के निवासियों को अपनी समस्या का निराकरण करने के लिए बलियापुर थाना नहीं जाना पड़ेगा.

प्रतियोगिता में रामगढ़ जिला बना दूसरा विजेता

रामगढ़ । झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद के तहत आयोजित राज्यस्तरीय अंडर14 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता में रामगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में हजारीबाग के खिलाफ 3–4 गोल से हारकर राज्य में दूसरा स्थान हासिल किया. उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय उदलू मांडू की टीम ने पूरे मैच में बेहतरीन खेल दिखाया. खिलाड़ी चंदा कुमारी को "प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट" का सम्मान मिला. जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम और जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने टीम और कोच कमल कुमार महतो की मेहनत की सराहना की. अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नलिनी रंजन ने कहा कि बेटियों ने राज्य स्तर पर रामगढ़ का नाम रोशन किया है और आने वाले खिलाड़ी उनके प्रदर्शन से प्रेरणा लेंगे.

शक्ति पीठ बस्ताकोला में 24 कुण्डीय राष्ट्रीय शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ

शुभम संदेश ।झरिया

गायत्री शक्ति पीठ, बस्ताकोला मंदिर प्रांगण में आयोजित 24 कुण्डीय राष्ट्रीय शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ एवं श्रीमद पावन प्रज्ञा पुराण कथा का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हुए. यह आयोजन जीवन में प्रकाश लाने, नकारात्मकता दूर करने तथा व्यक्तिगत बुराइयों को त्यागने के संकल्प पर केंद्रित रहा. महायज्ञ एवं कथा का संचालन शांतिकुंज हरिद्वार से आई टोली की नायिका संध्या तिवारी के नेतृत्व में शिवानी गढ़तिया, ममता मंजरी, गायत्री नेताम, चम्पा सलाम, लिलेश्वरी साहू एवं राकेश कुमार वर्णवाल द्वारा संपन्न कराया गया. पूरे आयोजन के दौरान गायत्री मंत्रोच्चारण, वैदिक विधानों और दीप प्रज्वलन से वातावरण भक्तिमय बना रहा. दीप महायज्ञ के अंतर्गत सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर विश्व शांति, मानव कल्याण और जीवन से नकारात्मकता दूर करने की कामना की गई. श्रद्धालुओं ने व्यक्तिगत बुराइयों को छोड़ने, सत्कर्म अपनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने जैसे संकल्प लिए. बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने इसे आत्मशुद्धि और समाज सुधार का प्रेरणास्रोत बताया.

कार्यक्रम की सफलता में विभूति शरण सिंह, ए.के. गौतम, सुरेंद्र प्रसाद, लता जायवाल, राजकुमारी शर्मा, दुलारी देवी, अरविंद आनंद, जितेंद्र सिंह, भुवनेश्वर शास्त्री, महेश प्र. गुप्ता, बादल चंद्र मंडल, जिला मीडिया प्रभारी भूपेंद्र शर्मा, लता पराशर, ममता सिंह, क्रांति देवी, सीमा देवी, कमला जी एवं सुरेंद्र प्रसाद का विशेष सहयोग रहा. इन सभी के प्रयासों से पूरा कार्यक्रम गरिमामय और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

विद्यार्थियों ने पर्यावरण, विज्ञान एवं सुरक्षा से जुड़े विविध विषयों पर बनाये मॉडल

यशोमती श्री विद्या निकेतन में विश्व बाल दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी

शुभम संदेश ।झरिया

विश्व बाल दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा द्वारा यशोमती श्री विद्या निकेतन, झरिया में एक भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी में कक्षा 4 से 10 तक के विद्यार्थियों ने दो वर्गों—जूनियर (कक्षा 4 से 7) और सीनियर (कक्षा 8 से 10)—में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. कार्यक्रम की शुरुआत मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा के अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा, संयोजक सनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष किरण शर्मा तथा विद्यालय प्रबंधन से बृज मोहन अग्रवाल एवं अनिल अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई. प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने पर्यावरण, विज्ञान एवं सुरक्षा से जुड़े विविध विषयों पर आकर्षक और नवाचारी मॉडल प्रस्तुत किए। प्रमुख विषयों में पर्यावरण संरक्षण, बालिका सुरक्षा, विद्यार्थी सुरक्षा, सुसाइड अलार्म, सौर मंडल, वायु प्रदूषण नियंत्रण और एरोप्लेन इमरजेंसी सिस्टम जैसे नवोन्मेषी प्रोजेक्ट शामिल रहे. बच्चों की वैज्ञानिक सोच एवं सृजनशीलता ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया. मॉडलों के मूल्यांकन हेतु निर्णायक के रूप में अमित शर्मा संचालक केमिस्ट्री सेंटर, राजीव शर्मा तथा मुनमुन बसाक विवेकानंद विद्यालय बनियाहीर उपस्थित रहे. कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्राचार्या गीताली सिन्हा एवं सभी शिक्षकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा, जिन्होंने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान किया.

अतिथियों एवं निर्णायकों ने विद्यालय और मंच के इस प्रयास की सराहना करते हुए बच्चों को विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. प्रतियोगिता में सीनियर समूह (कक्षा 8–10) में प्रथमः खुशबू कुमारी कक्षा 9, द्वितीय सोमा गोराई एवं ज्योति शर्मा कक्षा 8, तृतीय राधिका मोदक व तनिशा कुमारी कक्षा 10 तथा राज नंदिनी कुमारी, नैना वालिया, रिया सिंह कक्षा 10 रहे. वहीं जूनियर समूह (कक्षा 4–7) में प्रथम आदित्य प्रताप, ऋषभ कुमार, अभिनंदन वर्मा कक्षा 6, द्वितीय स्थान दीपिका सोनी, अर्पिता दत्ता कक्षा 7 और प्रिंस कुमार यादव कक्षा 6 और तृतीय स्थान पर परिधि कुमारी साह कक्षा 4 रहे.

डॉ बी एन एस उवि में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन

चौपारण (बसरिया) । प्रखंड के डॉ बंसत नारायण सिंह उच्च विद्यालय में प्रथम शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया. बैठक की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक अशोक रजक ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रबंधन समिति सचिव एवं विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव उपस्थित रहे. बैठक में सचिव यादव ने अभिभावकों को बच्चों के सर्वांगीण विकास, 100% नामांकन, 10वीं तक की अनिवार्य शिक्षा, ड्रॉपआउट कम करने और लर्निंग गैप को दूर करने पर जोर दिया. उन्होंने बच्चों की मासिक परीक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रदर्शन को अभिभावकों के सामने प्रस्तुत करने तथा कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही. प्रधानाचार्य अशोक रजक ने कहा कि शिक्षक-अभिभावक बैठक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का आधार है.

एक नजर

रजत समारोह के अवसर पर शुरू होगा 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' शिविर

केरेडारी । रजत समारोह के अवसर पर झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' 21 नवंबर से 15 दिसंबर तक केरेडारी प्रखंड के 16 पंचायतों में आयोजित की जाएगी. इस अभियान के तहत प्रशासनिक अधिकारी गांव-गांव जाकर जनता की समस्याओं को सुनेंगे और मौके पर समाधान करेंगे.केरेडारी प्रखंड विकास अधिकारी विवेक कुमार के अनुसार, क्रमशः 21 नवंबर को केरेडारी, 22 को पेटो, 24 को कराली, 25 को सालगा, 27 को चट्टीबारीयतु, 28 को बेगवरी, 29 को पचड़ा, 1 दिसंबर को पाण्डु, 2 को गरीकला, 4 को बारीयतु, 6 को बेलतू, 8 को हेवई, 9 को कांडाबेर, 11 को मनातू, 13 को बुंडू और 16 को पाताल में एक दिवसीय शिविर आयोजित होंगे. इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है.

भू रैयत विस्थापित प्रभावित समिति भदईखाप ने गोबिंद साव के पुत्री विवाह में दिया सहयोग

केरेडारी । केरेडारी प्रखंड के पेटो पंचायत में बनी भू रैयत विस्थापित प्रभावित समिति भदईखाप ने गरीब परिवारों के विवाह समारोह में लगातार सहयोग का कार्य किया है. इसी क्रम में चट्टी पेटो के गरीब परिवार गोबिंद साव के पुत्री विवाह समारोह में समिति ने 10,000 रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया. परिवार ने समिति को धन्यवाद ज्ञापित किया. मौके पर समिति अध्यक्ष रामेश्वर साव, सचिव मो. मनोवर अंसारी, कोषाध्यक्ष चंदन कुमार, समाजसेवी सुरेश मिश्रा, मो. दिलदार अंसारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे. इस सहयोग ने समारोह को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

चतरा में धान अधिप्राप्ति में पारदर्शिता की नई पहलः लोकसेतु पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन शुरू

चतरा । चतरा जिला प्रशासन ने धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और तकनीक-संचालित बनाने के लिए लोकसेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रणाली शुरू की है. अब जिले के सभी पैक्स, एफ.पी.ओ., ग्रेन गोला, कृषक सेवा सहकारी समितियां और बाजार समितियां धान अधिप्राप्ति केंद्रों के लिए सीधे पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगी. जिला सहकारिता पदाधिकारी लोकनाथ महतो ने बताया कि इस प्रणाली से समय की बचत होगी और आवेदन की जांच एवं अनुमोदन प्रक्रिया त्वरित और पारदर्शी होगी. उपायुक्त कीर्तिश्री ने कहा कि तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करने से सभी संस्थाओं को समान अवसर मिलेगा, रिकॉर्ड सुरक्षित रहेंगे और विलंब कम होगा. उन्होंने संबंधित इकाइयों और कृषकों से अपील की कि वे समयसीमा का पालन करते हुए लोकसेतु पोर्टल का उपयोग करें. यह पहल धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया को आधुनिक, जनहितकारी और उत्तरदायी बनाने में मील का पत्थर साबित होगी.

चतरा शहर के एएनएम कॉलेज एंड हॉस्टल का निर्माण अधूरा, संवेदक दो करोड़ लेकर फरार

चतरा । शहर के टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित एएनएम कॉलेज एंड हॉस्टल का निर्माण अधूरा पड़ गया है. संवेदक एमएस राजू शर्मा ने दो करोड़ रुपए का भुगतान लेकर निर्माण कार्य रोक दिया. कॉलेज में एएनएम और जीएनएम की पढ़ाई के लिए भवन और 100 छात्राओं के लिए हॉस्टल बनना था, लेकिन पांच एकड़ में फैले कैंपस में निर्माणाधीन भवन जंगल झाड़ियों में गुम होते जा रहे हैं. कॉलेज शुरू हो जाने से जिले में स्वास्थ्य कर्मियों की कमी दूर हो सकती थी. योजना की कुल प्राक्कलन राशि 8 करोड़ 44 लाख रुपए थी. पहले फेज में विभाग ने 3.44 करोड़ आवंटित किया था. सहायक अभियंता विजय कुमार ने बताया कि कंपनी को ब्लैकलिस्टेड कर दिया गया है और अधूरे कार्यों को पूरा कराने के लिए फिर से डीपीआर तैयार किया जा रहा है.

जयनगर में हेल्थ सर्विसेज़ टीम ने किया निरीक्षण

जयनगर (कोडरमा) । राज्यस्तरीय हेल्थ सर्विसेज़ टीम ने गुरुवार को जयनगर प्रखंड के विभिन्न स्वास्थ्य और पोषण केंद्रों का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण दल का नेतृत्व रांची से आए वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अजीत खलको ने किया. टीम ने सीएचसी जयनगर, पीएचसी रूपायडीह, आयुष्मान आरोग्य मंदिर चदरा-पिपराडीह, मध्य विद्यालय रूपायडीह, आंगनबाड़ी केंद्र मतौनी और आयुष्मान आरोग्य मंदिर गोहाल में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया. निरीक्षण में टीकाकरण, पोषण सेवाएं और धात्री माताओं को उपलब्ध सुविधाओं की पुष्टि की गई. लाभुक महिलाओं से सेवा की गुणवत्ता पर फीडबैक लिया गया और व्यवस्था संतोषजनक पाई गई. डॉ. खलको ने दवाओं की उपलब्धता और प्रसव सेवाओं की सक्रियता की सराहना की. निरीक्षण में बिपिन कुमार, निलोफा डोडल, अर्चना कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी और डीपीएम महेश कुमार, डीडीएम अविनाश कुमार, प्रभारी धर्मेंद्र कुमार उपस्थित रहे.

पूर्व सदर विस प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने नगर आयुक्त से फुटपाथ दुकानदारों की समस्याओं पर की चर्चा

हजारीबाग । पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने गुरुवार को नगर आयुक्त और नगर उप आयुक्त से मुलाकात कर फुटपाथ दुकानदारों की बढ़ती समस्याओं को उठाया. मुलाकात के दौरान सैकड़ों दुकानदार मौजूद थे, जिन्होंने बिना नोटिस के दुकानों के तोड़े जाने और लगातार चलान काटे जाने की घटनाओं पर अपनी पीड़ा व्यक्त की. मुन्ना सिंह ने अधिकारियों से मांग की कि जब तक फुटपाथ व्यापारियों के लिए सुनियोजित वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बनाई जाती, तब तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई रोकी जाए. उन्होंने कहा कि छोटे व्यवसाय से अपने परिवार का गुजर-बसर करने वाले लोगों को परेशान करना अनुचित है. सिंह ने नगर निगम से आग्रह किया कि दुकानदारों के रोज़गार और सम्मान की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए. मौके पर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा, नगर अध्यक्ष प्रवेज अहमद सहित कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस गरीब और श्रमजीवी वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी.

आदर्श डीएवी पब्लिक स्कूल चेड़रा में खेल प्रतिभाओं को अंचलाधिकारी ने किया सम्मानित

विष्णुगढ़ । प्रखंड के चेड़रा स्थित आदर्श डीएवी पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड के अंचलाधिकारी नित्यानंद दास उपस्थित हुए. कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य दिग्विजय नारायण, प्रबंध निदेशक सागर कुमार, चेयरमैन कृष्ण राणा और अन्य विद्यालय अधिकारियों द्वारा अंचलाधिकारी का स्वागत कर हुई. छात्रों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया, जिन्होंने पीएफआई-2025 दिल्ली खेल प्रतियोगिता और बिरसा मेमोरियल एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन किया. प्रमुख विजेता रहे राहुल कुमार वर्मा, जिन्होंने 100 और 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण एवं रजत पदक जीतकर बेस्ट एथलीट ऑफ टूर्नामेंट ट्रॉफी प्राप्त की. विद्यालय परिवार ने उनके माता-पिता को भी अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया.

न्यूज अपडेट

भारत में जन्मी मादा चीता मुखी ने पांच शावकों को दिया जन्म

नई दिल्ली। भारत में जन्मी मादा चीता मुखी ने पांच शावकों को जन्म दिया है. केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने गुरुवार को इस खबर को साझा करते हुए खुशी जताई है. उन्होंने 'एक्स' पर किए गए अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इसे ऐतिहासिक बताया. उन्होंने बताया कि मादा चीता मुखी और उसके सभी शावक स्वस्थ हैं. यादव ने कहा कि यह उपलब्धि भारत में चल रहे संरक्षण प्रयासों और 'प्रोजेक्ट चीता' के भविष्य को लेकर विश्वास को और मजबूत करती है. भूपेन्द्र यादव ने बताया कि इतिहास में पहला अवसर है जब भारत में जन्मी किसी चीता ने सफलतापूर्वक प्रजनन किया है. भारत में जन्मी पहली मादा चीता मुखी ने पांच शावकों को जन्म दिया है.

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का अधिकारिक यू-ट्यूब चैनल बंद

चंडीगढ़। यू-ट्यूब के नियमों का उलंघन करने पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के आधिकारिक यू-ट्यूब चैनल एसजीपीसी, श्री अमृतसर को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया है. जब 19 नवंबर की शाम को श्री हरिमंदिर साहिब से प्रतिदिन होने वाले साहिब के पाठ का सीधा प्रसारण जारी था, उसी दौरान यह कार्रवाई लागू हुई. यू-ट्यूब के अनुसार 31 अक्टूबर को अपलोड किये गए एक वीडियो पर उनकी नीति के अंतर्गत आपत्ति जताई गई है. वीडियो में एक सिख प्रचारक द्वारा सिख इतिहास से जुड़े तथ्यों और 1984 की घटनाओं से संबंधित संदर्भ प्रस्तुत किए गए थे. वीडियो में सिख योद्धाओं के बारे में ऐतिहासिक विचार साझा किए गए थे, जिन्हें यू-ट्यूब ने अपनी कंटेंट गाइडलाइन का उल्लंघन माना.

फिरोजपुर में आरएसएस कार्यकर्ता की हत्या का आरोपी पकड़ा गया

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने फिरोजपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कार्यकर्ता की हत्या का आरोपित गुरुवार को मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया है. इस मामले में अब तक तीन आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं. फिरोजपुर पुलिस ने बुधवार को इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था. फिरोजपुर में 15 नवंबर की रात अज्ञात युवकों ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ता नवीन अरोड़ा की गोली मारकर हत्या कर दी थी. फिरोजपुर के एसएसपी भूपिंदर सिंह ने बताया कि बुधवार की देर रात पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान जतिन काली को घेरा. पुलिस को देखकर उसने बाइक भगा ली और फायर किया, एक बुलेट पुलिस की गाड़ी के फ्रंट शीशे में लगी है.

जापान में फिर से चालू होगा दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र

टोक्यो। जापान में दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र 'ताकाहामा परमाणु ऊर्जा संयंत्र' जल्द ही दोबारा चालू होगा. फुकुई प्रांत स्थित यह दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, जिसकी कुल क्षमता 8,212 मेगावाट है लेकिन इसे साल 2011 में फुकुशिमा हादसे के बाद बंद कर दिया गया था. फुकुई प्रांत के गवर्नर तात्सुजी सुगिमोतो ने प्रांतीय विधानसभा में गुरुवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि वह कंसाई इलेक्ट्रिक पावर कंपनी के इस संयत्र की इकाई 01 और 02 को फिर से शुरू करने की अंतिम मंजूरी देंगे. कहा, "हमने सुरक्षा मानकों की कड़ी समीक्षा की है और नए नियामक मानदंड पूरे हो चुके हैं.

बुद्धिजीवी आतंकवादी बनते हैं तो वे और खतरनाक होते हैं: दिल्ली पुलिस

नयी दिल्ली। दिल्ली दंगों के आरोपियों उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीना हैदर सहित अन्य की जमानत याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान दिल्ली पुलिस ने आरोपियों की जमानत का विरोध करते हुए कहा कि "जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बनते हैं, तो वे जमीनी स्तर के आतंकियों से कहीं अधिक खतरनाक साबित होते हैं." एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच के समक्ष दलीलें रखते हुए हाल ही में हरियाणा की अल फलाह यूनिवर्सिटी से पकड़े गए तथाकथित "व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल" का उदाहरण दिया. उन्होंने बताया कि एक डॉक्टर के पास से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी और उसके सहयोगी डॉ. उमर नबी ने अगले दिन लाल किले के पास कार ब्लास्ट किया.

लुधियाना में पुलिस और आतंकियों के बीच मुठभेड़, दो संदिग्ध घायल

लुधियाना। लुधियाना में दिल्ली–अमृतसर नेशनल हाईवे स्थित लाडोवाल टोल प्लाजा के पास पुलिस और आतंकियों के बीच मंगलवार को मुठभेड़ हो गई. इस भिड़ंत से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया और क्षेत्र को तुरंत छावनी में तब्दील कर दिया गया. पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं. सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने एक दिन पहले ही आतंकी गतिविधियों से जुड़े तीन लोगों को हैंड ग्रेनेड सहित गिरफ्तार किया था. लुधियाना के पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने बताया कि यह गिरफ्तारी एक बड़े टेरर मॉड्यूल के भंडाफोड़ का हिस्सा थी. बताया कि मंगलवार को बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) संगठन के दो आतंकियों की मौजूदगी की इनपुट मिली थी.

वेव्स बाजार में गूंजा 'वंदे मातरम', दक्षिण कोरिया की सांसद ने गाया भारत का राष्ट्रीय गीत

पणजी। भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में आज यहां वेव्स फिल्म बाजार के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आयीं दक्षिण कोरिया की सांसद जेवॉन किम ने वंदे मातरम गीत के मधुर गायन से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया. वेव्स फिल्म बाजार के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन शामिल हुए. केंद्रीय राज्यमंत्री सुरेश गोपी, सूचना प्रसारण सचिव संजय जाजू, भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के निदेशक शेखर कपूर, फिल्मकार अनुपम खेर भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे. दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री मुरुगन ने कहा कि तकनीक के विकास के साथ नये-नये फिल्म निर्माता खासकर युवा नयी-नयी रचनाएं ला रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन रचनात्मक युवा प्रतिभाओं को विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक सहयोग एवं साझीदारी के अवसर देने के लिए वेव्स बाजार को मजबूती प्रदान करना चाहते हैं. मुरुगन ने भारत के फिल्म निर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के बारे में बात की. इसे रचनाकारों और निर्माताओं के बीच एक पुलर कहते हुए उन्होंने युवा आवाजों और नए कहानीकारों को सशक्त बनाने के लिए मंच की प्रशंसा की. इस साल बाजार में 124 नए रचनाकारों की भागीदारी को ध्यान में रखते हुए और भारतीय संस्कृति एवं सामग्री को दुनिया में ले जाने में अपनी भूमिका की पुष्टि की. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में वेव्स फिल्म बाजार को आईएफएफआई के समारोहों की स्वाभाविक और उपयुक्त शुरुआत के रूप में वर्णित किया. उन्होंने इसे स्क्रीनिंग, मास्टरक्लास और प्रौद्योगिकी शोकेस का एक पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र करार दिया और इस बात पर जोर दिया कि कैसे वेव्स की नई पहचान रकला को कारोबार में बदलनेर के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है. उन्होंने फिल्म निर्माताओं के लिए दुनिया के पहले ई-मार्केटप्लेस पर प्रकाश डाला और जोर देकर कहा कि वेव्स रचनाकारों और देशों को जोड़ रहा है, जिससे भारत वैश्विक सहयोग के लिए एक सम्मिलन बिंदु बन गया है. उन्होंने क्यूरेटेड परियोजनाओं को नकद अनुदानों और संरचित प्रक्रियाओं की विस्तृत श्रृंखला का उल्लेख किया, जबकि भारत के पहले एआई फिल्म फेस्टिवल और हैकाथॉन को सिनेमाई प्रौद्योगिकी के भविष्य को अपनाने की दिशा में आवश्यक कदमों के रूप में भी उजागर किया.

पाक सुजावल के पास अरब सागर में बना रहा आर्टिफिशियल आइलैंड

इस प्लेटफॉर्म पर 25 कुएं ड्रिल करने की योजना है

एजेंसी। इस्लामाबाद

ऐसा लग रहा है कि पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'ड्रिल, बेबी, ड्रिल' नारे को गंभीरता से लिया है. ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि पाकिस्तान में एक बड़ा तेल भंडार मौजूद है. हालांकि पाकिस्तान की तेल कंपनियों ने इस बयान को गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार और आर्मी चीफ असीम मुनीर ने तेल और गैस की खोज को बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाने का निर्णय किया है. ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड (पीपीएल) समुद्र में एक आर्टिफिशियल आइलैंड का निर्माण कर रहा है, जो सिंध तट से करीब 30 किलोमीटर दूर सुजावल के पास अरब सागर में स्थित होगा. सुजावल कराची से लगभग 130 किलोमीटर दूर है और इंडस नदी के मुहाने के पास स्थित है. इस आइलैंड से चौबीसों घंटे ड्रिलिंग संभव होगी. पीपीएल के जनरल मैनेजर अरशद पालेकर ने कहा कि आइलैंड का निर्माण अगले साल फरवरी तक पूरा हो जाएगा और ऑपरेशन तुरंत शुरू होंगे. इस प्लेटफॉर्म पर लगभग 25 कुएं ड्रिल करने की योजना है. आइलैंड की ऊंचाई छह फीट होगी ताकि इसे समुद्री ज्वार-भाटा से सुरक्षित रखा जा सके. आइलैंड पर स्टाफ के रहने और काम करने की सुविधा भी होगी, जिससे ट्रांसपोर्टेशन और लॉजिस्टिक लागत कम होगी.

हालांकि, एक्सपर्ट्स का मानना है कि पाकिस्तान के लिए समुद्र में आर्टिफिशियल आइलैंड बनाना आसान नहीं है. यह तकनीक यूएई, जापान और चीन जैसे देशों में वर्षों से प्रयोग की जा रही है. मिट्टी और पत्थर डालकर समुद्र से जमीन निकालना और स्थायी प्लेटफॉर्म तैयार करना महंगा और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण काम है. पाकिस्तान ने सालों से दावा किया है कि उसके समुद्री क्षेत्र में तेल भंडार मौजूद है. इसके लिए कई खोज प्रयास किए जा चुके हैं. चीन और अन्य देशों के इंजीनियरों ने भी प्रोजेक्ट में हिस्सा लिया, लेकिन अब तक तेल का पता नहीं चल सका. 2019 में कराची के पास केकरा-1 नामक कुएं में अरबों रुपये खर्च किए गए, लेकिन वहां तेल नहीं मिला. इसके बाद इक्सन मोबील, शेल टोटल एनर्जी और कुवैत पेट्रोलियम जैसी कंपनियों ने प्रोजेक्ट से पीछे हटना शुरू कर दिया. विशेषज्ञों का कहना है कि अगर तेल भी मिलता है, तो उसे निकालने का खर्च इतना अधिक होगा कि यह निवेश की भरपाई नहीं कर पाएगा. पाकिस्तान के लिए यह आर्थिक रूप से जोखिम भरा कदम है, क्योंकि देश अपनी लगभग 80 प्रतिशत तेल जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर है. हालांकि, शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ ने ट्रंप के बयान को ध्यान में रखते हुए तेल खोजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. विशेषज्ञ इसे आर्थिक तौर पर अव्यावहारिक मान रहे हैं और कह रहे हैं कि ठोस वैज्ञानिक डेटा के बिना यह कदम जोखिमपूर्ण है. इसलिए सवाल उठ रहा है कि क्या पाकिस्तान का यह प्रोजेक्ट वास्तव में तेल के भंडार की खोज पर आधारित है, या केवल अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर प्रेरित है. ट्रंप का बयान तो जल्द ही भूले जाने वाला हो सकता है, लेकिन आईएमएफ पर निर्भर पाकिस्तान के लिए यह प्रोजेक्ट अगर असफल हुआ तो भारी आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है.

नेपाल : बारा जिले में जेन जी और सीपीएन-यूएमएल समर्थकों के बीच हिंसक टकराव बढ़ा

एजेंसियां । काठमांडू

नेपाल के बारा जिले में एक बार फिर से युवा प्रदर्शनकारियों और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) समर्थकों के बीच हिंसक झड़पें शुरू हो गई हैं. मंगलवार से शुरू हुए तनाव के बाद, बिहार सीमा के पास के हिंसा प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है. जिला प्रशासन ने बढ़ते तनाव और शांति बहाल करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए गुरुवार रात 8 बजे तक कर्फ्यू लगाने की घोषणा की. रिपोर्टों के अनुसार, बुधवार को बारा में जेन जी के युवा प्रदर्शनकारियों और सीपीएन-यूएमएल के कैडर के बीच टकराव हुआ. गुरुवार को भी तनाव जारी रहा और प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए. सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरों में दिखाया गया है कि प्रदर्शनकारी पुलिस पर पत्थरबाजी कर रहे थे, जबकि पुलिस अपनी सुरक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई कर रही थी. स्थानीय लोग हिंसा की स्थिति को "बेकरार और नियंत्रित नहीं" बता रहे हैं. इस हफ्ते की शुरुआत में शुरू हुआ टकराव तब और तेज हो गया जब युवा प्रदर्शनकारी और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सीपीएन-यूएमएल पार्टी के समर्थक आमने-सामने आ गए. इन बहसों के दौरान हिंसा ने गंभीर रूप ले लिया. इसके बाद बारा जिले में विशेष सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है.

गुरुवार सुबह करीब 11 बजे सिमारा चौक पर प्रदर्शनकारी जमा हो गए. पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए बल प्रयोग किया. काठमांडू पोस्ट के अनुसार, अधिकारियों ने दोपहर करीब 12.45 बजे कर्फ्यू लागू किया और इसे रात 8 बजे तक जारी रखने का निर्णय लिया. जेन जी प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर आरोप लगाया कि बुधवार को हुई झड़पों में शामिल लोगों की गिरफ्तारी नहीं की गई, जबकि उनकी शिकायतें दर्ज थीं. इससे पहले सितंबर 2025 में भी नेपाल में हिंसक प्रदर्शन हुए थे. ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट के अनुसार, उस समय सुरक्षा बलों ने अत्यधिक बल का इस्तेमाल किया, जिसके परिणामस्वरूप अकेले काठमांडू में 17 प्रदर्शनकारी मारे गए. इसके अगले दिन सरकारी इमारतों, मीडिया आउटलेट्स और स्कूलों पर आगजनी और हमले हुए थे. इस सप्ताह की हिंसा तब शुरू हुई जब बुद्ध एयर की एक फ्लाइट, जिसमें सीपीएन-यूएमएल के जनरल सेक्रेटरी शंकर पोखरेल और पार्टी के युवा नेता महेश बसनेत सवार थे, काठमांडू से सिमारा के लिए उड़ान भरने वाली थी. दोनों नेता एक सरकार विरोधी रैली को संबोधित करने वाले थे. जब यह जानकारी स्थानीय लोगों तक पहुंची कि वरिष्ठ पार्टी नेता शहर आ रहे हैं, तो जेन जी के प्रदर्शनकारी एयरपोर्ट के पास जमा हो गए. इसके परिणामस्वरूप लोकल सीपीएन-यूएमएल कैडर के साथ झड़प शुरू हो गई. घटना के बाद अधिकारियों ने एयरपोर्ट क्षेत्र में भी कर्फ्यू लागू किया. पुलिस ने कहा कि वह स्थिति को नियंत्रित करने और हिंसा को बढ़ने से रोकने के लिए हर संभव कदम उठा रही है. स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बल प्रभावित इलाकों में तैनात हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. हालात इस समय गंभीर बने हुए हैं और विशेषज्ञों का कहना है कि यदि तुरंत शांति स्थापित नहीं की गई, तो हिंसा और बढ़ सकती है. प्रदर्शनकारी और समर्थक दोनों ही पक्षों में तनाव उच्च स्तर पर है, जिससे प्रशासन के लिए चुनौती बढ़ गई है.

अल-फलाह यूनिवर्सिटी का आतंकवाद से पुराना रिश्ता

नयी दिल्ली। दिल्ली के लालकिले के पास हाल ही में हुए कार धमाके के आरोपी डॉ. उमर नबी के अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े होने की जानकारी सामने आने के बाद अब इंटेलिजेंस एजेंसियों ने इस यूनिवर्सिटी को लेकर एक और बड़ा खुलासा किया है. रिपोर्ट के अनुसार, यह कोई पहला मामला नहीं है जब अल-फलाह यूनिवर्सिटी के छात्र या पूर्व छात्र आतंकवादी गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं. जानकारी के अनुसार, 2007 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट में भी अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े एक छात्र का नाम सामने आया था. इंडियन मुजाहिदीन

का सक्रिय सदस्य मिर्जा शादाब बेग अल-फलाह इंजीनियरिंग कॉलेज का छात्र रह चुका है. बेग ने फरीदाबाद स्थित अल-फलाह इंजीनियरिंग कॉलेज से 2007 में बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन) पूरी की थी. उसी वर्ष अहमदाबाद धमाकों में उसका नाम सामने आया था. बताया जाता है कि पढ़ाई के दौरान ही वह हमलों की योजना बनाने में शामिल था. वर्तमान में वह फरार है और सूत्रों के अनुसार उसकी लोकेशन अफगानिस्तान बताई जाती है. मिर्जा शादाब बेग की 2008 जयपुर धमाकों में भी भूमिका रही. इंडियन मुजाहिदीन का अहम सदस्य होने के नाते उसने विस्फोटक इकट्ठा करने के लिए उडुपी जाकर रियाज और यासीन भटकल को डेटोनेटर और बेयरिंग उपलब्ध कराए, जिनसे आईईडी तैयार किए गए. अपने इंजीनियरिंग अध्ययन के दौरान बेग बम बनाने में माहिर माना जाता था. इसके अलावा, अहमदाबाद और गोरखपुर धमाकों में भी उसका सक्रिय योगदान रहा. अहमदाबाद धमाकों से लगभग 15 दिन पहले वह शहर में पहुंचा और तीन टीमों के साथ मिलकर पूरे शहर की रेकी, धमाकों की योजना, लॉजिस्टिक, आईईडी फिटिंग और बैग बम तैयार करने का काम संभाला. 2007 में गोरखपुर में हुए सिलसिलेवार धमाकों में भी उसका नाम सामने आया, जिसमें छह लोग घायल हुए थे. गोरखपुर पुलिस ने बाद में उसकी संपत्ति कुर्क कर दी थी. 2008 के बाद से मिर्जा शादाब बेग फरार है. दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद और गोरखपुर धमाकों में नाम आने के बाद उस पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था.

आदिवासी संस्कृति को अधिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर में गुरुवार को जनजातीय गौरव दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि आदिवासी संस्कृति बेहद समृद्ध और सुंदर है, इसे और अधिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है. राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर चुका है और राज्य के विकास में जनजाति समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है. उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और कहा कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, उड़ीसा और झारखंड के बीच सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्ते सदियों से जुड़े रहे हैं. रोटी और बेटी के इस संबंध ने इन राज्यों की जनजातीय परंपराओं को और मजबूत किया है. उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों के जनजातीय समाज ने अपनी विरासत को संजोकर रखा है, जिसके लिए वह विशेष रूप से आभार व्यक्त करती हैं.

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि उनकी जीत भाजपा और केंद्र व राज्य सरकार के विकास मॉडल पर जनता के भरोसे को दर्शाती है

खजौली विधानसभा : अरुण शंकर प्रसाद ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की

एजेंसी। पटना

मधुबनी जिले की खजौली विधानसभा सीट से भाजपा के अरुण शंकर प्रसाद ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल की है. 2025 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने राजद के बृजकिशोर यादव को 13,126 मतों के अंतर से पराजित किया. भाजपा विधायक अरुण शंकर प्रसाद को कुल 1,01,151 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी बृजकिशोर यादव को 88,025 वोट ही मिल सके. अरुण शंकर प्रसाद ने 2020 के विधानसभा चुनाव में भी राजद के सीताराम यादव को भारी मतों से हराया था. अपनी जीत पर अरुण शंकर ने जनता को श्रेय देते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में क्षेत्र का विकास करने के लिए सबसे अधिक फंड लाया. उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों पर भरोसा जताते हुए कहा कि जनता ने इसी विश्वास के कारण उन्हें वोट दिया. वहीं, अरुण शंकर के मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना से क्षेत्र में खुशी की लहर है. एक दिन पहले ही इस चर्चा की जानकारी सामने आई थी, जिसके बाद से उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है. पीजी तक पढ़े अरुण शंकर प्रसाद को एक सफल व्यवसायी के रूप में भी जाना जाता है. उनका मानना है कि विकास और जनता की सेवा ही उनकी प्राथमिकता है. राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि उनकी जीत भाजपा और केंद्र तथा राज्य सरकार के विकास मॉडल पर जनता के भरोसे को दर्शाती है.

लेशी सिंह: संघर्ष से सियासी सफलता तक का अद्भुत सफर

पूर्णिया की राजनीति में धमदाहा विधानसभा क्षेत्र की जदयू विधायक लेशी सिंह अपने संघर्ष और असाधारण दृढ़ता के लिए जानी जाती हैं. सामान्य परिवार से निकलकर राजनीतिक सत्ता की ऊंचाइयों तक पहुंचने वाली लेशी सिंह ने न केवल अपने विरोधियों को पराजित किया, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी चुनौतियों का भी डटकर सामना किया. नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार में उन्हें खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का मंत्री बनाकर उनके अद्वितीय राजनीतिक सफर को सम्मान मिला. कटिहार के गौआगाछी गांव में 5 जनवरी 1974 को जन्मी लेशी सिंह की शादी 16 वर्ष की आयु में धमदाहा के सरसी गांव निवासी समता पार्टी के जिलाध्यक्ष मधुसूदन सिंह उर्फ बूटन सिंह से हुई. 1995 में पति की चुनाव हार के बाद राजनीतिक जिम्मेदारी लेशी सिंह के हाथ में आई. 2000 में समता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर उन्होंने सीमांचल की राजनीति में जोरदार प्रवेश किया. हालांकि 19 अप्रैल 2000 को उनके पति की हत्या ने राजनीतिक गलियारों में उनके सफर को समाप्त मान लिया गया, लेकिन लेशी सिंह ने हार नहीं मानी. उन्होंने समता पार्टी की जिलाध्यक्ष और उप-सचेतक का पद संभाला. 2005 में समता पार्टी के जदयू में विलय के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विश्वास जीतते हुए सियासी मजबूती हासिल की. आज लेशी सिंह न केवल दमदार राजनीतिक हस्ती हैं, बल्कि संघर्ष और साहस का प्रतीक भी बन चुकी हैं.

नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल हुईं श्रेयसी सिंह

बिहार में नई सरकार में जमुई से विधायक चुनी गईं श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा रहा है. 34 वर्षीय श्रेयसी सिंह सिर्फ खेल जगत की स्टार ही नहीं हैं, बल्कि राजनीति में भी नया मुकाम बना रही हैं. वे पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह की बेटी हैं, और उनके परिवार की राजनीतिक एवं खेल विरासत काफी मजबूत रही है. उनके दादा, कुमार सुरेंद्र सिंह, नेशनल राइफल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रहे, जबकि उनकी मां पुतुल कुमारी पूर्व सांसद रह चुकी हैं. श्रेयसी का ताल्लुक बिहार के जमुई जिले के गिद्धौर से है. खेलों में उनका योगदान भी शानदार है. श्रेयसी डबल ट्रैप शूटिंग में एक्सपर्ट हैं. उन्होंने 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स (गोल्ड कोस्ट) में गोल्ड मेडल जीता, 2014 ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर और 2014 एशियन गेम्स में टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया. उन्हें अर्जुन अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है. वे 2024 पेरिस ओलंपिक्स में बिहार की पहली शूटर के रूप में हिस्सा लेंगी और 61वें नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.